जबलपुर

रविवार, 20 अप्रैल 2025

- वैशाख मास कृष्ण पक्ष-8
- वर्ष : 19, अंक : 343
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम

अधि. 41

न्यून. 25

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

गर्म हवाओं से पारे में बढ़ोतरी

रतलाम, गुना, सागर और सीधी में लू, एक दर्जन जिलों में बढ़ेगा रात का पारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में गर्मी के तीखे तेवर शनिवार को भी देखने को मिले। रतलाम, गुना, सागर, दमोह, सीधी में लू का असर रहा। वहीं ग्वालियर, शिवपुरी और मंडला में रात का तापमान ज्यादा रहने का अनुमान है। दरअसल गर्म हवाओं की वजह से पारे में बढ़ोतरी हुई है। जिससे दिन के साथ रात का तापमान भी बढ़ा है। तीन दिन बाद गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। इससे पहले शुक्रवार को सीजन में पहली बार दिन का पारा 44 डिग्री के पार पहुंच गया था।

सबसे गर्म रहा शिवपुरी

शनिवार को शिवपुरी जिला सबसे गर्म रहा। यहां पारा 44 डिग्री दर्ज किया गया। सागर, मंडला, दमोह सहित आधा दर्जन जिलों में दिन का पारा 42 डिग्री से ऊपर रहा। धार में 41.9 डिग्री, उमरिया में 41.7 डिग्री, खरगोन में 41.4 डिग्री, मलाजखंड में 41 डिग्री, सिवनी में 40.4 डिग्री, बैतूल में 40.2 डिग्री, खंडवा में 40.1 डिग्री और छिंदवाड़ा में पारा 40 डिग्री दर्ज किया गया।

जेईई मेन सेशन 2 के परिणाम जारी

राजस्थान 7 अभ्यर्थियों के साथ इस बार सबसे आगे, सामान्य वर्ग के 21 अभ्यर्थी शामिल

100 पर्सेंटाइल पाने वाले 24 टॉपरों में 22 लड़के और 2 लड़कियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने शुक्रवार देर रात जेईई मेन सेशन-2 के परिणाम जारी कर दिए है। इस बार इस परीक्षा में 24 अभ्यर्थियों ने पूरे 100 पर्सेंटाइल हासिल कर टॉप किया है। 100 पर्सेंटाइल पाने वाले 24 टॉपरों में 22 लड़के और 2 लड़कियां शामिल हैं। 100 पर्सेंटाइल पाने वालों में सामान्य वर्ग के 21 अभ्यर्थी हैं। वहीं ईब्ल्यूएस, ओबीसी (नॉन-क्रीमीलेयर), एससी वर्ग के एक-एक अभ्यर्थी को 100 परसेंटाइल मिला है। 24 टॉपरों में राजस्थान सबसे आगे रहा है। इस बार राजस्थान से 7, तेलंगाना से 3, महाराष्ट्र से 3, उत्तर प्रदेश से 3, पश्चिम बंगाल से 2, आंध्र प्रदेश 1, दिल्ली से 2, कर्नाटक से 1 और गुजरात से दो टॉपर हैं।

मप्र के टॉपर ने हर दिन पढ़ाई को करीब 12 से 14 घंटे समय दिया, कहा-ये सपने जैसा

बुरहानपुर के छात्र माजिद हुसैन प्रदेश में टॉप पर

जेईई मेंस 2025 में बुरहानपुर के छात्र माजिद हुसैन ने 99.9992 परसेंटाइल स्कोर के साथ मध्यप्रदेश के टॉप किया है। वहीं ऑल इंडिया रैंक 30 हासिल की है। माजिद इससे पहले एनएसईपी, आईएनएमओ, आईएनसीएचओ सहित सीओएफ की अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में भी प्रथम स्थान प्राप्त कर चुके हैं।

ओमप्रकाश बेहरा ऑल इंडिया रैंक-1 पर:

राजस्थान के कोटा से ओमप्रकाश बेहरा ने ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल की है। ओम प्रकाश ने 300 में से 300 अंक प्राप्त कर परफेक्ट स्कोर बनाया है। कोटा के एलन कोचिंग सेंटर में पढ़ने वाले ओम प्रकाश बेहरा ओडिशा के भुवनेश्वर के रहने वाले हैं। ओमप्रकाश बेहरा ने कहा कि परीक्षा में सफलता का एक मात्र मंत्र है कि जो हो चुका है उस पर ध्यान देने की जगह जो हो रहा है उस पर ध्यान दें। उन्होने रोजाना कम से कम 8 से 9 घंटे सेल्फ स्टडी की सलाह दी।

आईआईटी धनबाद ने की घोषणा पूर्ण शिक्षण शुल्क माफ

जेईई एडवांस 2025 के टॉपर छात्र-छात्राओं को आईआईटी धनबाद में पढ़ाई करने पर शिक्षण शुल्क नहीं देना होगा। जेईई एडवांस के एक हजार सीआरएल (कॉमन रैंक लिस्ट) तक रैंक पाने वाले सभी छात्र-छात्राओं के शिक्षण शुल्क माफ (फुल ट्यूशन फीस वेवर) करने की घोषणा आईआईटी धनबाद ने की है।

खबर संक्षेप

हर्ष फायरिंग करने वाला गिरफ्तार, हंगामा

जबलपुर। कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया के छोटे भाई की बर्थडे पार्टी में हर्ष फायरिंग का मामला सामने आया है। विधायक के भाई यश घनघोरिया की पार्टी में अस्सू खान नाम के एक व्यक्ति ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से हवाई फायरिंग की। पुलिस ने अस्सू खान को गिरफ्तार कर लिया है और पिस्टल जब्त कर ली है। गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने थाने में हंगामा किया। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ नरमी बरतने का आरोप लगाया। पुलिस ने भेदभाव से इंकार किया है।

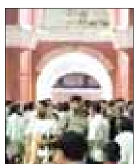

इटारसी जंक्शन पर चार टैंकर पटरी से उतरे

इटारसी। निवार सुबह रेलवे स्टेशन पर भोपाल से इटारसी आ रही एक टैंक वैगन खंभा नंबर 745/44 के पास पटरी से उतरी गई। सूचना मिलते ही रेलवे के राहत दल ने तत्काल पहुंचकर कार्य प्रारंभ किया। घटना सुबह करीब साढ़े दस बजे की है। मालगाड़ी के चार पहिए पटरी से उतर गए हैं। जानकारी के अनुसार भोपाल से इटारसी आ रही टैंकर बैगन के बेपटरी होते ही कपलिंग टूटने से मालगाड़ी दो हिस्से में टूट गई और बोगी के चार पहिए पटरी से उतर गए।

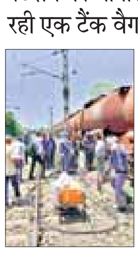

लव जिहाद केस: आगजनी और पथराव के बीच पुलिस को छोड़ने पड़े आंसू गैस के गोले

शादी से पहले ही लड़की को भगा ले गया लड़का, गुस्से में 'उबला सागर'

आरोपी युवक विशेष समुदाय से और लड़की हिंदू | आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है उस पर कई मामले दर्ज

हालात को देखते हुए पुलिस छावनी में तब्दील हुआ सानोधा कस्बा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सागर

जिले से सटा कस्बा सानोधा से लव जिहाद का मामला सामने आया है। यहां विशेष समुदाय का एक युवक हिंदू लड़की को भगाकर ले गया।

लड़की के परिजनों को जैसे ही पता चला कि लड़का भी गायब है तो उनका शक हकीकत में बदल गया। जैसे ही इस आशय की जानकारी भीड़ को लगी उन्होंने तत्काल आरोपी की दुकान को घेर लिया। इसी बीच गुस्साए लोगों ने उसकी दुकान में आग लगा दी। देखते ही देखते पथराव शुरु हो गया।

विधायक घटना स्थल पर पहुंचे, ग्रामीणों को समझाते रहे

लड़की के परिजनों ने पुलिस से की उसे जल्द ढूंढने की मांग

डेढ़ सौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज: एसपी

सागर पुलिस अधीक्षक विकास शहवाल ने बताया कि तोड़फोड़ और हिंसा में शामिल करीब डेढ़ सौ लोगों के खिलाफ बलवा सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की जा रही है। वहीं आरोपियों की पहचान भी की जा रही है। तनाव की स्थिति को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है, अब स्थिति सामान्य है।

इसलिए भड़क गए ग्रामीण

बताया जा रहा है कि जिस लड़की को युवक भगाकर ले गया है, उसकी शनिवार को बरात आने वाली थी, लेकिन शादी के पहले ही लड़की को आरोपी बहला फुसला कर भगा ले जाया गया है। लड़की के परिजनों ने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करने की मांग भी की थी, लेकिन पुलिस ने केवल गुमशुदगी का मामला दर्ज किया। इस वजह से भी लड़की के घर और समाज के लोग आक्रोशित थे।

आरोपी आपराधिक प्रवृति का: विधायक

तनाव भरे हालातों के बीच इलाके के सीनियर भाजपा विधायक प्रदीप लारिया भी इस सानोधा कस्बे में पहुंचे है। एमएलए लारिया के मुताबिक जिस मुस्लिम युवक पर लड़की को जबरन ले जाने का आरोप है वो क्रिमिनल है अवेध कारोबारों से जुड़ा। पुलिस को उन्होंने सूचना दी थी लेकिन गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज हुई है। लड़की का कोई पता नही है, विधायक लारिया इस मामले में सीनियर आफीसर्स से बात की है। विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि आरोपित ने पुरातत्व विभाग की भूमि पर अतिक्रमण कर रखा है, जिसे तत्काल हटाया जाना चाहिए। साथ ही आरोपित के मकान सहित उसके समाज के अन्य मकानों की भी तलाशी ली जानी चाहिए, जहां अवैध हथियारों का जखीरा भी मिल सकता है।

सागर कलेक्टर ने सानोधा पहुंचकर लिया जायजा

सागर के सानोधा में शनिवार को बने तनाव के हालातों के बाद सागर कलेक्टर संदीप जी आर ने मौके पर जाकर हालातो को देखा और आक्रोशित लोगों से बातचीत की। डीएम संदीप जी आर ने लापता हिंदू लड़की की जल्द बरामदगी का आश्वासन लोगों को दिया। वहीं, जिस मुस्लिम युवक को लेकर आरोप लगाये जा रहे हैं। उसके सम्बंध में जांच का भरोसा दिया।

वीडी शर्मा ने कहा

कानून करेगा अपना काम

सागर घटना पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की लव जिहाद की घटना एक नहीं कई लोग करने का प्रयास करते हैं। पर मध्य प्रदेश में किस तरीके की घटना को रोकने के लिए कानून अपना काम करेगा। कानून किसी को भी हाथ में नहीं लेने दिया जाएगा।

दिल्ली के मुस्तफाबाद में ताश के पत्तों की तरह ढही बिल्डिंग

मरने वालों की संख्या 11 पहुंची सीएम ने दिए जांच के आदेश

पड़ोसियों ने कहा-ऐसा लगा जैसे भूकंप आ गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में शनिवार की सुबह करीब 3:00 बजे एक चार मंजिला रिहायशी इमारत ढह गई। शक्ति विहार इलाके की गली नंबर 1 में इमारत ताश के पत्तों की तरह ढह गई, जिससे कई लोग मलबे में दब गए। अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है और कई लोग अभी भी अंदर फंसे हुए हैं।

चार लोगों का इलाज चल रहा है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और अन्य एजेंसियों द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया जो देर शाम तक जारी रहा। इस घटना पर दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने भी दुख व्यक्त किया है। सीएम रेखा गुप्ता ने इसे लेकर सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट भी शेयर किया है।

सीएम रेखा गुप्ता ने जताया शोक

सीएम रेखा गुप्ता ने एक्स पर लिखा कि मुस्तफाबाद में इमारत गिरने की दर्दनाक घटना से मन अत्यंत व्यथित है। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। राहत एवं बचाव कार्यों में डीडीएमए, एनडीआरएफ, डीएफएस और अन्य एजेंसियाँ सतत रूप से जुटी हैं। सभी घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था की गई है। इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में जिनकी मृत्यु हुई है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति दें।

भूकंप की 5.9 रही तीव्रता

जम्मू-कश्मीर से दिल्ली एनसीआर तक झटके

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में आए 5.9 तीव्रता के भूकंप का असर जम्मू-कश्मीर में भी देखने को मिला। जम्मू-कश्मीर में भूकंप से लोगों में अफरातफरी मच गई और लोग घरों से बाहर निकल भागे। इसका असर दिल्ली-एनसीआर तक महसूस किया गया। हालांकि जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। जानकारी के मुताबिक भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-तजाकिस्तान बॉर्डर पर था। भूकंप की गहराई धरती नीचे 86 किमी पर थी।

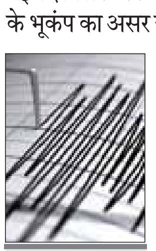

- लोग घरों से बाहर निकल भागे

बस का इंतजार कर रही थी

कनाडा में पंजाब की छात्रा की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। पंजाब की रहने वाली एक छात्रा की गुरुवार को कनाडा के हैमिल्टन में बस स्टॉप पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। हैमिल्टन पुलिस के अनुसार गोलीबारी शाम करीब 7.30 बजे हुई। पीड़िता की पहचान मोहॉक कॉलेज की 21 वर्षीय छात्रा हरसिमरत रंधावा के रूप में हुई है। लड़की बस स्टैंड पर सार्वजनिक परिवहन का इंतजार कर रही थी। उसे सीने में गोली लगने के घाव के साथ पाया गया और बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

- भारत के दूतावास ने जताया शोक

रूसी राष्ट्रपति का बड़ा ऐलान

ईस्टर के मौके पर युद्धविराम की घोषणा

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईस्टर के मौके पर बड़ा ऐलान करते हुए यूक्रेन में एक दिन के युद्धविराम की घोषणा की है। रूस की तरफ से इस एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा करते हुए पुतिन ने रूसी सैनिकों को स्थानीय समयानुसार शनिवार शाम 6 बजे से रविवार के अंत तक किसी भी तरह का हमला ना करने का आदेश दिया है। इस दौरान पुतिन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन भी रूस के फैसले का सम्मान करेगा।

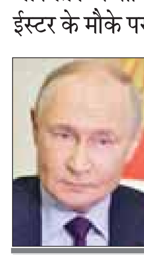

- बीते तीन साल से जारी है यूक्रेन से जंग

आग से 10 घर खाक, 6 मवेशी जिंदा जले

चार दमकलों ने 13 घंटे मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

विदिशा। जिले के ग्राम परासी टुंडा में शुक्रवार की देर शाम नरवाई में लगी आग बस्ती तक पहुंच गई। तेजी से फैली आग 10 घर और आधा दर्जन मवेशी चपेट में आ गए। घरों रखा अनाज, पैसा और अन्य गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत से रात में ही आग पर काबू पाया, लेकिन थोड़ी ही देर में आग फिर भड़क गई।

स्थानीय धर्मशाला और स्कूल को अस्थायी अस्पताल में तब्दील किया गया

शादी में दूषित मिठाई खाने से करीब 500 लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार

स्वास्थ्य विभाग की टीम को फतेहगढ़ भेजा, डेयरी की गई सील

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंदसौर

जिले के फतेहगढ़ गांव में गुरुवार रात एक शादी समारोह जश्न की जगह मातम छा गया। शादी में परोसी गई दूषित मिठाई खाने से करीब 500 लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए। सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और गांव में मेडिकल टीम भेजकर स्थानीय धर्मशाला और स्कूल को अस्थायी अस्पताल में बदल दिया गया। फतेहगढ़ निवासी मुकेश ठन्ना के बेटे की शादी में सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए थे।

सांसद और विधायक ने लिया जायजा, मेडिकल सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश

स्थिति की जानकारी मिलते ही सांसद सुधीर गुप्ता और विधायक विपिन जैन गांव पहुंचे और मरीजों से बातचीत कर स्थिति का जायजा लिया। सांसद गुप्ता ने सीएमएचओ डॉ. जीएस चौहान की गैरमौजूदगी पर नाराजगी जताई और मेडिकल सुविधाएं तत्काल बढ़ाने के निर्देश दिए। प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दलौदा स्थित श्रीराम दूध डेयरी को सील कर दिया है।

सोशल मीडिया में एक्टर के परिवार को मिल रही रेप और जान से मारने की धमकी

इंदौर में एक्टर के खिलाफ पुलिस में शिकायत, पुतला नदी में बहाया, फिल्म रोकने की मांग

फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप ने की ब्राह्मणों पर विवादित टिप्पणी, विरोध के बाद मांगी माफी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फिल्म निर्देशक और एक्टर अनुराग कश्यप एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। इस बार मामला जाति विशेष को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी से जुड़ा है। सोशल मीडिया पर उनकी कथित टिप्पणी के खिलाफ हाल ही में कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। जबकि सोशल मीडिया पर उनकी फैमिली को रेप और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। इसका जिक्र उन्होंने नए पोस्ट में माफी मांगते हुए किया है। जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि 'फुले' फिल्म को लेकर उठे विवाद के बीच ब्राह्मण समाज पर अनुराग कश्यप ने एक टिप्पणी की थी, जो लोगों को रास नहीं आई और मामला पुलिस तक पहुंच गया। अनुराग कश्यप ने माफी मांगते हुए एक लंबा पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि यह मेरी माफी है, मेरी पोस्ट के लिए नहीं बल्कि उस एक लाइन के लिए, जिसे संदर्भ से बाहर निकाल दिया गया और जो नफरत फैला रही है। कोई भी कार्य या भाषण इस लायक नहीं है कि आपकी बेटी, परिवार और सहकर्मियों को संस्कार के ठेकेदारों से बलात्कार और मौत की धमकियां मिलें।

इधर, इंदौर में भी विरोध प्रदर्शन

पलासिया थाने में शिकायत दर्ज

इंदौर। श्री परशुराम सेना ने अनुराग कश्यप के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। संगठन के सदस्यों ने निर्देशक का पुतला बनाकर कान्ह नदी में बहा दिया। परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष अनूप शुक्ला ने इस मौके पर कहा कि अनुराग कश्यप की ब्राह्मण समाज के खिलाफ की गई टिप्पणी उनकी ₹गंदी मानसिकता₹ को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि ऐसा व्यक्ति गंदे नाले के पानी में ही बहाने योग्य है।

फिल्म 'फुले' की रिलीज रोकने की अपील

नीरज याग्निक ने कहा कि वे सभी धर्मों और समाज के लोगों से अपील करते हैं कि जो देश को तोड़ने की मानसिकता रखते हैं, उनके खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। उनका कहना है कि अनुराग कश्यप की फिल्म 'फुले' को लेकर विवाद हुआ है, और यदि इस फिल्म के माध्यम समाज में वर्षों पुरानी बातों को नए रूप में पेश कर गलतफहमियां या दंगे भड़काने की कोशिश की जाती है, तो इस फिल्म को मध्यप्रदेश में रिलीज होने से रोका जाना चाहिए।

नूंह में 15 लाख मुस्लिम लेंगे भाग, 21 एकड़ में लगा पंडाल

तब्लीगी जमात का विशेष जलसा शुरू, अमीर व साद भी करेंगे शिरकत

3 दिनी जलसे को सफल बनाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर बैठकों का दौर जारी

एजेंसी ▶▶ नूंह

हरियाणा के नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका में 19 से 21 अप्रैल तक तीन दिवसीय तब्लीगी जमात का विशेष जलसा शुरू हो गया है। इस आयोजन में तब्लीगी जमात के अमीर, मौलाना साद साहब खुद शिरकत करेंगे। देशभर से करीब 15 लाख मुसलमानों के इस जलसे में शामिल होने की उम्मीद है। जलसे को सफल बनाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर बैठकों का दौर जारी है। लोगों से भी सहयोग की अपील की जा रही है। जलसे की सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। करीब 21 एकड़ भूमि पर विशाल पंडाल तैयार किया गया है, जबकि 100 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र को लोगों के बैठने के लिए आरक्षित किया गया है।

20-20 एकड़ की पार्किंग बनी

यातायात व्यवस्था को लेकर भी विशेष प्रबंध किए गए हैं। शहर की चारों दिशाओं में 20-20 एकड़ की पार्किंग बनाई गई है, जिससे किसी प्रकार की भीड़भाड़ न हो। कार्यक्रम स्थल के आसपास की सड़कें पैदल यात्रियों के लिए खुली रहेंगी, जबकि वाहन यातायात पूरी तरह से बंद रहेगा। पंडाल के बाहर ट्रैफिक कंट्रोल के लिए पुलिस बल तैनात रहेगा, और अंदर की सारी व्यवस्थाएं जमात से जुड़े वालंटियर्स संभालेंगे।

मेवात की साझा संस्कृति

एकता और भाईचारे का प्रतीक बताया

इस बड़े धार्मिक आयोजन को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए हर स्तर पर तैयारी चल रही है। इससे पहले जलसा राजस्थान के मेवात क्षेत्र में किया गया था। मीडिया कोऑर्डिनेटर रफीक मास्टर ने बताया कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली सहित कई राज्यों में मेवात के नाम से ही इस जलसे की पहचान बनी हुई है। यह सिर्फ एक धार्मिक जलसा नहीं, बल्कि मेवात की साझा संस्कृति, एकता और भाईचारे का प्रतीक है, जिसमें लाखों लोग दूर-दूर से आकर शामिल होते हैं।

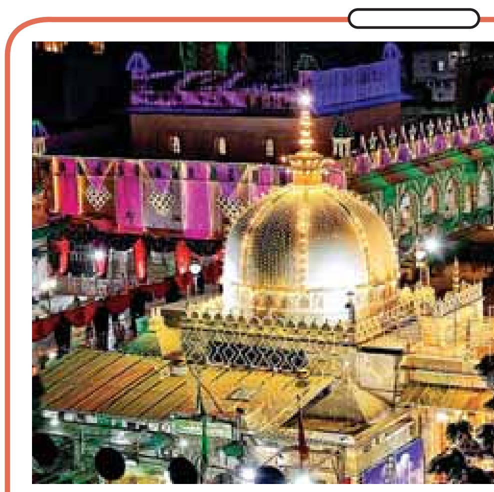

विदेशी फंडिंग की शिकायत

अजमेर दरगाह में आय-व्यय की जांच करेगी कैग की टीम

अजमेर। यहां की ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में सीएजी आमदनी-चढ़ावे और खर्च की जांच करेगी। दरगाह के खादिमों की दोनों अंजुमनों की जांच अब सीएजी करेगी। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया ने हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान राष्ट्रपति से मंजूरी मिलने की जानकारी दी। दिल्ली हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट और अंजुमनों के अधिवक्ता आशीष कुमार सिंह को जानकारी दी और आर्डर कॉपी दिखाई।

खादिमों की दो अंजुमन संस्थाएं

दरगाह पर खादिमों की दो अंजुमन यानी संस्थाएं हैं। दरगाह में दान पात्र में चढ़ावे की रकम सरकार की देखरेख में संचालित होने वाली दरगाह कमेटी को मिलती है। जायरीनों यानी श्रद्धालुओं को दरगाह में दर्शन का काम खादिम करते हैं।

खबर संक्षेप

नाबालिग से गैंगरेप डेंटिस्ट-व्यापारी पर केस

चंडीगढ़। सेक्टर 19 थाना पुलिस ने एक डेंटिस्ट और मुल्लांपुर के एक कपड़ा व्यापारी पर गैंगरेप का केस दर्ज किया है। दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी देकर 5 लाख की रंगदारी मांगने के आरोप में डेंटिस्ट की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सामूहिक दुष्कर्म की एफआईआर दर्ज कर मुल्लांपुर थाने को भेजी है।

मंदिर की छत गिरी 3 भाई-बहन की मौत

औरैया। जिले में बिधूना कोतवाली क्षेत्र के गांव मढा माझी झील में बहुत बड़ा हादसा हो गया। अनियंत्रित ट्रैक्टर मंदिर के पिलर से टकरा गया। इससे मंदिर की छत टूटकर नीचे गिर गई, जो एक परिवार पर गिर गई। हादसे में 4 लोग गंभीर घायल हो गए। डॉक्टर ने भाई-बहन को मृत घोषित कर दिया, जबकि पिता-पुत्री की हालत गंभीर है।

मलयालम एक्टर शाइन टॉम चाको गिरफ्तार

कोच्चि। केरल के मशहूर मलयालम अभिनेता शाइन टॉम चाको को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शाइन पर ड्रग्स लेने और नशीले पदार्थों का सेवन करने का आरोप है। केरल के एर्नाकुलम टाउन के नॉर्थ पुलिस स्टेशन में चार घंटे तक उनसे पूछताछ की गई, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है।

14वीं मंजिल से कूदकर आर्किटेक्ट ने दी जान

जयपुर। यहां एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां 42 वर्षीय आर्किटेक्ट ने हाईराइज बिल्डिंग की 14वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। मृतक की पहचान भरत कुमारके रूप में हुई है। भरत ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा। उन्होंने राजस्थान प्रशासनिक सेवा की अधिकारी और उनके पति को जिम्मेदार ठहराया है।

शाहजहांपुर में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

ममता सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा, राष्ट्रपति शासन लगाएं

हिंसा की जांच एनआईए से कराने और दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की

एजेंसी ▶▶ शाहजहांपुर

यहां विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के कार्यकर्ता शनिवार को खिरनीबाग स्थित जीआईसी मैदान में एकत्र हुए। कार्यकर्ता वहां से जुलूस की शक्ल में कलक्ट्रेट पहुंचे। कलक्ट्रेट गेट पर कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। कलक्ट्रेट गेट पर ज्ञापन देने से पूर्व प्रांत मंत्री अनुज सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की ममता सरकार भारत के संघीय ढांचे को ध्वस्त कर अपने वोट बैंक को सुरक्षित रखने के लिए किसी भी सीमा तक जा सकती है। पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में आ चुकी है। बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों को निर्बाध रूप से आने दिया जा रहा है। उनके आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं। विहिप ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने, हिंसा की जांच एनआईए से कराने और दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की।

बंगाल सरकार ने संघीय ढांचे को ध्वस्त किया

घुसपैठियों की पहचान कर उनको देश से निष्कासित करें

इसके अलावा पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था का संचालन केंद्रीय सुरक्षा बलों के हाथों में देने, घुसपैठियों की पहचान कर उनको देश से निष्कासित करने और पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश की सीमा पर तार लगाने का काम करने का मुद्दा भी उठाया। ज्ञापन देने वालों में महानगर मंत्री धर्मेंद्र सिंह, अभिनव ओमर, सुमित खन्ना, श्रीओम गुप्ता, नवनीत त्रिपाठी आदि थे।

राज्यपाल ने फोन नंबर दिया और बोले- शांति चाहते हैं लोग, केंद्र को भेजेंगे रिपोर्ट

बोस ने मुर्शिदाबाद में हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की। बोस ने कहा कि केंद्र सरकार को प्रदेश की कानून-व्यवस्था से जुड़ी रिपोर्ट भी भेजेंगे। बोस ने कहा कि पीड़ित सुरक्षित महसूस करना चाहते हैं। पीड़ितों ने जो भी सुझाव या मांग की हैं, उन पर विचार किया जाएगा। मैं इस बारे में केंद्र सरकार को सूचित करूंगा। मैंने लोगों को अपना फोन नंबर दिया है और उन्हें जरूरत पड़ने पर फोन करने को कहा है। हम संपर्क में बने रहेंगे।

महिलाओं ने पकड़े पैर, हमारा क्या अपराध है, हमें बचाइए

राज्यपाल को देखकर महिलाओं को थोड़ी तसल्ली जरूरी हुई। वे कहने लगीं हिंदू होना हमारा क्या अपराध है, हमें बचाइए। व्यथित महिलाओं ने राज्यपाल के पैर पकड़ लिए और उनसे बचाने की गुजारिश की। राज्यपाल भी खुद को नहीं रोक पाए। उन्होंने पीड़ित महिलाओं और परिवारों से कहा कि मुझे शांति बनाए रखने के लिए जो भी करना होगा, करूंगा।

बीएसएफ कैंप को अपनी जमीन देने को यहां लोग तैयार

धुलियान के निवासी कह रहे हैं, अगर जरूरत पड़ी तो हम अपने घर बीएसएफ कैंप को दे देंगे।

मुर्शिदाबाद में पीड़ितों से बिना मिले जा रहे थे राज्यपाल

गाड़ियों के आगे बैठे लोग बोले- हम परेशान, हिंदू होना अपराध हो गया?

धुलियान । पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के धुलियान में शनिवार को राज्यपाल को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। राज्यपाल धुलियान के वार्ड-16 के बेदवाना गांव में ग्रामीणों से मिले बिना जा रहे थे, जिस पर ग्रामीण भड़क गए और जमकर हंगामा किया। विरोध को देखते हुए राज्यपाल ग्रामीणों से मिले और उनकी बात को सुना। शनिवार को इस इलाके में जमकर तोड़फोड़ हुई। उपद्रवियों ने मंदिरों को भी निशाना बनाया।

मृतकों के परिजनों से की मुलाकात

राज्यपाल बोस ने मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में मारे गए एक दो लोगों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। हरगोविंद दास और चंदन दास के शव शमशेरगंज के जाफराबाद इलाके में उनके घर में पाए गए थे और शरीर पर चाकू से वार के कई निशान थे। राज्यपाल ने परिवार के सदस्यों से बात की और उन्हें सहायता का आश्वासन दिया। परिजनों ने घटना की सीबीआई जांच की मांग की है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भी पहुंचा

महिलाएं फूट-फूट कर रोने लगीं

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एवं महिला आयोग के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को मुर्शिदाबाद पहुंच कर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उनके सामने हिंसा की कहानी बताते हुए महिलाएं फूट-फूट कर रोने लगीं और घटना के संबंध में उन्हे विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर वे भावुक हो गई।

महिला आयोग के सदस्यों ने बधाया ढांढस

राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख विजया रहाटकर के नेतृत्व में एक टीम ने धुलियान में हिंसा के पीड़ितों से मुलाकात की और आश्वासन दिया कि उनकी सुरक्षा के लिए केंद्र दृढ़ है।

रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा

नेहरू भी मानते थे औरंगजेब को क्रूर और कट्टरपंथी शासक

संभाजी नगर। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज को राष्ट्रीय नायक बताया। औरंगजेब को आदर्श मानने वालों को नसीहत देते हुए सिंह ने कहा कि जिन लोगों को लगता है कि औरंगजेब एक नायक था उन्हें भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की किताब पढ़ना चाहिए, जिन्होंने अपनी किताब में लिखा है कि मुगल बादशाह औरंगजेब एक क्रूर और कट्टरपंथी शासक था। संभाजी नगर में मेवाड़ शासक महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करने पहुंचे सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप अतुल्यनीय साहस और देश भक्ति के प्रतीक थे। उन्होंने स्वाभिमान और अपनी धरती की रक्षा के लिए मुगल सम्राट अकबर को चुनौती दी थी। सिंह ने दावा कियास्वतंत्रता के बाद वामपंथी इतिहासकारों ने महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी दोनों को ही उचित श्रेय नहीं दिया, बल्कि औरंगजेब जैसे क्रूर शासकों का महिमामंडन किया।

तब मुस्लिम युवक छत्रपति का अंगरक्षक था

राजनाथ ने कहा कि अपनी वीरता के अलावा महाराणा प्रताप ने समाज के सभी वर्गों को एकजुट किया था। उनकी सेना में आदिवासी और मुसलमान सभी शामिल थे। हकीम खान सूरी ने हल्दीघाटी में मुगलों से राणा प्रताप के लिए लड़ते हुए अपने जीवन की आहूति दी थी, वहीं एक मुस्लिम युवक छत्रपति शिवाजी महाराज का अंगरक्षक था।

विधेयकों की समय सीमा और वक्फ पर भाजपा सांसद दुबे बोले

अगर सुप्रीम कोर्ट कानून बनाएगा तो संसद को बंद कर देना चाहिए

कोर्ट की भूमिका पर किए सवाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति को विधेयकों पर समय से फैसला लेने के निर्देश के बाद बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट की भूमिका पर सवाल उठाया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अगर कोर्ट ही कानून बनाएगा, तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए। दुबे की यह टिप्पणी वक्फ (संशोधन)

अधिनियम की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर चल रही सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई और राष्ट्रपति को विधेयकों पर समय से फैसला लेने के कोर्ट के निर्देश के बाद आई है।

उपराष्ट्रपति ने जाहिर की थी चिंता

सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि भारत में ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां न्यायाधीश कानून बनाएंगे और 'सुपर संसद' के रूप में काम करेंगे। उपराष्ट्रपति ने उस आदेश का जिक्र किया, जिसमें राष्ट्रपति को 3 माह में विधेयक पर फैसला लेने की अवधि तय की गई है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है, जब राष्ट्रपति को तय समय में फैसला लेने को कहा जा रहा है।

जमीन आवंटन में मंजूरी और घपला का केस

कच्छ के पूर्व कलेक्टर शर्मा को 5 साल की जेल, 10 हजार रु. का जुर्माना भी लगाया

एजेंसी ▶▶ गांधीनगर

कच्छ जिले के पूर्व कलेक्टर प्रदीप शर्मा को 5 वर्ष की सजा सुनाई गई है और उन पर 10 हजार का जुर्माना भी लगा है। आरोपियों के नाम प्रदीप कुमार निरंकरणनाथ शर्मा, नटुभाई मोतीभाई देसाई, नरेश पोपटलाल पटेल और अतिसिंह महिपतसिंह झाला है। फरियादी कंपनी श्री सोल पाइप्स लिमिटेड द्वारा मोसमाघोघा, तालुका जेतपुर की सीमा में स्थित सरकारी जमीन को औद्योगिक उपयोग के लिए आवंटित करवाने हेतु आवेदन किया गया था। कलेक्टर ने 15,00,000 रुपए की कीमत तक की जमीन को मंजूरी देने की अनुमति दी थी।

अनावश्यक आवंटन किया गया

शर्मा ने फाइल में दर्शाई गई मांग के विरुद्ध, 47,173 वर्ग मीटर जमीन आवंटित कर दी, जो कि स्वीकृत सीमा से अधिक थी। नियमों की अनदेखी करते हुए एक ही सर्वे नंबर में 20,000 वर्ग मीटर से अधिक (27,173 अतिरिक्त) जमीन फालतू आवंटित कर दी गई। आरोपी ने कंपनी को आर्थिक लाभ पहुंचाया और सरकार को आर्थिक नुकसान किया।

कोर्ट के आदेश पर बड़ी कार्रवाई

पटियाला डिप्टी कमिश्नर की सरकारी कार और एक-तिहाई वेतन जब्त

पटियाला। **आम तौर पर प्रशासन संपत्ति कुर्क करता है** लेकिन पंजाब के पटियाला के डिप्टी कमिश्नर प्रीति यादव के द्वारा इस्तेमाल की गई कार और उनकी सैलरी के एक-तिहाई हिस्से को जब्त करने की कार्रवाई हुई है। एक स्थानीय अदालत के आदेश पर यह कार्रवाई इसलिए की गई । अदालत ने पंजाब सरकार को आदेश दिया था कि वह देश के बंटवारे के दौरान प्रभावित हुए एक परिवार को 100 बीघा जमीन लौटाए या इसके बदले में उस परिवार को मुआवजा दे। यह जमीन गुलाम मोहम्मद नाम के शख्स की है और जिले के झिल्ल गांव में है।

महाराष्ट्र की राजनीति में धुरी रहे ठाकरे परिवार में एकता होगी!

राज-उद्धव ने दिए साथ आने के संकेत, बस एक कदम दूर

महाराष्ट्र और मराठी लोगों के हित में वे अपने मतभेद भुलाकर एक होंगे

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति की दशकों तक धुरी रहे ठाकरे परिवार में एकता के संकेत हैं। राज और उद्धव ठाकरे ने मराठी भाषा और महाराष्ट्र की अस्मिता के नाम पर जैसा रुख दिखाया है, उससे ऐसी ही चर्चाएं शुरू हो गई हैं। यही नहीं शनिवार को दोनों ने ही अलग-अलग जगहों पर कहा कि महाराष्ट्र और मराठी लोगों के हित में वे अपने मतभेद भुलाकर साथ भी आ सकते हैं। राज का एक पॉडकास्ट रिलीज हुआ। इसमें उनसे महेश मांजरेकर ने बात की है, जो मूल रूप से मराठी फिल्ममेकर हैं। इसमें कहा गया कि वे छोटे-मोटे मतभेदों को भुलाने के लिए तैयार हैं और वे उद्धव के साथ काम कर सकते हैं।

राज केवल एक वादा पूरा करें

इस पर उद्धव ने शिवसेना की ट्रेड यूनियन भारतीय कामगार सेना के एक आयोजन में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वह मराठी और महाराष्ट्र के हित में सारे मतभेद भुलाने के लिए तैयार हैं। लेकिन उद्धव ने एक शर्त भी रख दी कि राज को वादा करना होगा कि वे ऐसे दलों के साथ नहीं जाएंगे, जो महाराष्ट्र विरोधी हैं या फिर ऐसे दलों के साथ काम करते हैं।

राउत ने बताई उद्धव की वह शर्त

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि राज ने कहा है कि अगर दोनों भाइयों के बीच कोई शिकायत है, तो मैं अपना अहंकार अलग रखूंगा और महाराष्ट्र के हितों के लिए शिकायत दूर करूंगा। आप शिवसेना के दुश्मन को घर में जगह नहीं देनी चाहिए।

संभावना पर बोला शिंदे गुट

महायुति मजबूत, इस पर बाद में कमेंट करेंगे

शिंदे गुट वाली शिवसेना के नेता कृष्णा हेगड़े ने कहा कि राज और उद्धव दोनों साथ में आ रहे हैं। ये बातें पहले भी आ चुकी हैं लेकिन दोनों भाई आए नहीं। महायुति काफी मजबूत सरकार है। महाराष्ट्र में और हम महाराष्ट्र की जनता और मराठियों के हित में काम कर रहे हैं। जब यह दोनों भाई साथ में आ जाएंगे, उसके बाद हम इसके ऊपर कोई कमेंट करेंगे लेकिन यह सिर्फ अभी एक स्पेक्यूलेशन जैसी बातें हैं।

मौसम में फिर बदलाव की संभावना

कहीं छूट रहे पसीने तो कहीं आंधी बारिश और ओलों की पड़ रही मार

मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में कई राज्यों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। भीषण गर्मी में लोगों की पसीने छूट रहे हैं। मौसम विभाग ने कल यानी शनिवार शाम के लिए आंधी और बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में हल्की-हल्की बारिश का दौर अभी भी जारी है। वहीं पंजाब, हरियाणा, राजस्थान में भी पारा तेजी से चढ़ रहा है। पश्चिमी व उत्तरी हरियाणा में मध्यम से तेज हवाएं चलने तथा कुछ एक स्थानों पर गरज चमक के साथ छिटपुट बूंदाबांदी की भी संभावना है।

राजस्थान, हिमाचल में गरज- चमक के साथ बारिश के आसार

पूरा राजस्थान भीषण गर्मी की चपेट में है। मौसम विभाग के अनुसार 20 अप्रैल से भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है। लाहौल स्पीति, कुल्लू, शिमला जैसे ऊंचाई वाले वाले क्षेत्रों में तेज हवाएं गरज चमक के साथ बारिश की संभावना है। बिहार में 1-2 दिन गरज चमक के साथ आंधी और बारिश का पूर्वानुमान जारी किया। पटना, गया और भागलपुर में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इसके अलावा अन्य जिलों में भी इसका असर रहेगा।

नरेंद्र मोदी दो दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब जाएंगे

भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक कॉरीडोर को आगे बढ़ाने पर होगी चर्चा क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर करेंगे विचार-विमर्श

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस एवं पीएम प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर 22-23 अप्रैल को दो दिवसीय सऊदी अरब की यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2016 और 2019 के बाद पीएम की सऊदी अरब की यह तीसरी यात्रा होगी।

यह यात्रा सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस एवं पीएम की सितंबर 2023 में जी 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने और भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझीदारी परिषद की पहली बैठक की सह-अध्यक्षता के लिए नई दिल्ली की राजकीय यात्रा के बाद की गई है।

रियाद में पीएम मोदी और प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच द्विपक्षीय बैठक होगी

रक्षा सहयोग को व्यापक बनाने और कई क्षेत्रों में गहन उच्च स्तरीय आदान-प्रदान होगा

अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श

रियाद में पीएम मोदी और प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच द्विपक्षीय बैठक होगी, जिसमें कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर नए समझौते होने की संभावना है। इसके अलावा दोनों नेता क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे जिनमें इजराइल फिलिस्तीन संघर्ष और भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक कॉरीडोर (आईमैक) को आगे बढ़ाने के मुद्दे शामिल हैं।

विदेश मंत्रालय ने कहा है कि रणनीतिक साझीदार के रूप में, दोनों देश राजनीतिक, रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत द्विपक्षीय संबंध साझा करते हैं

सामाजिक, सांस्कृतिक संपर्कों का लंबा इतिहास

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और सऊदी अरब के सामाजिक-सांस्कृतिक और व्यापारिक संपर्कों के लंबे इतिहास के साथ घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। रणनीतिक साझीदार के रूप में, दोनों देश राजनीतिक, रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत द्विपक्षीय संबंध साझा करते हैं।

बहुआयामी साझेदारी और गहरी होगी

विदेश मंत्रालय ने कहा कि पीएम की यात्रा सऊदी अरब के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को भारत के महत्व को दर्शाती है। यह हमारी बहुआयामी साझीदारी को और गहरा और मजबूत करने के साथ-साथ आपसी हित के विभिन्न क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करेगा।

पिछले दशक में स्थायी साझेदारी मजबूत हुई

सऊदी अरब के साथ भारत के संबंध पिछले दशक में एक मजबूत और स्थायी साझीदारी के रूप में विकसित हुए हैं तथा बढ़ती निवेश प्रतिबद्धताओं, रक्षा सहयोग को व्यापक बनाने और सभी क्षेत्रों में गहन उच्च स्तरीय आदान-प्रदान के साथ कई रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार हुआ है।

मस्क बोले- पीएम मोदी से बात करना सम्मानजनक, इस साल भारत आने का बेसब्री से इंतजार

टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने

शनिवार को कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी से बात करना उनके लिए सम्मानजनक है और वह इस साल के अंत में भारत आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अरबपति बिजनेसमैन और पीएम मोदी ने इससे पहले कई मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं शामिल हैं। एलन मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि पीएम मोदी से बात करना सम्मानजनक है। मैं इस साल के अंत में भारत आने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

खबर संक्षेप

'द ताज स्टोरी' को 'बेस्ट फिल्म' का पुरस्कार

लंदन। बॉलीवुड अभिनेता परेश रावल की फिल्म 'द ताज स्टोरी' ने हाल ही में लंदन के हाउस ऑफ कॉमन में आयोजित ग्लोबल बिजनेस अवार्ड 2025, अंतरराष्ट्रीय श्रेणी में 'बेस्ट फिल्म' का पुरस्कार जीता। 'द ताज स्टोरी' को ब्रिटिश दर्शकों और लंदन निवासियों के साथ-साथ वहां के फौजियों द्वारा भी बेहद पसंद किया गया। फिल्म की मुख्य भूमिका में परेश रावल की शानदार अभिनय ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा, लेखक और निर्देशक तुषार अमरीश गोयल के काम की भी खूब सराहना की गई।

यूक्रेन युद्ध के विरोध में युवती जेल की सजा

सेंट पीटर्सबर्ग। रूस की एक अदालत ने यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वाली दरिया कोजीरेवा को दो वर्ष आठ महीने की जेल की सजा सुनाई है। कोजीरेवा 19वीं सदी की कविता और भित्तिचित्रों के माध्यम से युद्ध का विरोध कर रही थी। 19 वर्षीय कोजीरेवा को रूसी सेना को बदनाम करने का दोषी पाया गया, क्योंकि उसने चौराहे पर यूक्रेनी कविता की पंक्तियों वाला पोस्टर लगाया था, हालांकि कोजीरेवा ने खुद को निर्दोष बताया तथा अपने विरुद्ध दर्ज मामले को मनगढ़ंत मामला करार दिया। कोजीरेवा उन 234 लोगों में से एक हैं जिन्हें रूस ने जेल में डाला है।

इटली में ऑनर किलिंग उम्रकैद सजा बरकरार

रोम। इटली में पाकिस्तानी मूल की लड़की के ऑनर किलिंग में एक अपील अदालत ने अहम फैसला सुनाया है। जहां अपील अदालत ने 18 साल की पाकिस्तानी मूल की लड़की समन अब्बास की हत्या के मामले में उसके माता-पिता और रिश्तेदारों की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। यह मामला इटली में ऑनर किलिंग यानी 'इज्जत के नाम पर हत्या' का बेहद चर्चित केस बन गया है। पाकिस्तान से आकर इटली में रह रही समन अब्बास ने अपने माता-पिता द्वारा तय की गई शादी को मानने से इनकार कर दिया था।

हिट-एंड-रन घटना में भारतीय छात्रा की मौत

ऑस्टिन। भारतीय छात्रा वांगवोलु दीप्ति की टेक्सास के डेंटन शहर में एक हिट-एंड-रन घटना में मौत हो गई। दीप्ति की मास्टर डिग्री कुछ ही हफ्तों में पूरी होने वाली थी। 23 वर्षीय दीप्ति आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले की रहने वाली थी। वह 2023 में गुंटूर के नरसारावपेट इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक की पढ़ाई पूरी करने के बाद अमेरिका गई थी। वह नॉर्थ टेक्सास विश्वविद्यालय में कंप्यूटर और सूचना विज्ञान में एमएस की पढ़ाई कर रही थी। दुर्घटना 12 अप्रैल की सुबह हुई, जब दीप्ति और उसकी दोस्त स्निग्धा, सड़क पर चल रही थीं।

छात्रों के निर्वासन मामले में ट्रंप को चुनौती

एसीएलयू ने कोर्ट में की कानूनी स्थिति बहाल करने की मांग

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के फैसलों से प्रभावित अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की मदद के लिए शुक्रवार को एक बड़ा मुकदमा दायर किया गया है। इस मुकदमे में अदालत से अनुरोध किया गया है कि इन छात्रों की कानूनी स्थिति फिर से बहाल की जाए। इस फैसले से करीब 1100 से ज्यादा विदेशी छात्र प्रभावित हुए हैं, जिन्हें अमेरिका से निकाले जाने का डर सता रहा है। बता दें कि यह मुकदमा अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) और उससे जुड़े कई संगठनों ने मिलकर दायर किया है। ये न्यू इंग्लैंड और प्यूर्टो रिको के 100 से अधिक छात्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मामले में एसीएलयू न्यू हैम्पशायर के कानूनी निदेशक गिल्स बिस्नोनेट ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय छात्र हमारे कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का एक अहम हिस्सा हैं। किसी भी सरकार को यह अधिकार नहीं है कि वो छात्रों की स्थिति अचानक खत्म कर दे और उन्हें उनकी पढ़ाई पूरी किए बिना देश से निकालने की कोशिश करे। एसीएलयू का कहना है कि सरकार ने छात्रों की कानूनी स्थिति को बिना किसी चेतावनी या उचित प्रक्रिया के खत्म कर दिया, जो कि न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है।

- भारतीयों समेत 1100 से अधिक छात्रों को यूएस से निकाले जाने का डर

वेनेजुएला के लोगों के निर्वासन पर रोक

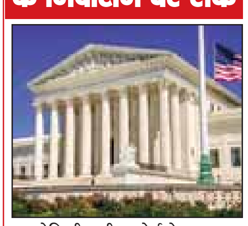

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को एक अहम फैसला लेते हुए टेक्सास के डिटेंशन सेंटर में बंद वेनेजुएला के लोगों को फिलहाल उनके देश वापस भेजने पर रोक लगा दी है। यह फैसला 18वीं सदी के पुराने कानून एलियन एनिमीज़ एक्ट (1798) के तहत किए जा रहे निर्वासन के खिलाफ दायर याचिका पर आया है। यह मामला एसीएलयू द्वारा सुप्रीम कोर्ट में की गई आपात अपील से जुड़ा है, जिसमें एसीएलयू का कहना था कि ट्रंप प्रशासन इस युद्धकालीन कानून का इस्तेमाल करके वेनेजुएला के लोगों को अवैध तरीके से वापस भेजने की कोशिश कर रहा है। मामले में एसीएलयू की अपील पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल यह आदेश दिया है कि इन लोगों को अगले आदेश तक डिपोर्ट न किया जाए। हालांकि, जस्टिस क्लेरेंस थॉमस और सैमुअल एलिटो ने इस फैसले से असहमति जताई।

छात्रों को पक्ष रखने का मौका तक नहीं

बता दें, मार्च के अंत से अब तक 170 से ज़्यादा यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में पढ़ रहे करीब 1,100 छात्रों के वीज़ा या कानूनी स्थिति को खत्म कर दिया गया। ये सब बिना किसी उचित सूचना के हुआ। अभी और भी छात्रों के ट्रंप के इस फैसले से प्रभावित होने की संभावना है। वहीं छात्रों का कहना है कि उन्हें न तो कोई चेतावनी दी गई, न ही सफाई का मौका मिला। कुछ मामलों में तो बहुत पुराने और मामूली ट्रैफिक उल्लंघन को भी बहाना बना लिया गया।

एयरपोर्ट पर बिछाया जाएगा रेड कारपेट

अब जयपुर में 4 दिन रुकेंगे अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस शुक्रवार को परिवार के साथ इटली पहुंच गए। इसके बाद 21 अप्रैल को भारत पहुंचेंगे। वेंस का दिल्ली में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर स्वागत करेंगे। 21 अप्रैल को ही पीएम नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात होगी। इस दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद रहेंगे। वेंस 21 अप्रैल की रात को जयपुर पहुंच जाएंगे। वेंस 24 अप्रैल तक जयपुर में रहेंगे। इस दौरान 22 अप्रैल को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में बिजनेस समिट को भी संबोधित करेंगे। 23 अप्रैल की सुबह अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अमेरिकी एयर फोर्स के विशेष विमान से आगरा के लिए रवाना होंगे। लगभग तीन घंटे तक ताजमहल देखने के बाद दोपहर को वेंस एक बार फिर जयपुर पहुंचेंगे। 23 अप्रैल की दोपहर को वे जयपुर सिटी पैलेस जाएंगे।

भारत ने घटना को नृशंस हत्या बताते हुए घटना की कड़ी निंदा की

हिंदू नेता को किया अगवा, बेरहमी से पीटकर की हत्या, पुलिस की गिरफ्त से बाहर आरोपी

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर अत्याचार का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बांग्लादेश के दिनाजपुर जिले में गुरुवार को हिंदू समुदाय के एक प्रमुख नेता भाबेश चंद्र रॉय का उनके घर से अपहरण कर लिया गया और बेरहमी से पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ढाका से लगभग 330 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में दिनाजपुर के बसुदेबपुर गांव के निवासी भाबेश चंद्र रॉय (58) का शव गुरुवार देर रात बरामद किया गया।

रॉय की पत्नी शांतना ने बताया कि उन्हें शाम करीब 4:30 बजे एक फोन आया था। उन्होंने दावा किया कि अपराधियों ने घर पर उनकी मौजूदगी की पुष्टि करने के लिए यह कॉल किया था। करीब 30 मिनट बाद दो मोटरसाइकिलों पर चार लोग आए और भाबेश का उनके घर से अपहरण कर लिया। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने हमलावरों को भबेश को नरबारी गांव ले जाते हुए देखा, जहां उन्हें बेरहमी से पीटा गया।

- अपहरण से 30 मिनिट पहले लोकेशन पता की
- उसी दिन बेहोशी की हालत में वैन से घर छोड़ा

रॉय को हमलावरों ने एक वैन में लाकर उनके घर पर छोड़ दिया। उस समय वह बेहोश थे। उन्हें तुरंत बिराल उपजिला स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। इसके बाद उन्हें दिनाजपुर मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

भाबेश चंद्र रॉय, मृतक

पुलिस ने मामला दर्ज किया, जांच शुरू

रॉय को उसी दिन हमलावरों ने एक वैन में लाकर उनके घर पर छोड़ दिया। उस समय वह बेहोश थे। उन्हें तुरंत बिराल उपजिला स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। इसके बाद उन्हें दिनाजपुर मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रॉय बांग्लादेश पूजा उत्सव परिषद की बिराल इकाई के उपाध्यक्ष और क्षेत्र में हिंदू समुदाय के एक प्रमुख नेता थे। मामले में बिराल पुलिस स्टेशन के अधिकारी अब्दुस सबूर ने बताया कि मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है और पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है।

भारत ने जताई आपत्ति

भारत ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और हत्या पर गहरा दुख

जताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस घटना को नृशंस हत्या बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह घटना बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के दौरान हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे उत्पीड़न के सिलसिले का हिस्सा है। भारत ने चिंता जताई कि इससे पहले हुई ऐसी घटनाओं में भी दोषियों को सजा नहीं मिली। जायसवाल ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से अपील की कि वह हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और इस जिम्मेदारी को बिना किसी भेदभाव या बहाने के निभाए।

हिंदू प्रधानाध्यापक को बनाया बंधक, त्यागपत्र देने के लिए किया मजबूर

वहीं, एक अन्य घटना में हिंदू प्रधानाध्यापक कांतिलाल आचार्य को बंधक बनाकर उन्हें अपने पद से त्यागपत्र देने के लिए मजबूर कर दिया गया। चटगांव के भटियारी हाजी तोबारक अली चौधरी हाई स्कूल के कार्यवाहक प्रधानाध्यापक कांतिलाल आचार्य को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और उसके सहयोगी संगठनों के सदस्यों ने भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाकर पीटा और अपने पद से त्यागपत्र देने के लिए मजबूर कर दिया।

बेवजह लगाए आरोप

प्रधानाध्यापक की बेटी भावना आचार्य ने इंटरनेट मीडिया पर आरोप लगाया कि उनके पिता को कोई आरोप साबित किए बगैर पद छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। भावना ने लिखा, इस घटना से पहले मेरे पिता को स्कूल जाने से मना किया गया था।

कांग्रेस का तंज | पीएम नरेंद्र मोदी और यूनुस की मुस्कुराने वाली बैठक विफल रही

कांग्रेस पार्टी ने बांग्लादेश में हिंदू नेता भाबेश चंद्र रॉय की निर्मम हत्या की कड़ी निंदा की है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि हिंदू समुदाय के एक बड़े नेता भाबेश चंद्र रॉय की क्रूरतापूर्ण हत्या इस बात का सबूत है कि नरेंद्र मोदी जी की बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर के साथ मुस्कुराने वाली बैठक विफल रही।

व्हाइट हाउस ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर उठाए सवाल

कोविड 'लैब लीक' के लिए चीन को ठहराया जिम्मेदार, कहा यह बीमारी प्राकृतिक नहीं

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को एक कोविड-19 वेबसाइट लॉन्च की, जिसमें उन्होंने कोरोना वायरस की उत्पत्ति के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराया है। साइट के मुताबिक वुहान के एक लैब से ये वायरस लीक किया गया। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन, अमेरिका के पूर्व शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारी एंथनी फाउसी और विश्व स्वास्थ्य संगठन को भी कोरोना वायरस की उत्पत्ति को दबाने की भी आलोचना की गई है।

व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर अब कोविड-19 लैब-लीक थ्योरी को समर्पित एक पूरा पेज है। यह घटना सीआईए द्वारा एक रिपोर्ट जारी करने के कुछ सप्ताह बाद आई है जिसमें कहा गया था कि प्रयोगशाला से लीक की आशंका है। एजेंसी ने पहले कहा था कि उसके पास कोविड-19 की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए पर्याप्त जानकारी नहीं है।

पिछली सरकार ने सच्चाई छुपाई

नया वेबपेज उस साइट पर है, जो कोविड-19 टीकाकरण प्रयासों के लिए संसाधन के रूप में कार्य करती थी। अब इसमें एक बैनर है

जिसमें लिखा है: 'लैब लीक, द ट्रू ओरिजिन्स ऑफ कोविड-19 (यानि कोविड उत्पत्ति की सच्चाई)।' बैनर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी दिखाया गया है। इसमें पूर्व मुख्य चिकित्सा सलाहकार डॉ. फाउसी और बाइडेन पर कोरोना वायरस की उत्पत्ति को छुपाने का भी आरोप लगाया गया है। इसमें कहा गया है कि पिछली सरकार ने सच्चाई को छुपाने के लिए विलंब, भ्रम और गैर-जवाबदेही का बहु-वर्षीय अभियान चलाया।

कोविड मनुष्यों में एकल प्रवेश से उत्पन्न हुआ

बयान में कहा कि यह वेबसाइट कोविड-19 की उत्पत्ति को दर्शाती है और दिखाती है कि कैसे डेमोक्रेट्स और मीडिया ने वैकल्पिक स्वास्थ्य उपचारों और लैब-लीक थ्योरी को बदनाम किया। इसके अलावा, वेबसाइट में पांच प्रमुख बिंदुओं को सूचीबद्ध किया गया है, जो यह सुझाव देते हैं कि कोविड-19 की उत्पत्ति प्राकृतिक नहीं थी। वायरस में एक जैविक विशेषता है जो प्रकृति में नहीं पाई जाती। डेटा के अनुसार, कोविड-19 के सभी मामले मनुष्यों में एकल प्रवेश से उत्पन्न हुए हैं।

हिज्बुल्लाह सरगना कासिम ने दी खुली धमकी

इजराइल को लेबनान से निकलना होगा, हथियार छोड़ने से किया इनकार

एजेंसी ▶▶ बेरूत

लेबनान के चरमपंथी समूह हिज्बुल्लाह के सरगना ने शुक्रवार को कहा कि जब तक इजराइली सैनिक दक्षिणी लेबनान में मौजूद रहेंगे और इजराइल की वायु सेना लेबनानी हवाई क्षेत्र का नियमित रूप से उल्लंघन करती रहेगी तब तक उसके लड़ाके हथियार नहीं डालेंगे। हिज्बुल्लाह के शीर्ष कमांडर नईम कासिम का हिज्बुल्लाह के टेलीविजन चैनल में भाषण प्रसारित किया गया जिसमें कासिम ने अपने समर्थकों को संबोधित किया। कासिम ने कहा कि हम किसी को भी हिज्बुल्लाह के हथियार हटाने की अनुमति नहीं देंगे। इन हथियारों ने हमारे लोगों को जीवन दिया और स्वतंत्रता दी।

हिज्बुल्लाह पर हमले कर रहा इजराइल

कासिम ने कहा कि हिज्बुल्लाह ने अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्षविराम समझौते से संबंधित अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन किया जिससे इजराइल एवं हिजबुल्ला के बीच अक्टूबर 2023 से शुरू हुआ संघर्ष रुक गया था। पिछले साल नवंबर के अंत में संघर्षविराम समझौता लागू होने के बाद से इजराइली हवाई हमलों में लेबनान में आम नागरिकों और हिज्बुल्लाह के सदस्यों सहित कई लोग मारे गए हैं।

पहले इजराइल पीछे हटे

कासिम ने कहा कि क्या कोई हमसे ऐसी स्थिति में राष्ट्रीय रक्षा रणनीति पर चर्चा करने की उम्मीद कर सकता है जब युद्धक विमान हमारे हवाई क्षेत्र में उड़ रहे हैं और दक्षिणी लेबनान पर कब्जा किया गया है? यह चर्चा नहीं है। यह आत्मसमर्पण है। पहले इजराइल को पीछे हटना चाहिए और अपनी उड़ानें बंद करनी चाहिए।

यूएस के प्रतिस्पर्धी बाजारों में पसंदीदा विकल्प बन रहे भारतीय फल

पहली बार समुद्र के रास्ते अमेरिका पहुंची भारतीय अनार की खेप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय अनार की पहुंच अब बढ़ चुकी है। दूर-दराज के बाजारों में अनार को पहुंचाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के तहत पहली बार अनार की एक वाणिज्यिक खेप समुद्र के रास्ते अमेरिका के न्यूयॉर्क पहुंची है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने शनिवार को बताया कि अमेरिका को बहुमूल्य भारतीय भगवा अनार का निर्यात किया गया है।

यह ताजे फलों के निर्यात में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस खेप के आने से भारतीय अनार के प्रतिस्पर्धी अमेरिकी बाजार में पसंदीदा विकल्प बनने की संभावना का संकेत मिलता है।

- यह खेप पांच सप्ताह के भीतर अमेरिका पहुंच गई
- 2023 में अमेरिका को हवाई मार्ग से अनार भेजा था

भारत की उपलब्धता....

भारत को अनार के लिए अमेरिका द्वारा बाजार पहुंच प्रदान किए जाने के बाद, 2023 में अमेरिका को हवाई मार्ग से अनार की परीक्षण खेप सफलतापूर्वक भेजी गई थी। इसके बाद भारत ने फरवरी 2024 में नवी मुंबई स्थित विकिरण सुविधा केंद्र (आईएफसी) और आईएनआई फार्म्स के सहयोग से 4,200 बक्से यानी 12.6 टन अनार की अपनी पहली परीक्षण वाणिज्यिक समुद्री खेप को सफलतापूर्वक अमेरिका के लिए रवाना किया था।

दिसंबर 2024 में यूएसडीए से मिला अनापत्ति प्रमाणपत्र

भारतीय अनार के लिए अमेरिकी नियामक यूएसडीए से दिसंबर 2024 में अनापत्ति मिली जिसने भारतीय कृषि निर्यातकों के लिए लॉजिस्टिक्स और विनियामक बाधाओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उनकी अमेरिकी बाजार तक पहुंच बनी। भारतीय अनार के 4,620 बक्सों की पहली समुद्री खेप, जिसका वजन लगभग 14 टन था, मार्च के दूसरे सप्ताह में अमेरिका के पूर्वी तट पर पहुंच गई। यह खेप प्रस्थान के पांच सप्ताह के भीतर ही अमेरिका पहुंच गई।

72,011 टन अनार का निर्यात किया

भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में 690.8 लाख डॉलर मूल्य के 72,011 टन अनार का निर्यात किया था। वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-जनवरी के दौरान 597.6 लाख डॉलर मूल्य के साथ निर्यात में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रमुख निर्यात गंतव्यों में यूएई, बांग्लादेश, नेपाल, नीदरलैंड, सऊदी अरब, श्रीलंका, थाईलैंड, बहरीन, ओमान और अमेरिका शामिल हैं।

सरकार से समर्थन वापस लेंगे: बिलावल

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने पाकिस्तान सरकार की विवादित नहर परियोजना की आलोचना की है

और धमकी दी है कि अगर योजना नहीं टाली गई तो वे सरकार से समर्थन वापस ले लेंगे। शहबाज शरीफ के नेतृत्व में चल रही गठबंधन सरकार के लिए पीपीपी का समर्थन जरूरी है। ऐसे में भुट्टो की धमकी के बाद पाकिस्तान की गठबंधन सरकार पर संकट के बादल मंडरा गए हैं। भुट्टो ने कहा कि हमने शहबाज शरीफ को एक बार नहीं, बल्कि दो बार पीएम बनाया और अब आपको लगता है कि आप हमें धमकियों से डरा सकते हैं?

खबर संक्षेप

सफलताः नक्सलियों का डंप सामान पुलिस ने किया बरामद

बीजापुर। बीजापुर में पामेड़ क्षेत्र के मुर्कराजगुट्टा पहाड़ी से नक्सलियों का डंप सामना पुलिस ने बरामद किया गया है। नक्सलियों उक्त डंप को एक बंकरनुमा कमरे में छिपाकर रखा था। पुलिस ने बताया कि पामेड़ थाना क्षेत्र के जीडपल्ली कैम्प से कोबरा 208 की टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। अभियान के दौरान मूर्कराजगुट्टा पहाड़ी के जंगल मे नक्सलियों द्वारा बंकरनुमा कमरे में छिपाया डंप बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक डंप को नक्सलियों द्वारा कंक्रीट आरसीसी स्लेब से बने बंकरनुमा कमरा में छिपाकर रखा गया था। बंकरनुमा कमरा 20 बाई 8 फीट साइज का था। उक्त बंकर से नक्सलियों द्वारा छुपाकर रखे गए 6 नग सोलर प्लेट, 6 नग जरकीन, 2 नग नक्सली वर्दी व 2 नग सीलिंग पंखा बरामद किया गया है। इसके बाद कोबरा जवानों की टीम द्वारा पूरे क्षेत्र में सचिंग के दौरान मूर्कराजगुट्टा की पहाड़ी जंगल से 12 नक्सली डंप छिपाने के जगह को खोजकर उसे नष्ट किया गया।

कार-बाइक की टक्कर में कांग्रेस नेता और विस क्षेत्र अध्यक्ष भोयर की मौत

कोंडागांव। कोंडागांव से उड़ीसा के उमरकोट मार्ग पर बफना के पास कार और बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार तीन लोगों में से एक, कांग्रेस कोंडागांव के विधानसभा अध्यक्ष हेमंत भोयर की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हैं जिनका इलाज जिला अस्पताल कोंडागांव में जारी है। घटना के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला अस्पताल के सामने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि टक्कर मारने वाली कार भाजपा नेता पुरेंद्र कौशिक की है और यह एक सोची-समझी राजनीतिक साजिश के तहत हत्या की गई है, न कि महज एक एक्सीडेंट।

दुविधा : कैसे हो शिकारियों की धरपकड़ का काम

नाम की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स, हकीकत भोपाल सहित चार यूनिट में केवल 38 का बल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वन विभाग की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स का नाम सुनकर ऐसा लगता है कि वाकई में यह कोई बड़ी फोर्स होगी या इसमें भारी भरकम अमला होगा। लेकिन हकीकत में ऐसा कुछ नहीं है। इसमें केवल 38 अफसर कर्मचारियों का बल काम कर रहा है , उनके पास भी हाइटेक संसाधन भी नहीं है। लंबे समय से टाइगर स्ट्राइक फोर्स की यह स्थिति बनी हुई है। प्रदेश या प्रदेश के बाहर फरार शिकारियों की धरपकड़ का जिम्मा इसमें कार्यरत अमले पर है। फिर भी देखने वाली बात यह है करीब 16 साल से काम कर रही इस विंग में न तो पर्याप्त बल दिया गया और न ही हाईटेक संसाधन। बड़ा सवाल यह है कि बिना संसाधन के स्ट्राइक फोर्स कैसे वन्यप्राणी अपराधों की जांच करे। विभाग में होने वाली बैठकों में कई बार संसाधन विहीन टाइगर स्ट्राइक फोर्स का मामला उठा लेकिन पर्याप्त बजट न मिलने के कारण स्थिति जस की तस बनी हुई है।

अलग खबर

गश्ती वाहन भी केवल 4 : स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की स्थिति यह है कि उसके पास भोपाल सहित चारों यूनिट में केवल 4 गश्ती वाहन हैं। यदि किसी वाहन में कोई खराबी आ जाए तो फिर यूनिट को किराए का वाहन लेना पड़ता है। जबकि शिकारियों की धरपकड़ और वन्यप्राणी अपराधों की जांच के लिए पर्याप्त गश्ती वाहन होना जरूरी है।

2008 में हुआ था गठन : वर्ष 2008 में स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स का गठन हुआ था। भोपाल सहित इंदौर, जबलपुर और शिवपुरी में इसकी चार इकाइयां काम कर रही हैं। इसमें फारेस्ट गार्ड, रेंजर से लेकर डीसीएफ तक कुल 60 पद स्वीकृत है, जिसमें चारों इकाइयों में 38 का अमला काम कर रहा है। 22 पद लंबे समय से खाली हैं, जिस पर किसी का ध्यान नहीं है। अफसरों की मानें तो फोर्स का काम वन्यप्राणी अपराधों में क्षेत्रीय इकाइयों का जांच में सहयोग करना। वहीं शिकायत या सूचना के आधार पर प्रदेश में कहीं भी स्ट्राइक फोर्स रेड कर सकती है।

पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ बोले-प्रयास जारी हैं: पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ मुख्यालय शुभरंजन सेन ने इस संबंध में कहा कि बल की कमी सभी जगह बनी हुई है। जहां तक स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की बात है तो हम लोगों का प्रयास है कि जल्द से जल्द उसको पर्याप्त अमला मिल सके ताकि शिकारियों की धरपकड़ में कोई परेशानी न हो।

'प्रसाद योजना' से संवरेगी मां पीताम्बरा की नगरी, 44.24 करोड़ रुपए मंजूर

▶ केन्द्र सरकार ने स्वीकृत की राशि, दतिया बनेगा आध्यात्मिक पर्यटन का नया केन्द्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मां पीताम्बरा की नगरी को प्रदेश का प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल बनने के लिये सुविधा संपन्न बनाया जाएगा। केंद्र सरकार की 'प्रसाद योजना' के अंतर्गत मंदिर परिसर और उससे जुड़े क्षेत्र के विकास के लिए 44.24 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। उन्होने कहा कि इस योजना से धार्मिक स्थलों का कायाकल्प होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ीकरण होगा। 'प्रसाद योजना' का उद्देश्य भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और पर्यटकों के लिए सुविधाजनक बनाना है।

बता दें कि इस योजना के तहत पीताम्बरा पीठ, दतिया में प्रमुख विकास कार्य किए जा रहे हैं। इन सभी कार्यों का लक्ष्य दतिया स्थित मां पीताम्बरा पीठ को एक ऐसा धार्मिक गंतव्य बनाना है, जहां आस्था और आधुनिकता का समन्वय हो। इससे न केवल तीर्थयात्रियों को एक बेहतर अनुभव मिलेगा, बल्कि दतिया को सामाजिक, आर्थिक और पर्यटन की दृष्टि से भी नई ऊंचाइयाँ मिलेंगी।

2 किमी के मार्ग पर खुले स्थानों का विकास

प्रमुख सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति और प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि पीतांबरा पीठ में पर्यटन सेवाओं के विस्तार से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। सुविधाएं बढ़ने से यह विकास तीर्थयात्रियों को आसानी होगी। हाइवे से मंदिर की ओर लगभग 2 कि.मी. के मार्ग पर पैदल आने वाले दर्शनार्थियों एवं वरिष्ठ जनों को ताजी हवा, खुला वातावरण और आराम प्रदान करने विशेष रूप से खुले स्थानों का विकास किया जाएगा। इन क्षेत्रों में हरियाली, बेंच, पेड़-पौधे और विश्राम करने के लिए स्थान होंगे। इससे पर्यटकों को ताजगी का अनुभव होगा।

सार्वजनिक सुविधाएं, इंटरप्रिटेशन सेंटर

शहर के नागरिकों और पर्यटकों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, कचरा प्रबंधन और अन्य सार्वजनिक सेवाओं को उन्नत किया जाएगा। शहर अधिक सुविधाजनक और सुगम बनेगा।

रोटरी सहित मल्टी-लेवल कार पार्किंग भी

ग्वालियर एवं झांसी से आने वाले वाहनों/यात्रियों हेतु यातायात प्रबंधन को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए बम-बम भोले एवं हनुमान चौक पर रोटरी की डिज़ाइन की जाएगी। यह न केवल ट्रैफिक नियंत्रण में मदद करेगा बल्कि सौंदर्यीकरण में भी योगदान देगा। बढ़ती यातायात समस्या को ध्यान में रखते हुए, मंदिर के समीप बहु-स्तरीय कार पार्किंग का निर्माण किया जाएगा। इससे वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या कम होगी और सड़कें अधिक व्यवस्थित रहेंगी। पार्किंग के भूतल पर दुकानों की व्यवस्था होगी। इससे दुकान व्यवस्थित हो सकेगी एवं श्रद्धालुओं के लिये भी सुविधाजनक होगी। भविष्य में मल्टीलेवल पार्किंग को सीधे मंदिर पाथ-वे से जोड़ा जाएगा।

फुटपाथों का पुनर्विकास, स्मार्ट डिस्प्ले और संकेतक होंगे

पैदल यात्रियों की सुरक्षा और सुगमता को सुनिश्चित करने के लिए फुटपाथों का पुनर्विकास किया जाएगा। इसमें समतल और मजबूत फुटपाथ, प्रकाश व्यवस्था, छाया के लिये शेड, पौध-रोपण और बैठने की सुविधाएं जोड़ी जाएंगी ताकि लोग आराम से चल सकें। शहर में प्रमुख स्थानों, पर्यटन स्थलों, मंदिरों और सार्वजनिक सुविधाओं के बारे में जानकारी देने के लिए स्मार्ट डिस्प्ले और संकेतक लगाए जाएंगे। डिजिटल और इंटरैक्टिव बोर्ड की मदद से यात्री और नागरिक आसानी से दिशाओं, सूचनाओं और आवश्यक सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, गांधीसागर अभयारण्य की जलवायु चीतों के लिए अनुकूल

अब मंदसौर जिले का गांधीसागर अभयारण्य भी चीतों से गुलजार होगा, आज छोड़े जाएंगे

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इको सिस्टम के प्रॉपर डेवलपमेंट के लिए मध्यप्रदेश में वृहद स्तर पर काम हो रहा है। हमारी सरकार कूनो राष्ट्रीय उद्यान को एक आदर्श वन्य प्राणी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेगी। प्रदेश में सिर्फ कूनो ही नहीं, अब मंदसौर जिले का गांधीसागर अभयारण्य भी चीतों से गुलजार होगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के सहयोग से आज 20 अप्रैल को गांधी सागर अभयारण्य में चीते छोड़े जाएंगे। कड़ी सुरक्षा में कूनो नेशनल पार्क से 2 चीते शिफ्ट कर गांधीसागर अभयारण्य में ले जाए जाएंगे। डॉ यादव ने कहा कि कूनो नेशनल पार्क में पर्यटन तेजी से बढ़े, इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार ग्वालियर से कूनो के लिए डायरेक्ट रोड और एयर कनेक्टिविटी भी विकसित करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ प्रदेश में चीता प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन संबंधी समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

खास बातें

- कूनो आने वाले पर्यटकों को मिलेगी रोड-टू-एयर कनेक्टिविटी
- परिक्षेत्र में पर्यटन सुविधाएं बढ़ाने के लिए खोले जाएंगे दीदी कैफे
- मुख्यमंत्री और केंद्रीय वन मंत्री ने की चीता प्रोजेक्ट की समीक्षा

पशु चिकित्सालय और रेस्क्यू सेंटर भी खोलेंगे

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि केन्द्र सरकार के साथ मिलकर सबके सहयोग से हम चीतों का पुनर्वास करेंगे। ग्वालियर से कूनो नेशनल पार्क तक पक्की बारहमासी रोड बनाई जाएगी। कूनो में टेंट सिटी तैयार कर यहां आने वाले पर्यटकों को जंगल में प्रकृति के पास समय बिताने का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वन मंत्री यादव की मंशा के अनुरूप हम कूनो प्रक्षेत्र में इंटरनेशनल लेवल का एक पशु चिकित्सालय और रेस्क्यू सेंटर भी खोलेंगे। इसके लिए केंद्र सरकार से भी मदद लेंगे। पशु चिकित्सालय के संचालन से कूनों के चीतों के इलाज के साथ-साथ इस पूरे क्षेत्र में गौवंश के उपचार में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के नेचर टूरिज्म सेक्टर में निहित असीम संभावनाओं को एक्सप्लोर करेगी। राज्य के अधिक से अधिक युवाओं और महिलाओं को वन्य पर्यटन से जोड़ेंगे।

यहां जन्मे चीता शावकों का सर्वाइवल रेट अधिकतम

मुख्यमंत्री ने हर्ष व्यक्त किया कि मप्र में जन्मे चीता शावकों की जीवन प्रत्याशा (सर्वाइवल रेट) पूरे विश्व में सर्वाधिक है। चीतों के लिए जरूरी जलवायु की दृष्टि से गांधीसागर अभयारण्य अनुकूल है, इसलिए सरकार यहां चीते छोड़कर इस अभयारण्य को भी चीतों से गुलजार करेगी। चीता मित्र और महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं को टूरिस्ट गाईड भी बनाएंगे, कूनो में राज्य आजीविका विकास मिशन से दीदी कैफे संचालित किए जाएंगे, जिससे चीता मित्रों और महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकें।

केंद्रीय मंत्री ने दिया टॉस्क फोर्स बनाने पर जोर

केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने वन्य प्राणियों की पुनर्वास परियोजनाओं की देखरेख के लिए वन, पर्यटन, पशु चिकित्सा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य एवं परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का एक टास्क फोर्स बनाया जाए।

थल सेना प्रमुख ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

भोपाल। देश के थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को समत्व भवन पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पुष्प-गुच्छ, अंग वस्त्रम और राजा भोज की प्रतिमा भेंट कर थल सेना प्रमुख का स्वागत किया। वहीं सेना प्रमुख ने मुख्यमंत्री को मणिपुरी शैली में निर्मित राधा कृष्ण की प्रतिकृति भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस दौरान प्रदेश में जारी विकास गतिविधियों, उद्योगों के विस्तार तथा युवाओं में कौशल उन्नयन के लिए चलाए जा रहे अभियान की उन्हे जानकारी दी। इस अवसर पर प्रदेश में विद्यमान सैन्य इकाईयों के प्रबंधन संबंधी विषयों पर भी चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल पी.पी. सिंह तथा मेजर जनरल सुमित भी उपस्थित थे।

महिला का पैर कटा, अस्तपाल में भर्ती, हालत नाजुक

बाइक सवार दंपति को ट्रक ने मारी टक्कर, पति की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालोद

जिले के बालोद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पैरी के पास भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। वाहन ने शव को काफी दूर तक घसीटा। गुंदना दही थाना क्षेत्र के ग्राम पैरी में उक्त वाहन को रोका गया है। घटना बालोद थाना क्षेत्र की है, लेकिन शव को घसीटते हुए गुंदर दही थाना क्षेत्र तक ले गया। थाना प्रभारी मनीष शेंडे ने बताया की शव को बालोद भेज रहे हैं। वहीं एक महिला की हालत नाजुक बनी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार, जिससे हादसा हुआ है वह माइंस की गाड़ी है, जो कि दुर्ग की ओर जा रही थी। दंपति बाइक से दुर्ग से बालोद की ओर आ रहे थे। इसी दौरान ट्रक ने दंपति की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में महिला का पैर कट गया तो वहीं उसके पति की मौके पर ही मौत हो गई।

बाइक सवार को काफी दूर तक घसीटा

बाइक सहित उसके पति को बड़ी गाड़ी ने काफी दूर तक घसीटा। थाना प्रभारी मनीष शेंडे ने बताया कि दोनों मृतक राजनांदगांव जिले के खैलीडीह ननकट्टी के रहने वाले हैं, जो निजी काम से आ रहे थे। घटना स्थल पर उनके परिजन पहुंचे हुए हैं। वहीं, मृतक के शव को जिला अस्पताल लाया गया है। महिला को भी नाजुक हालत में जिला अस्पताल लाया गया है।

नाबालिग समेत पांच आरोपी गिरफ्तार, करंट लगाकर किया प्रताड़ित

राजस्थान के दो युवकों से कोरबा में मारपीट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

राजस्थान के दो युवकों के साथ करंट लगाकर बेरहमी से मारपीट की घटना में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। पीड़ित युवकों ने कोरबा से भागकर राजस्थान के गुलाबपुरा थाना में जाकर शिकायत की थी, जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज हुई है।

घटनास्थल कोरबा में हुई है जिसका आधार पर कोरबा सिविल लाइन में मामला दर्ज कर आगे की जांच कार्यवाही शुरू की गई है। इस मामले में पांच आरोपी समेत एक नाबालिग को गिरफ्तार किया गया है वहीं वीडियो के आधार पर और भी लोगों की गिरफ्तारी की जाएगी। पीड़ित युवकों का बयान सामने आया है कि अभिषेक भावी और विनोद भावी नामक दो युवकों को आइसक्रीम बेचने वाले छोटू और मुकेश शर्मा द्वारा काम करने के लिए कोरबा लाया गया था। युवकों ने वेतन की मांग की, जिससे नाराज होकर आरोपियों ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया। मारपीट की घटना का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें युवकों को चोरी के आरोप में पीटा जा रहा था। जहां युवकों के साथ करंट देकर मारपीट की गई, यही नहीं लात घूंसे और प्लास से नाखून और गुप्तांग में भी मारपीट की गई। दोनों पीड़ित किसी तरह कोरबा से गांव राजस्थान पहुंचे और परिजनों को आप बीती बताई। जहां गुलाबपुरा थाना में एफआईआर दर्ज कर पीड़ित युवकों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज हुई है। जिसके आधार पर गुलाबपुरा थाना सिविल लाइन थाना क्षेत्र घटना स्थल बताया और सिविल लाइन में फिर मामला दर्ज किया गया है।

आइसक्रीम गोदाम सील

पुलिस ने इस मामले में तत्काल गंभीरता दिखाते हुए पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। इस घटना के बाद खपराभट्ठा स्थित आइसक्रीम गोदाम को नगर निगम की टीम ने सील कर दिया है। नगर निगम की टीम ने गोदाम का निरीक्षण किया और उसे सील कर आगे की कार्रवाई करने की बात का कही। कोरबा सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। वीडियो के आधार पर संदेहियों की तलाश जारी है।

- सरकार पहले केंद्र सरकार के स्कीम पर सोसायटियों का पुनर्गठन कराएगी, इसके बाद ही चुनाव संभव

हाईकोर्ट की सख्ती के बाद सरकार ने सोसाइटियों का चुनाव कार्यक्रम तो जारी किया पर अभी सदस्य ही नहीं बने, सवाल है कि चुनाव कैसे होंगे

हरि अग्रहरि ▶▶ भोपाल

खास खबर

मप्र में 4,553 सहकारी सोसायटियों का चुनाव अभी नहीं हो पाएगा। हाईकोर्ट की सख्ती के बाद राज्य सरकार ने 24 मार्च को पांच चरणों में चुनाव कराने का कार्यक्रम जारी किया है। यह चुनाव एक मई से 4 सितंबर तक होना है। पर तैयारी के नाम पर अभी तक में कुछ नहीं हुआ है। मेंबरशिप पूरी नहीं करा पाए। दूसरी तरफ, मप्र सरकार केंद्र सरकार के सहकार योजना के पुनर्गठन स्कीम की बाट जोह रही है। हाईकोर्ट में भी वही दलील देने की तैयारी है कि पुनर्गठन प्रक्रिया पूरी होने से पहले चुनाव कराना संभव नहीं है। ऐसे में 2025 में चुनाव करा पाना बेहद मुश्किल है। प्रदेश की सहकारी सोसायटियों में पिछले 12 साल से चुनाव नहीं हुए हैं। जबकि एक्ट में साफ लिखा है कि चुनी हुई सोसायटियों का कार्यकाल 5 वर्ष ही होगा। किंतु सरकार ने 2017 में चुनाव के बजाय प्रशासक की नियुक्ति कर दी। इसमें भी धांधली की शिकायतें हुई थी, किंतु मामला दब गया। 2018 में विधानसभा चुनाव होने से चुनाव टल गए। जब कांग्रेस की सरकार आई तो उसने भी चुनाव कराने की जहमत नहीं उठाई। सवा साल बाद वह सरकार भी गिर गई और कोरोना व अन्य कारणों से चुनाव टलता रहा। यह मामला अभी हाईकोर्ट में उठा तो कोर्ट ने सरकार से चुनाव कराने तथा कार्यक्रम जारी करने का सख्त निर्देश दिया। सरकार ने भी उसी अंदाज में चुनाव कार्यक्रम जारी करने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया।

भारत सरकार पुनर्गठन स्कीम भी बहाना बना

इस बीच भारत सरकार ने देश के सभी राज्यों से कहा कि उनके यहां चूंकि संख्या के अनुपात में सोसायटियों की संख्या कम है, ऐसे में इसका पुनर्गठन कराएं। मप्र सरकार को इस स्कीम का बहाना मिल गया। इस पुनर्गठन के लिए तीन महीने का समय तय किया गया है। इस पुनर्गठन के बाद प्रदेश में सोसायटियों की संख्या बढ़कर करीब 12 हजार हो जाएगी। दरअसल, प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक सोसायटी बनना है, अभी कई-कई पंचायतों को मिलाकर सोसायटी है। दिलचस्प यह है कि इस पुनर्गठन स्कीम की वजह से 2025 में चुनाव हो पाना मुश्किल है।

सोसायटियों में चुनाव नहीं होने से यह आ रही है दिक्कतें

प्रदेश की सहकारी सोसायटियों में चुनाव नहीं होने की वजह से सहकारिता का पूरा सिस्टम डंप पड़ गया है। सोसायटियों में किसानों से जुड़ी गतिविधियों के नाम पर महज खानापूर्ति हो रही है। बताते हैं कि प्रशासक उन सोसाटियों में जमकर मनमानी करते हैं, पर पंचायत का कोई प्रतिनिधि नहीं होने से वे कुछ नहीं कर पाते। सहकारिता विभाग में ही हजारों की संख्या में शिकायतें लंबित है। राजनैतिक हस्तक्षेप की वतह से कार्रवाई तो दूर उन शिकायतों की जांच भी नहीं हो पाती। सरकार की जिम्मेदारी का अहसास इसी से किया जा सकता है कि 13 साल पहले 2012 में सोसायटियों के चुनाव हुए थे, तब से लेकर आज तक नहीं हुए।

सोसायटियों में इस वक्त मेंबरशिप भी नहीं है

सबसे पहले नियमों के अनुसार सोसायटी मेंबर बनते हैं। इसके लिए एक मापदंड तय है कि अमुक किसान को ही सदस्य बनाया जा सकता है। यदि अभी मेंबरशिप की प्रक्रिया शुरू होती है तो कम से कम 60 दिन का समय लगना तय है। चूंकि पहले सोसायटियां मेंबरशिप की सूची देती है, फिर उसका प्रकाशन होता है। इसके बाद रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की नियुक्ति होती है, मेंबरशिप का प्रकाशन स्थानीय स्तर पर होता है। इसके बाद यदि सदस्य संतुष्ट नहीं हैं तो अपीलीय अधिकारी नियुक्त कर उसका निराकरण कराया जाता है। अपीलीय अधिकारी की ओर से फाइनल सूची का प्रकाशन होता है। इसके बाद ही चुनाव आदि कराया जा सकता है।

हाईकोर्ट के निर्देश पर सोसायटियों का चुनाव कराने के लिए हम बाध्य हैं। हमारी तैयारी चल रही है, जैसे ही तैयारी पूरी हो जाएगी, उसी तारीख पर चुनाव करा लिया जाएगा।

अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव, सहकारिता मप्र शासन

खड़े वाहन से टकराई बाइक, दो की मौत

भिलाई। बाइक सवार युवक खड़े मालवाहक से जा टकराए। इस घटना में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक युवक घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलने पर मौके पहुंचकर शव को पीएम के लिए भेजवकर जांच में जुट गई है। छावनी थाना क्षेत्र के पावर हाउस में बाइक पर सवार तीन युवक घर से पार्टी में जाने के नाम से निकले थे। जैसे पावर हाउस के बिहारी होटल के पास पहुंचे, सड़क किनारे खड़े मालवाहक से जा टकराए। घटना में दो युवकों की मौके पर मौत हो गई और एक युवक आदित्य चौहान घायल हो गया।

अतिक्रमण और बेतरतीब पार्किंग समस्या बनी नासूर

सुबह हो या शाम, हर तरफ लग रहा जाम

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर के बाजार क्षेत्रों की ट्रैफिक व्यवस्था नासूर की तरह लाइलाज बन गई है। कई मरतबा व्यापारी संगठनों के साथ यातायातऔर नगर निगम की संयुक्त बैठकें हो चुकी हैं। प्लान बन चुका, वन वे मार्ग निर्धारित हो चुके। माल लोडिंग अनलोडिंग का समय तय हो चुका। लेकिन हालात ढाक के तीन पात हैं। इसका नतीजा यह है की जबलपुर के प्रमुख व्यवसायिक क्षेत्रों में दिन भर जाम के हालात बने रहते हैं। गर्मी के दिनों में तो रात 11 बजे तक लोगों को जाम से मुक्ति नहीं मिलती। इसकी सबसे बड़ी वजह सड़कों पर चौपाया वाहनों की पार्किंग, सड़क पर रखे साईन बोर्ड और फुटपात पर लगने वाली दुकानें हैं।

जिनपर किसी का कोई कंट्रोल नहीं है। शहर के प्रमुख व्यवसायिक क्षेत्र मालवीय चौक, सराफा, कमानिया, बड़ा फुहारा, अंधेरदेव, दमोहनाका, अधारताल, गोरखपुर मेन मार्केट, मुकादमगंज, नरघैय्या, प्रिंस स्ट्रीट, गलगला, पुरानी चरहाई, शंकर घी भंडार, भार्गव चौक, घमंडी चौक, निवाड़गंज, नार्मल स्कूल रोड गंजीपुरा आदि इलाके अतिक्रमण और जाम के लिये कुख्यात हो गये हैं। इन क्षेत्रों व्यापारी आधी सड़क तक अपनी दुकान फैलाए हुये हैं। उसके बाद साईन बोर्ड सड़क पर रखें हैं। लिहाजा आम नागरिकों को परेशानी होती है और खरीददारी के लिये आने वाले ग्राहक सड़क पर ही अपने आड़े तिरछे वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे जाम के हालात निर्मित होते हैं।

दिन भर ई-रिक्शा और आटो की धमाचौकड़ी

पिछले दिनों यातायात पुलिस विभाग के साथ कई व्यापारी संगठनों की बैठक हुई थी और यह सहमति बनी थी की लोडिंग अनलोडिंग 11 बजे के बाद नहीं की जाएगी। लेकिन सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक न केवल व्यस्त क्षेत्रों में बलकी नरघैय्या, प्रिंस स्ट्रीट, मुकादमगंज, गढ़ा फाटक क्षेत्र में लोडिंग वाहनों की आवाजाही बनी रहती है, बलकी माल लोड अनलोड की प्रक्रिया भी चलती रहती है। ई रिक्शा सवारी कम और माल ज्यादा ढो रहे हैं। ई रिक्शा में कपड़ों के गटठे सहित अन्य सामान लोड कर नरघैय्या और मुकादम की संकीर्ण गलियों में बेरोकटोक आते जाते हैं। जिससे न केवल दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं, बल्की जाम के हालात भी बिगड़ रहे हैं।

न व्यापारी सुधर रहे न आम जनता

यातायात व्यव्स्था को लेकर न व्यापारियों में कोई सकारात्मक रुख नजर आ रहा है। न ही आमजनता सजक है। जिसको जहां जगह मिली, वहां प्रवेश कर जाता है। रांग साईड से वाहन चलाना फैशन बन चुकी है। इससे भी कई बार दुर्घटनाएं सामने आ रही हैं। व्यापारी भी सड़क पर दुकान लगाने और शेड में टंगना टांगने से बाज नहीं आ रहे हैं। वाहनों की पार्किंग की जगह दुकानें सजी हैं, स्वाभाविक है जनता अपने वाहन सड़क पर खड़े करेगी। यही स्थिति जाम लगवाती है।

कब अमल में आएगा प्लान

बार बार प्लान बनाकर अमल में लाने की बात कही जाती है, प्लान बनते भी हैं और दृढ इच्छा शक्ति के आभाव में प्लान धरे रह जाते हैं। पहले वरिष्ठ अधिकारी खुद निरीक्षण पर निकलते थे और व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराते थे। अब सबकुछ निचले स्तर के अधिकारियों कर्मचारियों के हवाले कर दिया गया है। राजनीतिक दबाव व्यापारियों के विरोध के निचला स्टॉफ अपनी नौकरी बचाओ अभियान में साथ हो जाता है।

भीषण गर्मी से जनजीवन के हाल बेहाल

हर दिन ऊपर चढ़ रहा पारा, 42 डिग्री के पार

जबलपुर। पारा दिन पर दिन उछाल ले रहा है। अभी शुक्रवार को सीजन का सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया था, शनिवार को भी पारा 42 डिग्री के करीब में रहा। शनिवार को सुबह से ही भीषण गर्मी का प्रकोप था। मई जून सरीकी गर्मी अप्रैल में पड़ रही है। चिलचिलताती धूप और भीषण गर्मी से जनजीवन के हाल बेहाल हैं। दोपहर 1 बजे के बाद सड़कें वीरान हो जाती हैं। सूर्यास्त के बाद तक सूरज की तपन बनी रहती है। किसी तरह से शाम ढलने के बाद लोगों को सुकून धूप से मिलता है, लेकिन गर्मी बनी रहती है। दिन में कूलर पंखे भी काम नहीं आ रहे हैं। शुष्क मौसम की वजह से हवाओं की नमी भी घट गई है, जिससे गर्मी उग्र रूप दिखा रही है।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि मौसम पूरी तरह से साफ है। शुष्क मौसम की वजह से तापमान लगातार बढ़ रहा है। अभी मौसम के मिजाज यूं ही बने रहेंगे। तापमान अभी और ऊपर जा सकता है। बहरहाल पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 41.7 डिग्री सामान्य से * डिग्री अधिक दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 47 प्रतिशत और सायंकाल 35 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.45 बजे और सूर्यास्त शाम 6.33 बजे हुआ। प्रदेश में सबसे अधिक 44.6 डिग्री तापमान खजुराहो जिले में दर्ज किया गया। गत वर्ष आज के दिन का अधिकतम तापमान 41.0 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। उत्तर पश्चिमी हवाएं 5 से 6 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलीं। अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

हाईकोर्ट ने आपसी समझौते के आधार पर निरस्त की एफआइआर

नये साल के कारण रेट बढ़ने से हुई थी पटाया की बुकिंग निरस्त

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने आपसी समझौते के आधार पर धोखाधड़ी के प्रकरण में एफआइआर निरस्त करने का आदेश पारित किया। जस्टिस मनिंदर सिंह बट्टी की सिंगल बेंच ने कहा कि दोनों ने पक्षों ने बिना किसी धमकी, जबरदस्ती या अनुचित प्रभाव के समझौता कर लिया है। लिहाजा, कानून के आलोक में हाईकोर्ट याचिका को स्वीकार कर एफआइआर निरस्त करना उचित समझता है।

संस्कार सिटी, जबलपुर निवासी रजनी सोनी व उसके पति अभिषेक सोनी ने माढ़ोताल थाने में धारा बीएनएस की धारा-318 के तहत दर्ज की गई एफआइआर को निरस्त करने की मांग करते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया था कि उन्होंने अनावेदक रितेश सौहगौरा सहित अन्य व्यक्तियों के लिए बैंकाक व पटाया का टूर बुक किया था। जिस एजेंसी के माध्यम से उन्होने टूर बुक करवाया था उसने नये साल के कारण रेट बढ़ने पर बुकिंग निरस्त कर दी। याचिका में कहा गया था कि उनका शिकायतकर्ता से आपसी समझौता हो गया है। दोनों पक्ष एफआइआर निरस्त किए जाने पर तैयार है। हाई कोर्ट ने शिकायतकर्ता को आदेशित किया था कि अपने बयान रजिस्ट्रार के समक्ष दर्ज करवाएं। एकलपीठ ने शिकायतकर्ता के बयान के आधार पर आपसी समझौते के तहत सोनी दंपति के विरुद्ध दायर एफआइआर को निरस्त कर दिया।

अपडेटेड राजस्व रिकार्ड रूम में 1909-10 से अभिलेख सुरक्षित

जबलपुर। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने राजस्व रिकार्ड रूम का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि पहले यह राजस्व अभिलेखागार बहुत ही अस्त व्यस्त था, जिसे अपडेट कर आधुनिक रूप में लाने की अति आवश्यकता थी। क्योंकि आम जन को सहजता से वांछित रिकार्ड सुलभता के साथ उपलब्ध हो सके। अपडेटेड राजस्व रिकार्ड रूम में 1909-10 से अभिलेख उपलब्ध हैं, जो अब सहजता से कम्प्यूटर के माध्यम से उपलब्ध हो सकेंगे। इस अवसर पर नगर निगम कमिश्नर श्रीमती प्रीति यादव, अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड, संयुक्त कलेक्टर धीरेन्द्र सिंह, श्रीमती शिवाली सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

पुलिस ने रात को निकलवाया, सुबह दफनाया कटा पैर

जबलपुर। शुक्रवार सुबह तिलवारा थाने के पास स्थित नगर निगम के कचरा डंपिंग स्टेशन से मिले मिले कटे पैर को पुलिस और नगर निगम ने मिलकर शनिवार सुबह को दफना दिया लेकिन जैसे ही बात वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंची रात को मानव अंग वापस निकलवाया गया। जिसे निकलवाकर मेडिकल अस्पताल पहुंचा दिया है। हालांकि पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला कि उक्त मानव अंग मेडिकल में ही किसी बीमारी से ग्रसित लावारिस व्यक्ति का है, संभवतः जिसका पैर कट गया होगा और फिर वह कचरे में डंपिंग स्टेशन पहुंच गया होगा। लेकिन क्षेत्रीय लोग अभी भी इस मामले को संदिग्ध मान रहे हैं। गौरतलब है कि शुक्रवार सुबह तिलवारा थाने से चंद कदमों की दूरी पर स्थित कचरा डंपिंग स्टेशन में कटा हुआ मानव अंग मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल थी। सूचना मिलते ही पुलिस और नगर निगम का अमला सहित दर्जनों की संख्या में क्षेत्रीय लोग पहुंच गए थे। जिसके बाद पुलिस ने नगर निगम स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से पैर को दफन करा दिया था। पैर को बिना जांच किए गए दफन कराने का कुछ ही देर में हल्ला मच गया, जिसके बाद पुलिस को पैर वापस निकलवाना पड़ा।

हाई कोर्ट ने माता-पिता की शिकायत पर पुत्र-पुत्रवधु को बेदखल करने का एसडीओ का आदेश किया निरस्त

वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण व कल्याण अधिनियम का दुरुपयोग अनुचित

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण व कल्याण अधिनियम के दुरुपयोग को अनुचित माना। जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने इसी के साथ अनुविभागीय दंडाधिकारी का वह आदेश निरस्त कर दिया, जिसके अंतर्गत पुत्र-पुत्रवधु को मकान से बेदखल करने की व्यवस्था दी गई थी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि माता-पिता चाहें तो पुत्र-पुत्रवधु को प्रश्नगत मकान से बेदखल करने के लिए विधि अनुसार कार्रवाई के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन उन्हें भरण-पोषण व कल्याण अधिनियम के प्रावधान के दुरुपयोग की अनुमति नहीं दी जा सकती। क्योंकि इस प्रकरण में भरण-पोषण या रहने के लिए छत न होने जैसी बातें नहीं हुईं हैं।

जबलपुर निवासी अमित गुप्ता की ओर से अधिवक्ता शरद गुप्ता ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि माता-पिता वर्तमान में अपनी पुत्री के साथ निवासरत हैं। ऐसा भी नहीं है कि पुत्र-पुत्रवधु ने माता-पिता के रखरखाव में कोई लापरवाही बरती हो। वे बेघर नहीं हैं और समय-समय पर उनका पूरा ध्यान रखा गया है। आर्थिक आदि सहायता की गई है। इसके अलावा माता-पिता को पेंशन का लाभ मिल रहा है। इसलिए याचिकाकर्ता अमित गुप्ता के हक में आदेश पारित करते हुए एसडीएम का आदेश निरस्त करने योग्य है।

देर रात तक पुलिस ने की काम्बिंग गश्त

जबलपुर। जिला पुलिस बल द्वारा अपराधों की रोकथाम करने व गुंडे बदमाशों पर कार्यवाही करने के लिये रात 9 बजे से देर रात 2.30 बजे तक जिले के सभी थाना क्षेत्रों में काम्बिंग गश्त कराई गई. इस दौरान रान कई वर्षों से फरार 120 गैर म्यादी वारिटयों एवं 133 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए तथा 36 जमानती वारंट भी तामील किए गए है। इसी प्रकार अवैध शराब कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश देते हुये 38 आरोपियों को गिरफ्तार कर 45 लीटर कच्ची तथा 534 पाव देशी/विदेशी शराब जप्त की गयी है। इसी प्रकार थाना ओमती पुलिस ने जिला बदर के आदेश का उल्लंघन करते हुये 1 आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने बताया कि कॉम्बिग गस्त के दौरान वारंटी एवं लंबित मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु शहर एवं देहात के थानों में पदस्थ लगभग 592 अधिकारी एवं कर्मचारियों की 81 टीमें बनाई गई, एक टीम के प्रभारी थाना प्रभारी स्वयं थे, अन्य टीम के प्रभारी उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी थे। इसके साथ ही कांबिंग गस्त के दौरान सक्रिय गुंडे बदमाशों को चेक करते हुए देर रात आने जाने वालों से रोक-टोक पूछताछ एवं रेलवे स्टेशन तथा बस स्टैंड के साथ-साथ मुसाफिरखाना में संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग की गई।

रंगदारी नहीं देने पर मारी तलवार

जबलपुर। घमापुर थाना अंतर्गत गोपाल होटल खेरमाई मंदिर के पास कल रात एक युवक पर शराब पीने के लिये रुपये नहीं देने पर दो बदमाशों ने तलवार से हमला कर दिया. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। घमापुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार कल रात नितिन रघुवंशी (डुमार) कल रात अपने घर लौट रहा था, तभी रास्ते में रोककर उससे सरबन पटेल और अमन साहू ने शराब पीने के लिये 500 रुपये की मांग की, मना करने पर उसपर तलवार से हमला कर दिया. पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 296, 119(1), 351(2) 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

तड़ीपार घर के पास गिरफ्तार

जबलपुर। ओमती पुलिस ने एक तड़ीपार को आदेश का उल्लंघन करते हुये रात में काम्बिंग गश्त के दौरान पकड़ा और उसके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की. ओमती पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार भरती पुर निवासी 65 वर्षीय भोला सोनकर के अपराधिक रिकार्ड के मद्देनजर जिला दंडाधिकारी द्वारा 13 जनवरी 2025 को जिला बदर का वारंट जारी किया गया था, इसके बावजूद आरोपी आदेश का उल्लंघन करते हुये, भरतीपुर में अपने घर के पास खड़ा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उसके खिलाफ धारा 223 बीएनएस एंव 14 म0प्र0 राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही की है।

शाहरुख की 'किंग' में अरशद वारसी की एंट्री

मुंबई। पिछले काफी समय से शाहरुख खान अपनी आगामी फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसके निर्देशन की कमान सिद्धार्थ आनंद को सौंपी गई है। 'पठान' (2023) के बाद यह सिद्धार्थ और शाहरुख के बीच दूसरा सहयोग है। शाहरुख की बेटी और अभिनेत्री सुहाना खान भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाली हैं। अब फिल्म 'किंग' में दिग्गज अभिनेता अरशद वारसी की एंट्री हो गई है। पीपिंग मून की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'किंग' की स्टार कास्ट में अरशद शामिल हो गए हैं। निर्माताओं ने फिल्म में उन्हें एक खास भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया है।

लाइफ Style

सोनाक्षी

आखिर यूजर पर क्यों भड़कीं

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल बॉलीवुड की सबसे चर्चित और लोकप्रिय जोड़ियों में से एक है। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो साझा कर अपने प्यार का इजहार करते रहते हैं। प्रशंसक भी दोनों को साथ में देखना काफी पसंद करते हैं।

सोनाक्षी और जहीर को उनकी शादी को लेकर अक्सर आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है। अब सोनाक्षी ने पहली बार तलाक और शादी के लिए ट्रोल किए जाने पर यूजर्स को जवाब दिया है। सोशल मीडिया पर एक स्क्रीनशॉट वायरल हो रहा है, जिसमें एक यूजर ने सोनाक्षी और जहीर की शादी के बारे में टिप्पणी की है।

यूजर ने लिखा है, 'तुम्हारा तलाक बहुत करीब है।' इस पर अभिनेत्री ने जवाब दिया और लिखा, 'पहले तेरे मम्मी पापा करेंगे, फिर हम.. वादा है।' सोनाक्षी का यह बेबाक अंदाज उनके प्रशंसकों को बहुत पसंद आ रहा है। बता दें, सोनाक्षी ने बीते साल जहीर से शादी रचाई थी। काम के मोर्चे पर बात करें तो सोनाक्षी पिछली बार फिल्म 'काकुड़ा' में नजर आई थी। इसमें उनके साथ साकिब सलीम और रितेश देशमुख जैसे कलाकार थे। इस फिल्म को आप जी 5 पर देख सकते हैं। इन दिनों सोनाक्षी अपनी पहली तेलुगू फिल्म 'जटाधारा' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिलेम के लिए उन्हें साउथ के स्टार सुधीर बाबू का साथ मिला है। बताया जा रहा है कि 'जटाधारा' में सोनाक्षी का एक अलग ही अवतार देखने को मिलेगा।

हॉलीवुड मसाला

'आई स्पिट... ' कई देशों देशों में बैन

लॉस एंजिलस। आज हम आपको 15 साल पुरानी एक ऐसी डिस्टर्बिंग और डरावनी फिल्म के बारे में बताने वाले हैं, जिसे देखने के बाद लोगों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इस फिल्म में काफी ज्यादा बोल्ड सीन और हिंसा दिखाई गई है, जिसकी वजह से फिल्म को 1 या 2 नहीं, बल्कि कई देशों में बैन कर दिया गया और अभी तक ये फिल्म वहां पर बैन ही है। यह एक विवादित हॉरर फिल्म है। हम यहां 2010 में आई फिल्म 'आई स्पिट ऑन योर ग्रेव' के बारे में बात कर रहे हैं। इस फिल्म में एक लड़की की कहानी दिखाई गई है जो जंगल में कुछ गंदे आदमियों के बीच फंस जाती है।

हॉलीवुड का एक ऐसा गाना जिसने होली को बना दिया ग्लोबल...

लॉस एंजिलस। होली का त्योहार भारत के लिए एक बहुत ही खुशनुमा त्योहार है जिसे सब बड़ी धूमधाम और जोरों-शोरों से मनाते हैं, लेकिन इसका एक रंग हॉलीवुड के एक ऑल टाइम पॉपुलर गाने में भी शामिल हुआ था। अगर आपने यूट्यूब पर हॉलीवुड सिंगर केशा का गाना 'टेक इट ऑफ' सर्च किया तो आप उससे जरूर झूम उठेंगे। इस गाने के म्यूजिक वीडियो में जमकर रंग उड़ाते हैं, रंग लगाते, उड़ते हुए रंगों में झूम-झूम कर डांस करते नजर आते हैं, और माहौल पूरी तरह से एक होली पार्टी जैसा लगता है। केशा ने इस गाने में ऑटोट्यून, डीजे बीट्स और होली की कलरफुल वाइब्स का ऐसा समा बनाया है जिससे अमेरिका और कनाडा के टॉप-10 चार्ट्स में ये सांग शामिल हो गया था। एक अंग्रेजी पत्रिका के मुताबिक 'टेक इट ऑफ' केशा के डेब्यू म्यूजिक एल्बम 'एनिमल' का हिस्सा था, जिसे रिलीज के वक्त ही जबरदस्त सफलता मिली थी।

नुसरत की 'छोरी-3' का ऐलान...

मुंबई। अभिनेत्री नुसरत भरूचा इन दिनों फिल्म 'छोरी 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी यह फिल्म बीते 11 अप्रैल को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। फिल्म में नुसरत और सोहा अली खान की अदाकारी ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। 'छोरी 2' की सफलता के बीच अब फिल्म के निर्देशक विशाल फुरिया ने फिल्म की तीसरी किस्त का ऐलान कर दिया है। आइए जानें उन्होंने 'छोरी' के तीसरे भाग को लेकर क्या कहा। हाल ही में नुसरत और विशाल ने संवाद में शिरकत की, जहां निर्देशक ने बातों-बातों में तीसरी किस्त का ऐलान कर दिया। जब निर्देशक विशाल से 'छोरी 3' के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हां कोशिश है कि बनाएंगे। हर एक फिल्म का सीक्वल उसे मिले प्रतिक्रिया पर निर्भर करता है। दर्शकों को फिल्म काफी पसंद आई है।

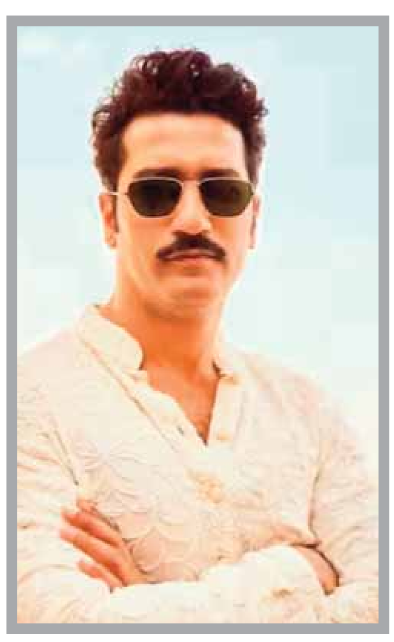

विक्की ने 'केसरी-2' में दी अपनी आवाज

मुंबई। अक्षय कुमार, आर माधवन और अनन्या पांडे जैसे सितारों की बेहतरीन अदाकारी से सजी फिल्म 'केसरीः चैप्टर 2' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म को समीक्षकों की तरफ से हरी झंडी मिली है, वहीं जलियांवाला बाग हत्याकांड पर आधारित इस फिल्म की कहानी दर्शकों को पसंद आ रही है। विक्की कौशल भी 'केसरी 2' की तारीफ में कसीदे पढ़ चुके हैं, लेकिन क्या आप है विक्की का अक्षय की इस फिल्म से बेहद खास कनेक्शन है। दरअसल, विक्की ने फिल्म 'केसरी 2' की शुरुआत में अपनी दमदार आवाज दी है। जैसे ही यह फिल्म शुरू होती है, पर्दा पर बड़ा-बड़ा विक्की का नाम लिखा आता है। वॉयसओवर करने के लिए निर्माताओं ने विक्की को धन्यवाद दिया है। बता दें कि 'केसरी 2' के निर्देशन की कमान करण सिंह त्यागी ने संभाली है।

टीवी मसाला

'अनुपमा' को पीछे छोड़ उड़ने की आशा शो बना नंबर वन...

नई दिल्ली। इन दिनों फिल्मों से ज्यादा लोगों के बीच टीवी शोज का क्रेज देखने को मिल रहा है। कई शोज ऐसे हैं, जो लंबे समय से टीवी पर आ रहे हैं, लेकिन आज भी फैंस के बीच इन शोज का क्रेज खत्म नहीं हुआ है। हर हफ्ते जारी हुई टीवी की टीआरपी लिस्ट से ही ये बात साफ हो पाती है कि इन सभी शोज में आखिर कौन-कौन से वो टॉप शोज हैं जो दर्शकों का सबसे ज्यादा मनोरंजन कर रहा है। इसी बीच इस हफ्ते की टीआरपी भी सामने आ गई है।

ये हैं टॉप 4 शोज

टॉप 4 में जिन शोज ने अपनी जगह बनाई है उसका नाम है 'अनुपमा' 'ये रिश्ता क्या कहलाता' है और 'मंगल लक्ष्मी-लक्ष्मी का सफर' है। टॉप 4 कि लिस्ट में अनुपमा का नाम देखकर आप जरूर चौंक गए होंगे। लेकिन ये सच है कि इस बार भी अनुपमा नंबर वन पर अपनी स्थान हासिल करने से चूक गईं। बता दें कि 'अनुपमा' इस हफ्ते टीआरपी की लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। वहीं तीसरे स्थान पर कलर्स का शो मंगललक्ष्मीः लक्ष्मी का सफर दिख रहा है। वहीं 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' इस हफ्ते चौथे नंबर पर है. जबकि 'मंगल लक्ष्मी' को इस लिस्ट में 5वां स्थान मिला है।

टॉप पर है ये शो

अब बात करते हैं टीआरपी लिस्ट के टॉप शो कि तो उसका नाम अगर हम ना भी बताए तो हमारी लिस्ट देखकर आप जरूर समझ गए होंगे कि इस हफ्ते का बीजागर कौन सा शो है। जी हां, 'उड़ने की आशा' है वो शो जिसने अनुपमा से नंबर वन का ताज एक बार फिर से छीन लिया है। टीवी के दर्शक इन दिनों इस सीरियल के दीवाने बने हुए हैं।. इस शो को 2.0 रेटिंग मिली है, जिसकी वजह से यह सीरियल टॉप पर है।

इन शोज ने बनाई टॉप-10 में अपनी जगह

सबसे पहले आपको उन शोज के बारे में बताते हैं, जिसने टीआरपी की लिस्ट में टॉप 10 में अपनी जगह बनाई है। इस लिस्ट में 'झनक' से लेकर 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' तक के नाम शामिल है। अगर सातवें पायदान की बात करें तो इस पर 'एडवोकेट अंजली अवस्थी' टिका हुआ है। वहीं कृषाल आहूजा और हिबा नवाब की 'झनक' लिस्ट में इस हफ्ते 8वें स्थान पर है। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' ने इस लिस्ट में 9वें नंबर पर अपनी जगह बनाई है। इसी के साथ टीआरपी लिस्ट में दसवें नंबर पर कलर्स का शो मन्नत है।

भारत में पहली बार ऐसा रियलिटी शो जिसके विजेता को मिलेगा अंतरिक्ष में जाने का मौका

नई दिल्ली। जब भी भारत में सबसे चर्चित और लोकप्रिय रियलिटी शो की बात होती है तो 'बिग बॉस' का नाम जहन में जरूर आता है। भले ही यह शो विवादों से घिरा रहता हो, लेकिन इसकी लोकप्रियता जबरदस्त है। अब भारत में एक ऐसा रियलिटी शो आने वाला है, जो इससे पहले कभी नहीं बना। इस शो का नाम 'रेस टू स्पेस' है। इस शो के विजेता को मुफ्त में अंतरिक्ष में जाने का मौका मिलेगा।

प्रतियोगियों को दिया जाएगा 2 दिन का प्रशिक्षण

यह शो भारत तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके संस्करण नाइजीरिया और छोटे द्वीपीय विकासशील राज्यों सहित अन्य भागीदार देशों में चलाए जाएंगे। 11 मिनट की अंतरिक्ष उड़ान के लिए कुछ प्रतियोगियों का चयन किया जाएगा। शो में हिस्सा लेने वाले प्रतियोगियों को 2 दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्हें नामांकन राशि के रूप में लगभग 250 रुपये का भुगतान करना होगा। इसमें भाग लेने वाले हर प्रतियोगी के लिए अनिवार्य है कि वह सीढ़ियां चढ़ने में समर्थ हो।

क्या है शो का मकसद?

निर्माता फर्म बनिजय एशिया और अंतरिक्ष अन्वेषण और अनुसंधान एजेंसी मिलकर यह रियलिटी शो बना रहे हैं। यह एक प्रतिभा-केंद्रित शो है, जहां एक आम आदमी राकेश शर्मा जैसा बन सकता है। बता दें कि राकेश अंतरिक्ष में जाने वाले 128वें इंसान थे और पहले भारतीय थे। अंतरिक्ष में उन्होंने 7 दिन 21 घंटे और 40 मिनट बिताए थे। गौरतलब है कि शो के भारतीय संस्करण के प्रसारण की तारीख अभी तय नहीं हुई है।

मुकेश अंबानी का वो 592 करोड़ वाला शाहीमहल! जहां जेम्स बॉन्ड की भी शूटिंग हुई और क्वीन एलिज़ाबेथ भी रहीं

बकिंघमशायर। मुकेश अंबानी ने ब्रिटेन के बकिंघमशायर में मौजूद स्टोक पार्क नाम की प्रॉपर्टी को 2021 में खरीदा। इसकी कीमत 57 मिलियन पाउंड यानी लगभग 592 करोड़ रुपये बताई गई। 300 एकड़ में फैली ये जगह अब रिलायंस इंडस्ट्रीज की इंटरनेशनल लग्ज़री इनवेस्टमेंट का हिस्सा है। इसमें 49 सुपर-लक्ज़री रूम, 13 टेनिस कोर्ट, एक गोल्फ कोर्स, स्पा, फिटनेस क्लब और प्राइवेट डाइनिंग एरिया भी शामिल है।

***जेम्स बॉन्ड की दो हिट फिल्मों की शूटिंग और रानी एलिजाबेथ का ठिकाना*:** स्टोक पार्क सिर्फ दिखने में शानदार नहीं है, इसका इतिहास भी कम दिलचस्प नहीं। 16वीं सदी में इसे ब्रिटिश रॉयल फैमिली यूज़ करती थी। क्वीन एलिज़ाबेथ I ने इसे अपने रहने की जगह बनाया था। इसके बाद ये एरिया ब्रिटेन का पहला प्राइवेट कंट्री क्लब बना। सबसे खास बात – यहीं 'जेम्स बॉन्ड' की दो हिट फिल्मों 'गोल्ड फिंगर' और 'टुमारो नेवर डाइस' की शूटिंग हुई थी। इसके अलावा नेटफ्लिक्स की सीरीज 'द क्राउन' के कुछ सीन भी यहीं शूट हुए।

***आम लोगों के लिए खोलने की योजना नहीं*:** ये जगह अब रिलायंस का इंटरनेशनल इवेंट और हॉस्पिटैलिटी हब बन रही है। इसमें ओबेरॉय ग्रुप की मदद से अंबानी फैमिली इसे एक सुपर-लक्ज़री रिसॉर्ट के तौर पर डेवलप कर रही है। हालांकि इस जगह को आम लोगों के लिए खोलने की कोई पुष्टि नहीं हुई, लेकिन बिज़नेस टूरिज़्म को टारगेट करने की तैयारी ज़रूर है।

ऐसा क्यों है ये इनवेस्टमेंट खास?

मुकेश अंबानी का ये इनवेस्टमेंट दिखाता है कि भारतीय कारोबारी अब सिर्फ इंडिया में नहीं, इंटरनेशनल लग्ज़री रियल एस्टेट में भी आगे बढ़ रहे हैं। स्टोक पार्क ना सिर्फ एक लग्ज़री प्रॉपर्टी है, बल्कि इसका कल्चरल और फिल्मी कनेक्शन इसे और खास बना देता है। अंबानी फैमिली की ये सोच बिज़नेस के साथ-साथ ब्रांडिंग और इंटरनेशनल प्रेज़ेंस को भी मज़बूत करती है।

'लॉगआउट' रिव्यूः कहानी और सस्पेंस शानदार, बाबिल खान ने फूंक दी फिल्म में जान

मुंबई। *दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान की फिल्म 'लॉगआउट' बिना किसी शोर-शराबे के ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हो गई है। 'खो गए हम कहां' और 'कंट्रोल' जैसी फिल्मों के बाद अब बाबिल कुछ-कुछ वैसी ही कहानी लेकर आए हैं, जो डिजिटल दुनिया की भयावह सच्चाई सामने लाती है। पिछली बार यशराज फिल्म्स की वेब सीरीज 'द रेलवे मैन' से दिल जीत चुके बाबिल की ये फिल्म कैसी है, जानने के लिए पढ़िए फिल्म का ये रिव्यू।*

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की कहानी

कहानी है 26 साल के लड़के प्रत्यूष दुआ की, जो एक मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर है। उसके 1 करोड़ फॉलोअर्स होने वाले हैं। सुबह आंख खुलती नहीं कि प्रत्यूष का हाथ सबसे पहले उसके फोन पर जाता है। मस्त जिंदगी चल रही है। फोलोअर्स उसके लिए पागल हुए जा रहे हैं, लेकिन इसी बीच उसका फोन गायब हो जता है और उसका सबकुछ दांव पर लग जाता है। अब प्रत्यूष क्या करेगा, ये जानने के लिए आपको फिल्म देखनी होगी।

बाबिल की अदाकारी की करामात

बाबिल ने फिल्म में शानदार काम किया है। उन्होंने अपना किरदार इतनी शिद्दत से निभाया है कि 90 मिनट की फिल्म कब निकल जाती है, पता ही नहीं चलता। वह फिल्म में आरंभ से लेकर अंत तक छाए रहते हैं। बाबिल ने अपनी उम्दा अदाकारी से एक लंबी लकीर खींच दी है, जिसके बाद बेशक अब जमाने की नजर रहेगी कि आगे वो क्या करने वाले हैं। रसिका दुग्गल ने भी अपने हिस्से आए दृश्यों के साथ न्याय किया है।

निर्देशन और लेखन?

वेब सीरीज 'काला पानी' और 'मामला लीगल है' के निर्देशक रहे अमित गोलानी ने 'लॉगआउट' का निर्देशन किया है। उनका निर्देशन सधा हुआ है। कहीं भी कोई भी सीन खींचा हुआ नहीं लगता। अमित ने फिर एक प्रासंगिक विषय उठाया है और लेखक बिस्वपति सरकार का उन्हें पूरा साथ मिला है, जिन्होंने भले ही सहायक भूमिकाओं पर ध्यान नहीं दिया, लेकिन एक किरदार के सहारे पूरी फिल्म में दर्शकों को कैसे बांधे रखना है, ये कमाल वो जरूर कर गए।

प्रीति पहुंचीं तिरुमाला मंदिर भक्ति में दिखीं लीन...

तिरुमला। भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री प्रीति जिंटा आंध्र प्रदेश के तिरुमाला मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर का आशीर्वाद लिया। इस दौरान वह भक्ति में लीन नजर आईं। प्रीति का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें तिरुमाला मंदिर के अंदर प्रवेश करते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने पीले रंग का सूट पहना हुआ है और वह अपनी टीम के साथ मंदिर के अंदर जा रही हैं।

ये है प्रीति की आगामी फिल्म

काम के मोर्चे पर बात करें तो प्रीति को पिछली बार सनी देओल के साथ फिल्म 'भैयाजी सुपरहिट' में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह औंधे मुंह गिरी। अब प्रीति जल्द ही फिल्म 'लाहौर 1947' में नजर आएंगी, जिसके निर्देशन की कमान राजकुमार संतोषी ने संभाली है। इस फिल्म के हीरो सनी हैं। खास बात यह है कि आमिर खान इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं।

हाइब्रिड फंड्स हो सकते हैं निवेश के बढ़िया विकल्प

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

इस समय देश के इक्विटी मार्केट में भारी उतार-चढ़ाव का दौर काफी समय से जारी है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा शुरू किए गए टैरिफ वॉर ने इसे और हवा दे दी है। इस माहौल में कई निवेशकों को प्योर इक्विटी फंड्स में निवेश करना बहुत जोखिम भरा लगने लगा है। उनके मन में यह सवाल हो सकता है कि ऐसा कौन सा विकल्प है, जहां कम रिस्क में बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश हो सकती है? उनके इस सवाल का एक जवाब हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में भी मिल सकता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स के जरिये एक ही स्कीम में पैसे लगाकर इक्विटी, डेट और कई बार गोल्ड जैसे एसेट्स में भी निवेश किया जा सकता है। इस डायवर्सिफिकेशन की वजह से रिस्क और रिटर्न के बीच बेहतर बैलेंस बना रहता है। बाजार की गिरावट के दौरान डेट में किया गया निवेश सुरक्षा देता है और जब बाजार चढ़ता है तो इक्विटी से रिटर्न बढ़ते हैं। हाइब्रिड फंड्स भी कई अलग-अलग कैटेगरी में बंटे होते हैं, जिनमें निवेशक अपने निवेश के लक्ष्य, इनवेस्टमेंट होराइजन और रिस्क लेने की क्षमता के आधार पर सही फंड का चुनाव कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड्स की प्रमुख कैटेगरी की खूबियों के साथ-साथ उनके टॉप फंड्स के पिछले 1 साल, 3 साल और 5 साल के रिटर्न की रेंज का जिक्र किया है, ताकि उनके बारे में निवेशकों को शुरुआती आइडिया मिल जाए।

टॉप 5 फंड्स का पिछला रिटर्न

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड : कम रिस्क में स्टेबल रिटर्न
अगर आप रिस्क से बचते हुए फिक्स्ड डिपॉजिट से थोड़ा बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स आपके लिए सही विकल्प हो सकते हैं। इनमें 75-90 फीसदी निवेश डेट इंस्ट्रूमेंट्स में होता है और केवल 10-25 फीसदी इक्विटी में लगाया जाता है। ऐसे फंड्स तीन साल या उससे अधिक समय के निवेश के लिए बेहतर रहते हैं।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में : 10.75 % से 11.45%
- 3 साल में : 10.22 % से 11.78 %
- 5 साल में :13.11% से 14.15%
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई

बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स इक्विटी और डेट का बेहतर संतुलन
जो निवेशक बेहतर रिटर्न के लिए थोड़ा बहुत रिस्क ले सकते हैं, उनके लिए बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स बेहतर विकल्प हैं. इनमें इक्विटी और डेट का हिस्सा लगभग 50:50 होता है। हालांकि फिलहाल इस कैटेगरी में स्कीम्स की संख्या सिर्फ 2 है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में :10.56% से 11.59%
- 3 साल में: कोई फंड नहीं
- 5 साल में: कोई फंड नहीं
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई से बहुत अधिक

डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड्स (बीएएफ): एक्टिव स्ट्रैटजी का फायदा : जो निवेशक बाजार की स्थिति के अनुसार अपने पोर्टफोलियो का संतुलन बदलते रहना चाहते हैं, उनके लिए डायनैमिक एसेट एलोकेशन या बैलेंस्ड एडवांटेज फंड बेहतर साबित हो सकते हैं। ये फंड बाजार की चाल के अनुसार इक्विटी और डेट में 0 से 100 प्रतिशत तक का संतुलन बनाते हैं। हालांकि इनमें जोखिम ज्यादा होता है, लेकिन लंबे समय में अच्छे रिटर्न की संभावना भी होती है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में 10.51% **to** 13.12%
- 3 साल में: 12.84% **to** 19.19%
- 5 साल में: 17.34% **to** 26.49%

रिस्क

लेवल : बहुत अधिक

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स: डायवर्सिफिकेशन पर जोर
अगर आप अपने निवेश को अलग-अलग एसेट क्लासेज जैसे इक्विटी, डेट और गोल्ड में बांटना चाहते हैं, तो मल्टी एसेट फंड बेहतरीन विकल्प हैं। इस कैटेगरी के फंड्स में तीनों एसेट में कम से कम 10% निवेश किया जाता है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

- बाजार में उथल-पुथल होने पर निवेशक घबरा जाते हैं
- प्योर इक्विटी फंड्स में पैसे लगाने से कतराने लगते हैं
- ऐसे समय में हाइब्रिड फंड्स अच्छा रिटर्न देने में सक्षम

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.74% **to** 16.38%
- 3 साल में: 14.31% **to** 18.11%
- 5 साल में: 18.99% **to** 31.87%
- रिस्क लेवल : अधिक से बहुत अधिक

इक्विटी सेविंग्स फंड्स: टैक्स सेविंग के साथ स्टेबल इनकम
टैक्स एफिशिएंट और स्टेबल रिटर्न चाहने वाले निवेशकों के लिए इक्विटी सेविंग्स फंड सही विकल्प हैं। इनमें इक्विटी, डेट और आर्बिट्राज का मिक्स होता है। इनमें कम से कम 3 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 9.54% **to** 11.59%
- 3 साल में: 11.01% **to** 11.96%
- 5 साल में: 14.56 % **to** 16.62%
- रिस्क लेवल : मॉडरेट से मॉडरेटली हाई

आर्बिट्राज फंड्स: शॉर्ट टर्म और टैक्स एफीशिएंट
अगर आप कुछ महीनों के लिए पैसे पार्क करना चाहते हैं और टैक्स भी कम देना चाहते हैं, तो आर्बिट्राज फंड सही विकल्प हो सकते हैं। इनमें रिस्क काफी कम होता है और रिटर्न भी एफडी जैसे हो सकते हैं। इनमें कुछ महीनों से लेकर 1 साल तक के लिए निवेश करना बेहतर माना जाता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 7.96% **to** 8.03%
- 3 साल में: 7.41% **to** 7.66%
- 5 साल में: 6.20% **to** 6.34%
- रिस्क लेवल : कम जोखिम

एग्रेसिव हाइब्रिड फंड : डेट के कुशन के साथ इक्विटी में निवेश
जो निवेशक पहली बार इक्विटी में निवेश शुरू करना चाहते हैं लेकिन सीधे प्योर इक्विटी फंड में जाने से घबराते हैं, उनके लिए एग्रेसिव हाइब्रिड फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं। इनका 65% से 80% तक निवेश इक्विटी में और बाकी डेट में होता है। इनमें रिस्क बाकी हाइब्रिड फंड्स के मुकाबले अधिक होता है, लेकिन बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश भी रहती है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.85% **to** 17.29%
- 3 साल में: 16.08% **to** 20.75%
- 5 साल में: 24.56% **to** 29.34%
- रिस्क लेवल : बहुत अधिक

अपने लिए चुनें सही हाइब्रिड फंड : बाजार की उथल-पुथल के बीच हाइब्रिड फंड्स आपके आर्थिक उद्देश्यों के मुताबिक लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट के लिए एक स्मार्ट ऑप्शन हो सकते हैं। हर कैटेगरी का रिस्क-रिटर्न प्रोफाइल अलग है, इसलिए फंड कैटेगरी को सावधानी के साथ चुनें।

क्या म्यूचुअल फंड में निवेश सबके लिए सही

- अगर आप भी एसआईपी के जरिये निवेश कर रहे हैं तो जान कुछ बातें
- म्यूचुअल फंड के 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह कहां लगा रहे पैसा
- उसका फंड मैनेजर कौन है, पूछेंगे तो सिर्फ यही बोलेंगे कि एसआईपी कर रहे

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

अक्सर सुनने में आता है कि सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआई) के जरिये निवेश करना सबसे बेहतर तरीका होता है। लेकिन ऐसा क्यों है। इस पर कोई विचार नहीं करता, जबकि निवेश करने से पहले पता होना चाहिए कि एसआईपी के जरिये निवेश क्यों सही है। यदि यह जानकारी आपको नहीं है तो नुकसान भी हो सकता है। निवेश करने के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस भी समय-समय पर जांचना भी जरूरी होता है। टीवी, रेडियो, ऑनलाइन और सोशल मीडिया के जरिये 'म्यूचुअल फंड सही है' का स्लोगन हम सभी ने जरूर सुना है। आए दिन कोई न कोई क्रिकेटर, बॉलीवुड स्टार या दूसरे फिल्ड के सेलिब्रिटी म्यूचुअल फंड का प्रचार करते दिख जाते हैं। म्यूचुअल फंड सही है। लेकिन, क्या वकई में म्यूचुअल फंड सभी के लिए बिल्कुल सही है? इसका जवाब है नहीं। म्यूचुअल फंड सभी के लिए सही नहीं है। अगर आपका लक्ष्य छोटा है या उम्र अधिक है तो म्यूचुअल फंड सही नहीं है। बाजार में मौजूदा गिरावट के बाद कई लोगों का म्यूचुअल फंड का रिटर्न 3 साल बाद भी निगेटिव हो गया है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि किसके लिए म्यूचुअल फंड सही हैं और किसके लिए नहीं।

एसआईपी के फायदे

- नियमित निवेश: एसआईपी आपको नियमित रूप से निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- रुपये कॉस्ट एवरेजिंग: एसआईपी आपको रुपये कॉस्ट एवरेजिंग का लाभ उठाने की अनुमति देता है, जिसमें आप बाजार की उतार-चढ़ाव के बावजूद नियमित रूप से निवेश करते हैं।
- निवेश अनुशासन: एसआईपी आपको निवेश अनुशासन बनाए रखने में मदद कर सकता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- लंबी अवधि के लिए निवेश: एसआईपी आपको लंबी अवधि के लिए निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

एसआईपी के प्रकार : म्यूचुअल फंड एसआईपी: म्यूचुअल फंड एसआईपी में आप नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। **स्टॉक एसआईपी:** स्टॉक एसआईपी में आप नियमित रूप से स्टॉक में निवेश करते हैं।

आंख मूंद कर निवेश नहीं करें

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह किस फंड में निवेश कर रहे हैं। उसका फंड मैनेजर कौन है? पूछेंगे तो बोलेंगे कि हम तो एसआईपी कर रहे हैं, जबकि एसआईपी एक जरिया है म्यूचुअल फंड में निवेश करने का। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले जानकारी जुटाएं। किसी की सलाह पर सुनी सुनाई बातों पर निवेश न कर दें। म्यूचुअल फंड में सही फंड का चुनाव करना बहुत जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर नुकसान उठाना होगा। सही फंड चुनने के लिए आपको बाजार को समझना होगा। निवेश के तरीकों और अपने लक्ष्य को देखना होगा। यह जानना जरूरी है कि हम निवेश क्यों और किस लिए कर रहे हैं। इसलिए निवेश करते समय एक बार पूरी जानकारी जुटाएं।

जोखिम लेने की क्षमता है तो ही निवेश करें

अगर आपमें जोखिम लेने की क्षमता है तो ही म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिय निवेश करें। म्यूचुअल फंड निवेश पर मार्केट रिस्क, लिक्विडिटी रिस्क, क्रेडिट रिस्क, जीडीपी ग्रोथ रिस्क आदि होता है। अगर आप जोखिम लेने की क्षमता रखते हैं तो ही निवेश करें। अन्यथा बैंक एफडी, पीपीएफ, आरडी या दूसरी फिक्स्ड इनकम इन्वेस्टमेंट स्कीम में निवेश करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आपको रिटर्न मिलता रहेगा। भले की कुछ कम क्यों न हो।

रिटर्न निवेश का पैमाना नहीं

लोग अक्सर सोचते हैं कि जो फंड अभी सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, वही उनके लिए सही रहेगा। लेकिन हर म्यूचुअल फंड स्कीम अलग होती है। अगर उस स्कीम का इंवेस्टमेंट ऑब्जेक्टिव और रिस्क प्रोफाइल आपकी जरूरतों से मेल नहीं खाता, तो वह फंड आपके लिए सही नहीं है। इसलिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है वरना आप झटका भी खा सकते हैं।

स्कीम को जरूर जांचें

यह जरूरी है कि आप फंड हाउस की इंवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी, फंड मैनेजर की योग्यता, और रिस्क मैनेजमेंट प्रोसेस को भी समझें। एक ही कैटेगरी में अलग-अलग स्कीम्स का प्रदर्शन अलग हो सकता है। कोई भी निवेश करने से पहले एक बार स्कीम को जरूर जांच लें। उसके प्रदर्शन पर नजर रखें और समीक्षा करते रहें।

निगरानी करना सीखें

सही स्कीम चुन लेना ही काफी नहीं। निवेश के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस समय-समय पर जांचना भी जरूरी है। समय-समय पर देखें कि क्या फंड आपके लक्ष्य के अनुसार चल रहा है? अगर नहीं तो उसमें बदलाव करें। अगर ये पांच काम आप कर सकते हैं तो ही म्यूचुअल फंड में निवेश करें। आप अपने पैसे को सुरक्षित भी रख पाएंगे और सही रिटर्न भी ले पाएंगे। अन्यथा आप फिक्स्ड इनकम प्रोडक्ट में निवेश करें।

पहला घर खरीदने के लिए करें फाइनेंशियल प्लानिंग

- कुछ टिप्स आपके आ सकते हैं काफी काम
- एक बड़ा डाउन पेमेंट दे सकता है राहत
- लोन की राशि और ब्याज के बोझ को कर सकता है कम
- संपत्ति के मूल्य का 20-30% बचाने का टारगेट रखें

अगर आप भी अपना पहला घर खरीदने जा रहे हैं तो कुछ बातों को पल्ले बांध लें। इससे आपको घर खरीदने में आसानी रहेगे और लोन की किस्तें भी समय पर चुका पाएंगे। बस आपको कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा। इसके बाद अपना मकान बनाने में कोई परेशानी नहीं होगी। अक्सर देखने में आता है कि जब आप पढ़ाई करते हैं फिर अपना करियर शुरू करते हैं तो इसके बाद एक घर खरीदने के सपने को पंख लगने शुरू हो जाते हैं। ज्यादातर लोगों की ख्वाहिश होती है कि एक घर अपना हो। इसके लिए आपको काफी तैयारी करनी होती है। प्लानिंग करनी होती है। तब जाकर आप अपना घर खरीद पाते हैं। अगर आप अपना पहला घर खरीदने की सोच रहे हैं तो आपको इसके लिए पहले से कुछ तैयारियां करनी चाहिए, ताकि आगे आपके लिए किसी तरह की परेशानी न आए। इसके लिए आपको कुछ खास बातों पर गौर करना चाहिए। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी देंगे जो आपके काफी काम आएंगी।

पहले होमवर्क करना जरूरी

घर खरीदने से पहले आपको कुछ होमवर्क करना होगा। इससे आपके कई काम आसान हो जाएंगे। सबसे पहले यह तय करें कि जो मकान खरीदने जा रहे हैं वह अप्रूव्ड है या नहीं। इसके बाद उसके सभी कागज एक बार जरूर चेक करें और किसी जानकार से भी जांच करवा लें, ताकि आपके साथ कोई धोखाधड़ी न हो सके। असली मालिक कौन है। प्रॉपर्टी कौन सी जगह है। बिल्डर सही है या नहीं आद। इसके बाद आप अपने सपनों का घर आसानी से खरीद सकेंगे।

अपनी वित्तीय क्षमता को समझें

पहला घर खरीदने के फैसले से पहले आपको अपनी वित्तीय क्षमता और अपनी वित्तीय सेहत का आकलन करना चाहिए। अपनी इनकम, खर्च और बचत तय करें। यह कैलकुलेट करें कि आप मासिक किस्त (ईएमआई) के लिए कितना फंड आराम से अलॉट कर सकते हैं। टाटा हाउसिंग के मुताबिक, सामान्य नियम यह है कि आपकी ईएमआई आपकी शुद्ध इनकम के 30% से अधिक नहीं होनी चाहिए। इससे ज्यादा होगी तो आपको बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने फंड का एक बार आकलन जरूर कर लें।

तैयारी

बिजनेस डेस्क

डाउनपेमेंट के लिए बचत करें

घर खरीदते समय जितना संभव हो सके डाउनपेमेंट कर देना चाहिए और बाकी अमाउंट के लिए होम लोन लेना चाहिए। डाउन पेमेंट के लिए बचत करें। एक बड़ा डाउन पेमेंट आपके लोन की राशि और ब्याज के बोझ को काफी कम कर सकता है। संपत्ति के मूल्य का कम से कम 20-30% बचाने का टारगेट रखें। इस फंड को बनाने के लिए रेकरिंग डिपोजिट या सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) जैसे ऑप्शन पर विचार कर सकते हैं।

होम लोन विकल्पों को तलाशें

अगर आपको पहला घर खरीदने के लिए डाउनपेमेंट की रकम के अलावा होम लोन लेने की जरूरत हो तो अलग-अलग बैंकों या उधारदाताओं पर शोध करें, और ब्याज दरों, अवधि विकल्पों और छिपे हुए शुल्कों की तुलना जरूर करें। प्रधान मंत्री आवास योजना जैसी सरकार समर्थित योजनाएं अतिरिक्त लाभ प्रदान कर सकती हैं।

छिपे हुए खर्च का जरूर रखें ध्यान

घर खरीदने में कई बार ऐसे खर्च आपके सामने आ सकते हैं जिसके बारे में आपको शायद पहले से पता न हो। इस वजह से छिपी हुई लागतों को ध्यान में रखें। पहली बार घर या प्रॉपर्टी की लागत और संपत्ति खरीदने के लिए किसी भी लोन के अलावा, कई खर्चे सामने आएंगे जैसे स्टाम्प ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन शुल्क, प्रॉपर्टी टैक्स और मेंटेनेंस कॉस्ट आवश्यक विचार हैं। इनके लिए बजट बनाना वित्तीय आश्चर्यों से बचाएगा।

जल्दबाजी न करें

हर इंसान चाहता है कि वह खुद के घर में रहें। खुद का घर खरीदना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही बड़ी बात होती है। कई लोग ऐसे होते हैं, जो बैंक से होम लोन लेकर घर खरीदते हैं, तो कुछ लोग अपनी जिंदगीभर की कमाई को लगाकर घर खरीदते हैं। ऐसे में घर को खरीदते समय कभी भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। घर खरीदते समय ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको अच्छे से जान लेना चाहिए। आपको अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग काफी ध्यान से करनी चाहिए। फाइनेंस के अलावा भी ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको ध्यान रखना चाहिए।

बचत फैक्टर फंडों का एयूएम 14,000 करोड़ से बढ़कर 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ से अधिक हुआ, लोगों को खूब भा रहा

गुणवत्ता कारक निवेश : आधारभूत निवेश करने का एक अनुशासित तरीका, देश में अब इसके प्रति लगातार बढ़ता जा रहा है रुझान

जानकारी

प्रतीक ओसवाल

भारत में कारक-आधारित निवेश के प्रति रुझान बढ़ा है, क्योंकि निवेशक विभिन्न बाजार चक्रों के दौरान लाभ प्राप्त करने के लिए व्यवस्थित रणनीतियों की तलाश करते हैं। यह रणनीति पैसिव और ऐक्टिव निवेश के बीच के अंतर को पाटने का काम करती है, क्योंकि यह दोनों तरीकों में से सबसे उपयुक्त बातों को मिलाकर बनती है। पारंपरिक निवेश रणनीति, जो बाज़ार के उतार-चढ़ावों से प्रभावित हो सकती है, से अलग कारक आधारित निवेश अनुकूल विशेषताओं वाले शेयरों को पहचानने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण देती है। भारत में फैक्टर फंडों का एयूएम पिछले वर्ष में दोगुने से अधिक हो गया है, जो एक वर्ष पहले के14,000 करोड़ रुपये की तुलना में 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। विभिन्न कारक रणनीतियों में से, गुणवत्ता कारक निवेश पर अक्सर उस अवधि के दौरान विचार किया जाता है जब मूल्यांकन अपने चरम पर होता है, विकास के अवसर कम हो जाते हैं, और निवेशक मजबूत बुनियादी बातों वाली कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करके स्थिरता की तलाश करते हैं। ऐसी अवधियों में गुणवत्ता कारक अस्थिर बाज़ार स्थितियों में कुछ हद तक लचीलापन और स्थिरता प्रदान करके निवेशकों को अनिश्चितता का प्रबंधन करने में मदद कर सकता है। स्थिरता और विकास को संतुलित करने की इसकी क्षमता के कारण बाज़ार में कम विश्वास होने पर यह एक पसंदीदा रणनीति बन जाती है।

क्या है गुणवत्ता कारक

गुणवत्ता कारक एक निवेश रणनीति है, जिसके अंतर्गत उन कम्पनियों को चुना जाता है, जिनकी बुनियादी बातें मज़बूत होती हैं। यह उन फर्मों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिनके पास लाभप्रदता, कुशल पूंजी उपयोग और वित्तीय स्थिरता का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। ये कंपनियां अक्सर कम अस्थिरता प्रदर्शित करती हैं, जिससे वे स्थिरता की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त बन जाती हैं।

यह एक विश्वसनीय रणनीति

गुणवत्तापूर्ण निवेश अस्थिर बाजारों में बने रहने के लिए एक विश्वसनीय रणनीति है, जिसमें मजबूत बुनियादी बातों, स्थिर आय और कुशल पूँजी आवंटन वाली कंपनियों पर जोर दिया जाता है। भारतीय और वैश्विक बाजारों में मौजूदा अनिश्चितता को देखते हुए, गुणवत्ता कारक निवेशकों को दीर्घकालिक विकास के अवसरों को प्राप्त करते हुए नकारात्मक जोखिमों से बचने का एक संरचित तरीका प्रदान करता है। जैसे-जैसे निवेश के रुझान बदलते हैं, वित्तीयऔर मौलिक रूप से मजबूत कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करने से निवेशकों को आर्थिक मंदी का सामना करने और भविष्य के बाजार सुधारों में भाग लेने में मदद मिल सकती है।

ये अनुपात बताए

- **इक्विटी पर रिटर्न (आरओई):** यह मापता है कि कंपनी शेयरधारकों की इक्विटी से कितने प्रभावी ढंग से लाभ कमाती है।
- **ऋण-से-इक्विटी अनुपात :** यह अनुपात वित्तीय उत्तोलन और कंपनी द्वारा अपने ऋण को जिम्मेदारी सेप्रबंधित करने की क्षमता का आकलन करता है।
- **आय स्थिरता :** यह अनुपात समय के साथ कंपनी की आय की स्थिरता का मूल्यांकन करता है।
- **उपार्जन अनुपात :** यह नकदी प्रवाह प्रबंधन का विश्लेषण करके आय की गुणवत्ता निर्धारित करता है।
- इन कारकों पर ध्यान केंद्रित करके, गुणवत्तापूर्ण निवेश यह सुनिश्चित करता है कि पोर्टफोलियो में चयनित कंपनियों के पास टिकाऊ व्यवसाय मॉडल हों और वे वित्तीय संकट से कम प्रभावित हों।

सबसे लंबा बुल रन

बीएसई क्वालिटी इंडेक्स ने पांच सालों में 22% का वार्षिक प्रतिफल दिया, जो इसके मूल सूचकांक, बीएसई लार्ज मिडकैप से 4.01% बेहतर प्रदर्शन है। 2020 के दौरान, जब बाजार दूसरी छमाही में रिकवरी की राह पर था, इसने मजबूती से प्रदर्शन किया और 26% का प्रतिफल दिया। लंबी अवधि में भी, गुणवत्ता सूचकांक ने पिछले 19 कैलेंडर वर्षों में 72% मामलों में अपने मूल सूचकांक से बेहतर प्रदर्शन किया है, जो इसकी निरंतरता को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि गुणवत्ता सिर्फ़ एक कारक नहीं है, बल्कि यह दीर्घकालिक बेहतर प्रदर्शन की तलाश के लिए एक संरचित दृष्टिकोण भी हो सकता है।

क्वालिटी फैक्टर विश्वसनीय विकल्प

मजबूत वित्तीय मेट्रिक्स वाली कंपनियां आम तौर पर चुनौतीपूर्ण आर्थिक स्थितियों से निपटने और व्यापक बाजार के स्थिर होने पर तेज़ी से उबरने के लिए बेहतर तरीके से सुसज्जित होती हैं। अनिश्चित समय या शुरुआती रिकवरी चरणों के दौरान, निवेशक अक्सर सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड वाली वित्तीय रूप से स्थिर कंपनियों की ओर आकर्षित होते हैं। गुणवत्ता कारक मंदी और बाजार की रिकवरी के दौरान बाज़ार में बने रहनेके लिए विशेष रूप से प्रभावी होता है। मंदी के दौर में, इसने औसतन सिर्फ़ -27% की गिरावट का अनुभव किया, जो कम अस्थिरता कारक से थोड़ा कम है, जिसे अपनी प्रकृति के अनुसारकम गिरावट का अनुभव करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि रिकवरी चरण के दौरान, क्वालिटी फैक्टर ने 41% का संचयी वार्षिक रिटर्न दिया, जो मूल्यांकन कारक फैक्टर के बाद दूसरे स्थान पर है। यह स्थिरता इसे विभिन्न बाजार चक्रों में संतुलित प्रदर्शन की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बना सकती है।

निष्क्रिय गुणवत्ता कारक निवेश क्यों अहम

1. मानवीय पूर्वाग्रहों को दूर करता है - गुणवत्ता कारक में पैसिव निवेश मात्रात्मक डेटा पर निर्भर करता है, जो भावनात्मक निर्णय लेने से बचाता है।
2. व्यवस्थित और पारदर्शी - एक नियम-आधारित दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि इसमें केवल वित्तीय रूप से मजबूत कंपनियों को ही शामिल किया जाए।
3. बेहतर जोखिम-समायोजित प्रतिफल प्रदान करता है - गुणवत्ता निवेश कम लागत के साथ स्थिरता, लचीलापन व टिकाऊ दीर्घकालिक विकास प्रदान करता है।

इक्विटी निवेश के लिए एक अनुशासित दृष्टिकोण की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए, निष्क्रिय गुणवत्ता कारक फंड सक्रिय स्टॉक चयन के लिए एक कुशल, कम लागत वाला विकल्प हो सकता है।

स्रोत: एनएसई; बीएसई; एसीईएमएफ; एमओएएमसी

(लेखक मोतीलाल ओसवाल एसेट मेनेजमेंट कंपनी लि. के बिजनस पैसिव फंड प्रमुख हैं)

(डिस्क्लेमर : म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन हैं, योजना से संबंधित सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें।)

वक्फ संशोधन कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा ममता सरकार पर सवाल खड़े करती है। पश्चिम बंगाल के सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार का संवैधानिक दायित्व है। दुर्भाग्य यह दिखा कि जब मुर्शिदाबाद दंगे की आग में जल रहा था, हिंदुओं को जान बचाने के लिए मालदा भागना पड़ रहा था, उस दौरान खुद ममता बनर्जी भाजपा व केंद्रीय एजेंसियों पर साजिश के आरोप मढ़ने में व्यस्त थीं। संसद में पास वक्फ संशोधित कानून का आम गरीब हिंदुओं से क्या वास्ता है, जो मुस्लिमों के जुल्म के शिकार हो रहे हैं, हिंदू अपने राज्य में ही शरणार्थी बनने को क्यों मजबूर हो रहे हैं। आखिर कौन लोग हैं जो हिंदुओं के घर जला रहे हैं, उनके खिलाफ हिंसा कर रहे हैं? और इन सबमें ममता सरकार कहां खड़ी है? नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। राज्यपाल सीवी आनंद बोस और राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्यों ने प्रभावित क्षेत्र का दौरान किया है, इसमें स्थिति चिंताजनक बताई है। क्या सत्ता, राजनीति व वोट बैंक की अंधी दौड़ में एक महिला मुख्यमंत्री ने अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी को भी ताक पर रख दी है? क्या ममता को सत्ता में बने रहने का नैतिक हक है? मुर्शिदाबाद प्रकरण के विश्लेषण पर केंद्रित आजकल का यह अंक...

नागरिकों की सुरक्षा ममता का दायित्व

विश्लेषण

रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

बंगाल में हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बीजेपी हमलावर है, वहीं राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर बंगाल सरकार सवालों के घेरे में हैं। इतना ही नहीं, हिंसा के पीछे बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता और स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। ये सवाल केवल प्रशासनिक चूक की ओर इशारा नहीं करते, बल्कि यह भी संकेत देते हैं कि केंद्र सरकार राज्य की भूमिका पर सीधे तौर पर उंगली उठा रही है। बड़ा सवाल ये कि मुर्शिदाबाद की हिंसा अचानक भड़की या राजनीतिक फायदे के लिए ये एक सोची समझी रणनीति है? बहरहाल, हिंसा का सबसे गंभीर प्रभाव स्थानीय हिंदू समुदाय पर पड़ा है।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा राज्य की राजनीति पर कई सवाल खड़े कर रही है। इस घटना में कई लोग घायल हुए हैं, जिनमें पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। बंगाल में हिंसा की बढ़ती घटना को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बीजेपी हमलावर है, वहीं राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर बंगाल सरकार सवालों के घेरे में हैं। इतना ही नहीं, हिंसा के पीछे बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता और स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। ये सवाल केवल प्रशासनिक चूक की ओर इशारा नहीं करते, बल्कि यह भी संकेत देते हैं कि पूरे मामले में राज्य की भूमिका दायित्व निभाने में विफल रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल ये कि मुर्शिदाबाद की हिंसा अचानक भड़की या राजनीतिक फायदे के लिए ये एक सोची समझी रणनीति है? बहरहाल, हिंसा का सबसे गंभीर प्रभाव स्थानीय हिंदू समुदाय पर पड़ा, जिन्हें जान बचाकर मालदा की ओर पलायन करना पड़ा। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या यह सीमा पार से योजनाबद्ध घुसपैठ और धर्म आधारित हमलों की नई श्रृंखला की शुरुआत है? या पश्चिम बंगाल में वोटबैंक के लिए राजनीतिक लड़ाई है?

विस चुनाव पर असर डालेगी हिंसा

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुर्शिदाबाद की हिंसा आने वाले विधानसभा चुनाव पर असर डाल सकती है। बीजेपी इसे 'कानून व्यवस्था' और 'संवैधानिक अधिकारों' का मुद्दा बनाकर जनता को लामबंद करने की कोशिश कर रही है, वहीं टीएमसी इसे बीजेपी की 'ध्रुवीकरण की साजिश' बता रही है। इन घटनाओं का असर बंगाल ही नहीं, बल्कि झारखंड, बिहार और असम जैसे पड़ोसी राज्यों की राजनीति पर भी पड़ सकता है। मुर्शिदाबाद की घटना केवल कानून व्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संतुलन, राजनीतिक जिम्मेदारी और संवैधानिक अधिकारों की भी परीक्षा है। प्रशासन ने हालात को काबू में बताया है, लेकिन स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है। अब यह देखना अहम होगा कि क्या यह मामला राजनीतिक हथियार बनकर रह जाएगा या इसे सुलझाने के लिए कोई ठोस कदम उठाया जाएगा।

मुस्लिम वोट बैंक को साधने की कोशिश

इस हिंसा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व पर सवाल खड़े कर दिए हैं क्योंकि देश के कई हिस्सों में वक्फ संशोधन के खिलाफ़ विरोध प्रदर्शन हुए हैं, लेकिन कहीं भी स्थिति मुर्शिदाबाद जितनी हिंसक नहीं हुई। हालांकि, ममता बनर्जी ने साफ कर दिया है कि राज्य में नया वक्फ कानून लागू नहीं किया जाएगा जिस पर पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष और बीजेपी नेता सुवेन्दु अधिकारी ने ममता सरकार पर आरोप लगाया कि बंगाल में 'हिंदू सुरक्षित नहीं हैं, स्थिति बहुत गंभीर, नाजुक है। राज्य में अगले साल मार्च-अप्रैल तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुस्लिम समुदाय को साधने के लिए मुस्लिम नेताओं के साथ बैठक कर वक्फ संपत्तियों की रक्षा करने का आश्वासन दिया और कहा कि जब तक ममता सरकार है राज्य में इस कानून को लागू नहीं होने देगी। दीदी का यह रुख उनके 30 फीसदी मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

राजनीतिक अवसर के रूप में देख रही बीजेपी

वहीं, बीजेपी राज्य में काफी ताकत लगा रही है। अगले साल होने वाले चुनाव को ध्यान में रखते हुए बीजेपी राज्य में ममता सरकार की खामियों को उजागर करने की कोशिश कर रही है। बीजेपी इस पूरे घटनाक्रम को एक राजनीतिक अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी को लगता है कि यदि हिंदू मतदाता इस घटना को लेकर एकजुट होते हैं, तो यह टीएमसी के लिए राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकता है। विशेषकर सीमावर्ती जिलों में जहां सुरक्षा और पहचान का मुद्दा संवेदनशील है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि इसे बीजेपी या टीएमसी कितना चुनावी लाभ में बदल पाती है। पश्चिम बंगाल की कुल आबादी में मुस्लिम समुदाय की अनुमानित भागीदारी 30 फीसदी है। ममता बनर्जी ने विधानसभा में कहा था कि सूबे में 33 फीसदी मुस्लिम हैं। मुस्लिमों का वोटिंग पैटर्न देखें तो इस वर्ग के बीच टीएमसी की पकड़ चुनाव दर चुनाव मजबूत हुई है। सेंटर फॉर स्टडीज ऑफ सोशल डेवलपमेंट (सीएसडीएस) के मुताबिक 2011 के चुनाव में 35 और 2014 के आम चुनाव में 40 फीसदी मुस्लिमों ने टीएमसी को वोट किया। 2016 के विधानसभा चुनाव में 55, आम चुनाव 2019 में 70 और 2021 के विधानसभा चुनाव में 75 फीसदी मुस्लिमों का समर्थन ममता बनर्जी की पार्टी को मिला था।

हिंदू वोटर्स के बीच कमजोर हुई टीएमसी

2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के मजबूत उभार का असर प बंगाल की सियासत पर भी पड़ा है। आंकड़ों पर गौर करें तो टीएमसी की पैठ मुस्लिम समुदाय के बीच मजबूत हुई है तो उसके हिंदू वोट में गिरावट आई है। बीजेपी हिंदू वोटबैंक में बड़ी सेंध लगाने में सफल रही है। सूबे के दो विधानसभा चुनावों के आंकड़े इसकी गवाही देते हैं। 2016 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी को 43 फीसदी हिंदू वोट मिले थे। पिछले विधानसभा चुनाव में तस्वीर उलट गई। 2021 के चुनाव में बीजेपी को हिंदू मतदाताओं में से 50 फीसदी का समर्थन मिला तो वहीं टीएमसी का समर्थन 43 फीसदी से घटकर 39 फीसदी पर आ गया। बहरहाल, मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के खिलाफ भड़की हिंसा ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। जहां एक ओर सरकार अल्पसंख्यक समुदाय को आश्वासन देने में लगी है, वहीं विपक्ष इसे कानून-व्यवस्था की विफलता और तुष्टीकरण की राजनीति के रूप में देख रहा है। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार और विपक्ष इस मुद्दे को कैसे संभालते हैं और राज्य में शांति और स्थिरता कैसे बहाल होती है। राज्य में शांति जरूरी है।

पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो

मुर्शिदाबाद

अर्चना कुमारी
स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर फैले तनाव ने राजनीतिक भूचाल ला दिया है। अर्धसैनिक बलों की तैनाती, हिंसा और पलायन की खबरों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। ऐतिहासिक रूप से संवेदनशील यह जिला अब वोट बैंक, प्रशासनिक विफलता और सांप्रदायिक संतुलन की सियासत का केंद्र बन गया है। केंद्र और राज्य सरकार के बीच अधिकार क्षेत्र की लड़ाई में तब्दील हो गया है। शांति के नाम पर की गई कार्रवाई अब राजनीतिक जमीन की खींचतान का अखाड़ा बन चुकी है। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह घटना तृणमूल कांग्रेस की सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। एक ओर वह मुस्लिम बहुल जिलों में अपनी पकड़ बनाए रखना चाहती है, वहीं दूसरी ओर हिंदू बहुल क्षेत्रों में बीजेपी के बढ़ते प्रभाव से भी जूझ रही है। ऐसे में एक धार्मिक समूह के भीतर से ही सरकार के खिलाफ प्रतिरोध की भावना उभर आना उसकी रणनीति के लिए खतरनाक संकेत है।

2021 के बंगाल चुनाव में मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी बीजेपी इस बार अधिक आक्रामक रणनीति के साथ उतरने के संकेत दे चुकी है। ऐसे में वक्फ कानून के खिलाफ मुर्शिदाबाद में भड़की हिंसा ने पश्चिम बंगाल की सियासी फिजां में और गर्माहट ला दी है। शिक्षक भर्ती घोटाला और बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर आक्रामक बीजेपी को मुर्शिदाबाद हिंसा ने ममता बनर्जी की सरकार को तुष्टिकरण को लेकर कठघरे में खड़ा करने का मौका दे दिया है। बीजेपी ने इस घटना को तुरन्त लपक कर एक 'कानून-व्यवस्था की विफलता' का उदाहरण बताया और उसकी राष्ट्रीय राजनीति में 'अराजक बंगाल' की छवि को पुष्ट किया। ममता बनर्जी वक्फ को एक मुद्दा बनाना चाहती हैं और तृणमूल कांग्रेस लोगों में संदेश देना चाहती है कि केवल ममता दीदी ही उनकी रक्षा कर सकती हैं। वहीं, बीजेपी ने इसे लेकर ममता बनर्जी पर हमला बोलना शुरू कर दिया है और 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण की कोशिश की जा रही है।

बंगाल में हिंदू आबादी घटी

2011 की जनगणना के अनुसार, पूरे देश में हिंदू आबादी में 0.7 फीसदी की गिरावट आई। पश्चिम बंगाल में हिंदू आबादी में 1.94 फीसदी गिरावट आई है। वहीं, मुस्लिम आबादी में 1.77 फीसदी की वृद्धि हो गई है, जो अच्छी खासी बढ़ोतरी है। ये आंकड़े 2011 की जनगणना के मुकाबले हैं। बंगाल में 2001 में मुस्लिम आबादी 25 फीसदी थी, जो 2011 में बढ़कर 27 फीसदी के पार जा चुकी थी। आज बंगाल की 9.5 करोड़ की आबादी में करीब 2.5 करोड़ मुसलमान हैं।

क्यों बना सियासी अखाड़ा

मुर्शिदाबाद की 70 फीसदी से अधिक आबादी मुस्लिम है और 30 प्रतिशत हिंदू जनसंख्या है। यह सांख्यिकी हर राजनीतिक दल के लिए रणनीति का अहम हिस्सा बन जाती है। वक्फ अधिनियम को लेकर उपजे विवाद में भी यह तथ्य केंद्र में है।

यह सिर्फ धार्मिक या सामाजिक विवाद नहीं, बल्कि एक बड़े वोट बैंक की लड़ाई भी बन चुकी है। शिक्षा में इस जिले की साक्षरता दर केवल 65 फीसदी है और महिलाओं की स्थिति और भी चिंताजनक है। राजनीतिक बहसें चाहे जितनी तीखी हों, लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दे यहां की जनता की असल चिंता हैं, जो अक्सर इन वाद-विवादों के शोर में दब जाते हैं। आज जब मुर्शिदाबाद की आबादी 90 लाख के करीब है। तो यह सवाल और भी अहम हो जाता है कि क्या यह जिला अपनी ऐतिहासिक विरासत को पुनः जागृत कर सकता है, या फिर यह लगातार सियासी प्रयोगशाला बना रहेगा? वक्फ विवाद ने एक बार फिर यह दिखाया कि विकास की राह तब तक साफ नहीं हो सकती जब तक प्रशासनिक इच्छाशक्ति और सामाजिक संवाद का संतुलन न बने। यह भी ध्यान देने योग्य है कि हिंसा की घटनाएं अक्सर उन इलाकों में केंद्रित होती हैं जहां आर्थिक हताशा और बेरोज़गारी अधिक होती है। मुर्शिदाबाद की अर्थव्यवस्था परंपरागत शिल्प, बुनकरी और कृषि पर आधारित है जो पिछले एक दशक से लगातार संकट में है। जब आजीविका के स्रोत क्षीण हो जाते हैं और शासन व्यवस्था अपने ही नागरिकों की आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील नहीं रहती तो आक्रोश के लिए कोई भी बहाना पर्याप्त हो सकता है। हिंसा का यह सामाजिक आधार, राजनीतिक उपेक्षा और सांस्कृतिक अस्थिरता तीनों एक साथ मिलकर एक विस्फोटक परिस्थिति तैयार करते हैं। खैर, मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर हर कोई चिंतित है। आम आदमी चाहता है कि शांति बनी रहे और जो लोग बेघर हो गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द मदद मिले। फिलहाल, स्थिति तनावपूर्ण है। पश्चिम बंगाल के सभी नागरिकों की सुरक्षा ममता बनर्जी सरकार की जिम्मेदारी है।

शासन शून्यता के शिकार हो रहे गरीब हिंदू

दो टूक

विकेश कुमार बडोला
वरिष्ठ स्तंभकार

यह प्रथम अवसर नहीं है जब तुच्छ राजनीतिक स्थापना के लिए मुस्लिमों को भड़काकर शासनगत सभ्यता को कुचला गया गया और राष्ट्रव्यापी अराजकतापूर्ण दुर्भावना का असुरक्षित वातावरण बनाया गया। इस बार यह अनुपयोगी खटकर्म पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद तथा समीपस्थ क्षेत्रों में हुआ। तथाकथित वक्फ संशोधन के विरोध में देश के अभाजपाई प्रदेशों में मुस्लिमों की आड़ में जो हिंसा, तोड़फोड़ और हिंदू विरोधी घटनाएं हुई हैं, मुर्शिदाबाद उन घटनाओं का केंद्र स्थल बन गया। यहां गरीब हिंदुओं के निवास-स्थानों पर भीड़ ने ईंट, पत्थर, पेट्रोल बम, अस्त्र-शस्त्रों से हमला किया। हिंदुओं के घरों को तोड़ा गया। कुछ हिंदुओं की वीभत्स तरीके से हत्या की। ऐसी अराजकता एक-दो दिनों तक ही सीमित नहीं रही थी। यह हफ्तों तक होती रही। प्रदेश शासन और मुख्यमंत्री ने इस पर दिखावटी रोष भी प्रकट नहीं किया। ऐसी शासन शून्यता एवं अराजकता के भयंकर वातावरण में मुख्यमंत्री जिह्वा सील कर अदृश्य होकर बैठी हुई थी।

मुख्यमंत्री ने हिंसा पर साधी चुप्पी

जब प्रदेश की मुख्यमंत्री ने ही ऐसी घटनाओं पर अप्रत्याशित चुप्पी साध ली तो फिर भला प्रांतीय मानवाधिकार संगठन, न्यायालय, मीडिया या अन्य हिंदू हितैषी इकाइयां क्या प्रतिरोध करतीं। हिंदू तो इस अराजक घटना में ही नहीं बल्कि विगत दो हजार वर्षों में उसके विरुद्ध हुई असंख्य अराजक घटनाओं में भी सत्ता या शासन का शक्तिशाली समर्थन कभी प्राप्त ही नहीं कर पाया। इसके बाद भी हिंदूजन धार्मिक रूप में स्वावलंबी नहीं बन सका है। वह अभी भी धर्म की भीरुता में जकड़ा हुआ है। वह अभी भी हिंदू धर्म की अस्त्र-शस्त्र युक्त जीवनशैली अपनाकर आत्मरक्षा हेतु कटिबद्ध नहीं हो पाया है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। हिंदुओं की सबसे बड़ी राजनीतिक प्रतिनिधि समझी जाने वाली भाजपा ने भी इस विषय पर हिंदू भावनाओं के अनुरूप राष्ट्रव्यापी या राज्यव्यापी विरोध नहीं किया। सर्वोच्च न्यायालय के मुस्लिम हितैषी अधिवक्ताओं एवं न्यायाधीशों की दशा-दिशा ये है कि वे हिंदू मंदिरों की समितियों में भी मुस्लिम सदस्य न होने के संबंध में चिंतातुर हैं। यहां दुःख इस बात का नहीं है कि हिंदू विरोधियों ने पलायन करने को विवश मुर्शिदाबाद के हिंदुओं का कुछ भी समर्थन नहीं किया। वे तो मुस्लिमों के वोट पर आश्रित हैं ही और इसीलिए मुस्लिमों द्वारा हिंदू दमन की पराकाष्ठा होने तक भी हिंदुओं का राजनीतिक समर्थन-संरक्षण नहीं करेंगे। बल्कि पीड़ा इस बात की है कि हिंदुओं के मताधिकारों द्वारा गत दस वर्षों से केंद्र की सत्ता में बैठी भाजपा ने 2019 में पूर्ण बहुमत के साथ सत्तारूढ़ होने के बाद भी वक्फ इत्यादि, हिंदुओं के लिए निरर्थक विषयों पर तब ही आरपार के राजनीतिक, संविधानिक निर्णय क्यों नहीं ले लिए। अब यदि वक्फ पर संशोधन के संसदीय निर्णय के बाद अभाजपायी प्रांत पश्चिम बंगाल में विरोध उमड़ रहा है अथवा भारत में बैठे व बांग्लादेश-पाकिस्तान के षड्यंत्रकारियों द्वारा मुर्शिदाबाद को इस सीमा तक अस्थिर किया जा रहा है कि हिंदू वहां से पलायन करने को विवश हैं, तो इसमें भाजपा के केंद्रीय शासन का शासकीय कर्तव्य, विरोध, प्रतिरोध और हिंदुओं के रक्षण-

संरक्षण की उनकी प्रतिक्रिया का क्या! अगस्त 2024 से लेकर अभी तक चाहे बांग्लादेश में तख्तापलट की समयावधि में वहां के हिंदुओं पर हुए मुस्लिमों के हमले हों अथवा वक्फ संशोधन के विरोध की आड़ में पश्चिम बंगाल स्थित मुर्शिदाबाद व समीपस्थ क्षेत्रों में हिंदुओं पर हुए अवैध घुसपैठियों के हमले, दोनों ही अवसरों पर केंद्र के भाजपा शासन ने हिंदुओं की भावनाओं का सम्मान नहीं किया।

अराजक गतिविधियां जारी

मुस्लिमों की धृष्टता अब किसी एक प्रांत तक सीमित नहीं रही। पाकिस्तान व बांग्लादेश स्थित भारत विरोधी आतंकियों के साथ मिलकर भाजपायी हो अथवा अभाजपायी दोनों ही प्रकार के शासन से युक्त भारतीय प्रांतों में रह-रह कर अराजक गतिविधियां होती रही हैं। चाहे 2019 में ट्रंप के भारत आगमन पर राजधानी दिल्ली में आप पार्टी के मुस्लिम विधायकों के नेतृत्व में हुआ दंगा हो अथवा हरियाणा स्थित नूंह-नल्लड़ में हिंदू शोभायात्रा पर हमला, हर बार हिंदुओं को ही पीड़ित होने के बाद भी न्याय के लिए तरसना पड़ता है। चाहे चैंपियन ट्राफी में मध्य प्रदेश में भारत की विजय पर हो रहे प्रसन्नता-प्रदर्शन में मुस्लिमों द्वारा हिंदुओं पर घात लगाकर किया गया आक्रमण हो अथवा छावा फिल्म के प्रदर्शन के उपरांत हिंदू भावना को प्राप्त धर्मबल को कुचलने के षड्यंत्र से नागपुर में हिंदू कॉलोनी में किया गया हमला हो, हर स्थान पर हिंदूजन ही पीड़ित, दमित और विचलित दिखाई देता है।

हिंदुओं के संरक्षण का अभाव

ऐसी परिस्थितियों में, हिंदुओं की धार्मिक आस्था के माध्यम से, चाहे राम मंदिर हो अथवा महाकुंभ का माहभर से अधिक चला मेला, दोनों उपक्रमों के आधार पर, राजस्व अर्जन कर रही केंद्र व राज्य सरकारें हिंदुओं का ही परिरक्षण, संरक्षण कर पाने में असमर्थ हैं तो क्यों! अभाजपायी प्रांतीय सत्ताओं से तो हिंदुओं को पहले भी कभी कोई आशा नहीं थी कि वे उनके लिए कुछ करेंगी, किंतु भाजपायी केंद्रीय व प्रांतीय शासकों को अब स्वयं में एक नवदृष्टि विकसित करनी होगी कि वे हिंदुओं की नागरिक सभ्यता, करदाता के रूप में उसके समर्पित दायित्व और सर्वोपरि जीने व जीवन के उसके मौलिक अधिकार की हर स्थिति में रक्षा-सुरक्षा करे। यदि भाजपा के नेतृत्व में ऐसा अभ्यास नहीं होता है, तो आगामी चुनावों में क्रुद्ध हिंदू के पास 'नोटा' के विकल्प के अतिरिक्त कोई अन्य मार्ग शेष नहीं होगा। इस बीच एक हतोत्साहित करने वाला समाचार देखा कि भारतीय क्रिकेट टीम बांग्लादेश में क्रिकेट खेलने जाएगी। बांग्लादेश के कारण गत सात-आठ माह से भारत के विभिन्न हितों की कितनी हानि हुई है! इस संदर्भ को सम्मुख रखकर यदि विचार किया जाए तो बांग्लादेश से तो हर प्रकार का संबंध विच्छेद कर उस पर सैन्य हमला कर देना चाहिए, किंतु दुर्भाग्य देखिए कि शासन को भारतीयता तथा हिंदू अस्मिता से अधिक प्रिय क्रिकेट का कारोबार दिखाई दे रहा है।

दुर्भाग्य इतने तक ही सीमित नहीं है। जब मुर्शिदाबाद में गरीब, असहाय और निरुपाय हिंदुओं पर प्राणघाती हमला हो रहा था और जीवनरक्षा के लिए वे पलायन कर रहे थे, तो महानगरीय भारतीय लोगों के लिए इससे महत्वपूर्ण आईपीएल के क्रिकेट मैच बने हुए थे। हिंदुओं की भावनाओं का भरपूर दोहन हो रहा है। कभी राम मंदिर बनवाकर तथा कभी महाकुंभ का आयोजन करके हिंदुओं की धार्मिक आस्था के बल पर अर्थव्यवस्था में वृद्धि करके तो अब भारतीय युवा पीढ़ी को एक माह तक आईपीएल में 3 करोड़ जीतने के लालच में झोंककर। इन सभी गतिविधियों में हिंदुओं के माध्यम से शासकीय धनार्जन हो रहा है, पर तरह-तरह की सहायिकी उनको दी जा रही है जो हिंदुओं के पूर्ण दमन का संकल्प उठाये हुए हैं। स्थिति सोचनीय है।

मुर्शिदाबाद हिंसा के कुछ अनुत्तरित सवाल

वक्फ विरोध

चेतनादित्य आलोक
वरिष्ठ पत्रकार, स्तंभकार एवं राजनीतिक विश्लेषक

पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त मुर्शिदाबाद के धुलियान कस्बे में वैसे तो वक्फ कानून का विरोध 08 अप्रैल से चल रहा था, लेकिन शुक्रवार 11 अप्रैल को जुमे की नमाज के बाद इलाके में माहौल अचानक तब बिगड़ गया, जब लगभग 150 लोगों ने मोहल्ले के निहत्थे और मासूम निवासियों पर जोरदार हमला कर दिया। जब 51 साल की बेबस और लाचार महिला जानकी मंडल ने फूट-फूट कर रोते हुए अपनी आंखों के सामने घटी घटना का टीवी पर वर्णन किया तो सचमुच बहुत दुःख हुआ। वह बता रही थीं कि बेकाबू भीड़ ने हिंदुओं के घरों और दुकानों में आग लगा दी। पुरुषों को मारा-पीटा और सबकी आंखों के सामने ही उनकी बेटी-बहुओं और माताओं का मान लूटने की कोशिश की।

अपने ही देश में शरणार्थी बने

उग्र भीड़ में शामिल आततताइयों ने मोहल्ले वालों को धमकी दी कि भाग जाओ, वरना मारे जाओगे और लाचार मोहल्ले वाले चुपचाप यह सब देखते-सुनते रहे। फिलहाल, अपने ही देश में मालदा के वैष्णव नगर स्थित एक स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहीं जानकी मंडल ने यह भी बताया कि कैसे वह अपनी इज्जत और जान बचाकर बच्चों के साथ वहां से भागी थीं। बता दें कि यह पीड़ा केवल जानकी मंडल की नहीं, बल्कि वैष्णव नगर के स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहे लगभग चार दर्जन हिंदू परिवारों की भी है, लेकिन ऐसा सोचना मूर्खता होगी कि मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के सबसे अधिक पीड़ित और दुखी धुलियान कस्बे के लोग ही हैं। और ऐसा सोचने की भूल तो कदापि नहीं करनी चाहिए कि इस भयावह पीड़ा और संत्रास वाली निर्मम घटनाओं की चौहद्दी धुलियान कस्बे तक ही सीमित है, बल्कि सच तो यह है कि मुर्शिदाबाद के विभिन्न इलाकों से आने वाली इस पीड़ा और संत्रास की चीखें दूर-दूर तक किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए हृदय विदारक रही हैं। जाहिर है कि दुःख-दर्द, निराशा, हताशा, बेबसी, लाचारी और आक्रोश से भरी बिल्कुल धुलियान के लोगों जैसी ही कहानियां कई अन्य इलाकों की भी है। टीवी चैनलों की भीड़ में एक चैनल पर शमशेरगंज इलाके के प्रसेनजीत दास ने भी रोते-कलपते हुए अपनी आपबीती तथा आंखों देखी घटनाएं बताई। गौरतलब है कि मुर्शिदाबाद हिंसा के मृतकों में से दो लोग प्रसेनजीत दास के परिवार से ही थे। मृतकों में एक उनका चचेरा भाई हरगोविंद दास और दूसरा भतीजा चंदन था। प्रसेनजीत के अनुसार 10 अप्रैल की रात में लगभग 400 लोगों की भीड़ तलवार और छुरियां लहराते हुए मोहल्ले में घुसी। भीड़ में शामिल आततताइयों ने 25 से 30 घरों, होटलों, दुकानों आदि में तोड़-फोड़ की और उन्हें आग के हवाले कर दिया। आंखों में भय भरकर प्रसेनजीत ने बताया कि भीड़ बहुत उग्र थी, इसलिए हमलोग उनसे भिड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाए और जो कुछ वे करते रहे हमलोग चुपचाप देखते रहे। उक्त घटना के संबंध में एक अन्य बेहद खौफजदा व्यक्ति ने बताया कि भीड़ की उग्रता और आतंक इतना था कि कोई कुछ भी करने में असमर्थ महसूस कर रहा था। इसलिए सभी अपनी-अपनी जान बचाकर भागने में ही

लगे रहे। जाहिर है कि ये सभी आपबीती तथा आंखो देखी पीड़ा-व्यथाएं बिल्कुल सच्ची हैं। इनके अलावा, एक और सच, जिसे अब पूरी दुनिया जान और समझ चुकी है, वह यह कि इतनी बड़ी घटना घट जाने के बाद भी बंगाल सरकार की मुखिया ममता बनर्जी की 'ममता' अब तक नहीं जाग पाई है। जरा सोचिए, कि बंगाल के मुर्शिदाबाद के सुती, धुलियान, शमशेरगंज और जंगीपुर इलाकों में हुई हिंसा में कम से कम 03 लोगों की जान चली गई, 15 पुलिसकर्मी घायल हुए और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। हालांकि, इस मामले में अब तक 300 से भी ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए हैं। वहीं, कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के बाद हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 1600 जवान भी तैनात किए जा चुके हैं।

बीएसएफ व सीआरपीएफ तैनात

हिंसा प्रभावित शमशेरगंज के एक निवासी हबीबउर रहमान ने न्यूज एजेंसी को बताया कि बीएसएफ और सीआरपीएफ की तैनाती के बाद इलाके में माहौल शांत है। वैसे, खबरें यह भी आ रही हैं कि प्रशासन ने लोगों से दुकानें खोलने और अनुशासन बनाए रखने की बात कही है। वहीं, पीड़ित हिंदू परिवारों ने बीएसएफ की स्थायी तैनाती की मांग की है।

चुनावी रणनीति में बिजी ममता

उनके भीतर उस उग्र भीड़ का ऐसा खौफ समाया है कि उन्हें लगता है कि यदि बीएसएफ हटी तो फिर से स्थितियां खराब हो सकती हैं। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा प्रतीत होता है कि ममता बनर्जी मृतकों और घायलों से मिलने व उनके आंसू पोंछने के बजाए लगभग एक वर्ष के बाद होने वाले बंगाल चुनाव की गोटियां बिछाने में लगी हैं। जाहिर है कि यदि ऐसा नहीं होता तो वह कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम पहुंचकर इमामों से मिलने के बजाए मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के पीड़ित-प्रताड़ित, खौफजदा, बेबस और लाचार भुक्तभोगी परिवारों से मिलने, उनको मदद पहुंचाने और उनका दुःख-दर्द बांटने जातीं। यदि यह भी मान लें कि उनकी कोई राजनीतिक मजबूरी रही होगी, तो कम-से-कम पीड़ितों को सांत्वना देने के लिए वह अपना एक प्रतिनिधि ही भेज देतीं, लेकिन अब तक उन्होंने ऐसा भी नहीं किया है। हां, मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा उन्होंने अवश्य की है। बहरहाल, उक्त घटना के गर्भ से कुछ बेहद गंभीर सवाल उठे हैं, जो सरकारों और सुरक्षा एजेंसियों को कठघरे में खड़े करने की ताकत रखते हैं। जरा सोचिए, कि कहां तो हम बांग्लादेश के हिंदुओं की चिंता करते नहीं अघाते थे, लेकिन हम तो अपने ही घर बंगाल के हिंदुओं की रक्षा कर पाने में असमर्थ साबित होने लगे हैं। और तो और, अब जांच एजेंसियां बता रही हैं कि मुर्शिदाबाद हिंसा की योजना तुर्की में बनाई गई थी, जिसे बांग्लादेश के रास्ते बंगाल तक पहुंचाया गया।

खुफिया एजेंसियों पर सवाल

इसके लिए बाकायदा 2 महीने पहले ही ट्रेनिंग दी गई थी, जिसमें पुलिस से बचकर दंगा भड़काने और स्थानीय मदरसों से मदद लेने की भी बातें शामिल हैं। इस पर दो बेहद गंभीर सवाल बनते हैं। पहला, हालात ये हैं कि बांगलादेश में हिंदू प्रताड़ित हो रहे हैं और यूनुस सरकार चुप बैठी है। इधर, हिंदू पश्चिम बंगाल में भी सुरक्षित नहीं हैं। ममता सरकार अपना संवैधानिक दायित्व नहीं निभा रही है। दूसरा सवाल, यह कि राज्य और केंद्र की हमारी सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां क्या कर रही थीं कि तुर्की में बनी और बांग्लादेश के रास्ते मुर्शिदाबाद तक पहुंची योजना को हम विफल नहीं कर पाए। जब हिंसा के दौरान बांग्लादेश से भारत में 71-150 कॉल किए गए, तब हमने उन्हें इंटरसेप्ट क्यों नहीं किया। वास्तव में ये कुछ सवाल हैं, जिनके उत्तर मिलना अभी शेष हैं।

भारतीय रेलवे हर रोज करीबन करोड़ों की संख्या में लोगों को एक जगह से दूसरी जगह लेकर जाती है, जाहिर है इतनी बड़ी संख्या में लोगों को लाने ले जाने में भी हजारों ट्रेन की जरूरत पड़ती है, ऐसे में कुल 13,452 ट्रेनों को रेलवे ने लगा रखा है। इनमें कुछ लग्जरी ट्रेनें हैं, तो कुछ सुपरफास्ट ट्रेनें हैं, तो कुछ ऐसी हैं जिनमें आम इंसान सस्ती टिकट लेकर आराम से बैठकर जा सकता है।

देश की इकलौती ट्रेन जो खिलाती है फ्री में नाश्ते से लेकर डिनर तक

नई दिल्ली। लेकिन इन हजारों ट्रेनों में केवल एक ट्रेन ऐसी है, जिसमें यात्रियों को फ्री में खाना परोसा जाता है। इसका मतलब है कि ये ट्रेन ना केवल आपको सफर का मजा दिलाती है, बल्कि रास्ते में आपको फ्री में ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर भी कराती है। चलिए आपको इस ट्रेन के बारे में बताते हैं।

पिछले 29 साल से रेलवे में मिलता है फ्री का खाना : रेलवे की ये खास ट्रेन देश के 2 फेमस स्थलों के बीच चलती है और श्रद्धालुओं को दर्शन कराती है। ट्रेन के यात्रियों को पिछले 29 साल से फ्री में खाना परोसा जा रहा है। वैसे तो भारतीय रेलवे अपने सभी यात्रियों को चलती ट्रेन में खाना-नाश्ता देती है लेकिन आपको पैसे देने पड़ते हैं। केवल यही एक इकलौती ऐसी ट्रेन है, जो आपको बिना किसी पैसे के ब्रेकफास्ट से लेकर डिनर तक सब फ्री में देती है, आप सफर में हैं हैं।

29 साल से फ्री में खाना परोसा जा रहा

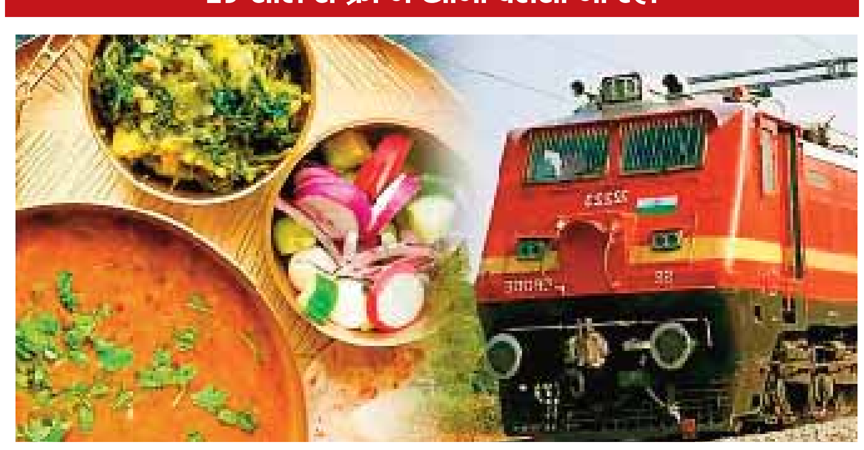

6 जगह पर परोसते हैं खाना

सचखंड एक्सप्रेस ट्रेन 2,000 किलोमीटर की दूरी को तय करती है और इस दौरान 39 स्टेशनों पर इसका ठहराव रहता है। यात्रा के समय 6 पड़ाव पर लंगर लगता है, यहां यात्रियों को फ्री में खाना दिया जाता है, ये पड़ाव नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अलावा भोपाल, परभनी, जालना, औरंगाबाद और मराठवाड़ा हैं। ट्रेन इस सफर को पूरा करने के लिए करीबन 33 घंटे का समय लेती है।

महाराष्ट्र के नांदेड़ से अमृतसर तक ट्रेन

हम जिस ट्रेन की बात कर रहे हैं, वो कोई और नहीं बल्कि महाराष्ट्र के नांदेड़ शहर से पंजाब के अमृतसर शहर तक जाती है। ट्रेन का नाम सचखंड एक्सप्रेस (12715) है। ट्रेन अमृतसर के बड़े धार्मिक स्थल श्री हरमंदर साहिब गुरुद्वारा से जाती है फिर महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में स्थित श्री हजूर साहिब गुरुद्वारा पहुंचती है। बता दें, नांदेड़ में ही सिखों के 10वें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी का निधन हुआ था, ये ट्रेन इन दोनों ही धार्मिक स्थलों के बीच सफर को पूरा करती है।

कौन उठाता है खाने का खर्च

ट्रेन का स्टॉपेज भी इस हिसाब से रखते हैं कि यात्री आराम से खाने का लुत्फ उठा सके। ट्रेन में खाने का मेन्यू बदलता रहता है, लेकिन अधिकतर समय आपको कढ़ी-चावल, छोले, दाल, खिचड़ी और आलू-गोभी या दूसरी सब्जी परोसी जाती है। इस पर आने वाला खर्चा गुरुद्वारों को मिलने वाले दान के जरिए इस्तेमाल होता है। फ्री लंगर का लुत्फ उठाने के लिए ट्रेन में जनरल से लेकर एसी बोगी तक के यात्री अपने साथ बर्तन लेकर जाते हैं।

रोचक खबरें

महिला ने 2 करोड़ रुपये के खरीदे अपने कुत्तों के लिए कपड़े, वॉक-इन वार्डरोब भी बनवाई

शंघाई। कई लोग कुत्तों को अपना दोस्त मानते हैं, वहीं कुछ उनकी बच्चों की तरह देखभाल करते हैं, लेकिन चीन की एक महिला का अपने कुत्तों के प्रति प्यार जाहिर करने का तरीका इस समय सुर्खियां बटोर रहा है। दरअसल, हाल ही में उस महिला ने अपने कुत्तों के लिए 2.80 लाख डॉलर यानी 2 करोड़ से ज्यादा रुपये खर्च करके कपड़े, वॉक-इन वार्डरोब समेत उनकी अन्य फैशन एक्सेसरीज खरीदी हैं। ऐसे में आइए यह चौंकाने वाला पूरा मामला जानते हैं। चीन में शंघाई की रहने वाली महिला का असल नाम तो सामने नहीं आया है, लेकिन उसका सोशल मीडिया पर यिकेमोची नाम से अकाउंट है और वह पालतू जानवरों की फैशन इंफ्लूएंसर है। महिला के पास 3 पालतू कुत्ते छह वर्षीय मोची, पांच वर्षीय मिल्की और तीन वर्षीय पिग्गी हैं। कुछ दिन पहले महिला ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने कुत्तों के सामानों का जिक्र किया, जिसके बाद से वो तेजी से वायरल होने लगी। हैरानी की बात ये है कि महिला के कुत्तों की अलमारी में आपको कढ़ाई वाली स्कर्ट, डिज्नी थीम वाले कपड़े और कई तरह के यूनिक डिजाइन वाले कपड़े भी देखने को मिल जाएंगे। इसके अलावा उनकी अलमारी में कुत्तों के लिए चमकदार क्लिप्स, सनग्लासेस और यहां तक की हैंडबैग्स भी हैं।

करोड़ों में है कुत्तों के कपड़ों की कीमत

वायरल वीडियो में वह अपने प्रशंसकों को अपने पालतू कुत्तों का शानदार वॉक-इन वार्डरोब और आभूषण स्टैंड दिखाती है। साथ ही महिला ने खुलासा किया कि उसने अपने कुत्तों के लिए 2,500 से अधिक कपड़ों और सामानों पर लगभग 2.80 लाख डॉलर (2 करोड़ से ज्यादा रुपये) खर्च किए हैं। उनके कलेक्शन में 550 डॉलर से 700 डॉलर (लगभग 45 से 60 हजार रुपये) की ट्वीड जैकेट और 410 डॉलर यानी लगभग 35 हजार रुपये की कश्मीरी जंपर्स शामिल हैं।

नीलामी में बिकी एक अक्षर वाली दुर्लभ नंबर प्लेट, 15 करोड़ से अधिक लगी इसकी कीमत

नई दिल्ली। नंबर प्लेट धातु या प्लास्टिक की प्लेट होती है, जो वाहनों की पहचान के लिए लगाई जाती है। इसे लाइसेंस प्लेट भी कहा जाता है और हर वाहन की नंबर प्लेट का अंक अलग होता है। ऐसा ही कुछ चीन के हांगकांग में हुआ। यहां एक अक्षर वाली दुर्लभ नंबर प्लेट 15 करोड़ रुपये से अधिक कीमत पर नीलाम हुई है। इस नीलामी का आयोजन हांगकांग शहर के राज्य परिवहन विभाग द्वारा सोमवार यानि 17 फरवरी को करवाया गया था। इस नीलामी के दौरान कुल 49 नंबर प्लेट बिकने के लिए उपलब्ध कराई गईं थीं। हालांकि, सभी नंबर प्लेटों में से एक ने लोगों का सबसे अधिक ध्यान आकर्षित किया। इसपर कोई अंक भी नहीं लिखा गया है और केवल 'S' छापा गया है। इस नीलामी को वार्षिक चंद्र नववर्ष नीलामी यानि एनुअल लूनर न्यू ईयर ऑक्शन नाम दिया गया था। इस खास नंबर प्लेट की बोली करीब 55,800 रुपये से शुरू हुई थी।हालांकि, जल्द ही इसकी बोली बढ़ने लगी और लोग इसे हासिल करने में दिलचस्पी दिखाने लगे। एक व्यक्ति ने इसके लिए 8.97 करोड़ रुपये की बोली लगाई। नीलामी के अंत में इसे 15.86 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर नीलाम किया गया।

महिला ने पानी के अंदर रहकर बनाए 2 विश्व रिकॉर्ड, हैरान कर देगा तरीका

पानी के अंदर ज्याद देर तक सांस रोककर रखना कई लोगों के लिए मुश्किल है, लेकिन अमेरिका की अमेलिया डे लॉस रियोस नाम की एक महिला ने इस चुनौती को अपनी उपलब्धि बना दिया। एक पेशेवर फ्रीडाइवर होने के कारण अमेलिया की पानी के नीचे ज्यादा देर रूकने की क्षमता लाजवाब है। उन्होंने अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन करने के लिए एक मिनट में पानी के अंदर 56 छल्ले बनाएं और गिनीज बुक में अपना नाम शामिल कर लिया।

अमेलिया इस्तेमाल करती हैं खास तकनीक

गिनीज बुक के मुताबिक, अमेलिया ने बताया कि पानी के अंदर जाकर छल्ले बनाने के लिए वह एक खास तकनीक का इस्तेमाल करती है। उन्होंने आगे कहा, पानी के अंदर छल्ले बनाना मुश्किल काम नहीं है, लेकिन इन्हें सही लय में बनाना मुश्किल है। इसके लिए आप जितना कम गहराई में जाएंगे, इन्हें बनाना उतना ही आसान होगा, लेकिन बहुत कम गहराई में जाएंगे तो छल्ले एक-दूसरे से टकराकर टूट जाएंगे।

अमेलिया का दूसरा विश्व रिकॉर्ड : पानी के अंदर छल्ले बनाने के रिकॉर्ड के अलावा अमेलिया ने एक अन्य रिकॉर्ड भी कायम किया। दूसरा रिकॉर्ड ये था कि उन्होंने पानी के अंदर 6 मिनट और 58 सेकंड तक अपनी सांस रोककर रखी, जो पुरुषों के रिकॉर्ड से 12 सेकंड ज्यादा है। पानी के अंदर ये रिकॉर्ड तोड़ने वाली इस खिलाड़ी की तकनीक का श्रेय उनके फ्रीडाइविंग कौशल को जाता है। बता दें कि फ्रीडाइविंग एक तरह की पानी में सांस रोककर रखने वाली गतिविधि है।

खूबसूरत

भारतीयों का खूब किया जाता है सत्कार

फिरंगियों का बसाया हिल स्टेशन जहां उन्हें ही नहीं मिलती एंट्री

चकराता। उत्तराखंड को धरती का स्वर्ग कहते हैं, नेचर लवर्स के देखने के लिए यहां काफी कुछ है, उन्हीं में से एक जगह है चकराता। इस जगह को ब्रिटिश काल में विदेशियों ने बसाया था, आज ये एक खूबसूरत हिल स्टेशन बन चुका है, जहां केवल भारतीय लोगों को ही घूमने की इजाजत मिलती है। जी हां और हैरानी वाली बात ये है, जिन अंग्रेजों ने इस जगह को बसाया था, वो ही अब यहां पैर तक नहीं रख सकते। अगर गर्मियों में यहां जाने का सोच रहे हैं, तो पहले जान लें आखिर इसकी दिलचस्प वजह क्या है और देखने के लिए यहां क्या खूबसूरत जगह हैं। चकराता में आप टाइगर फॉल का मजा ले सकते हैं। ये उत्तराखंड का सबसे ऊंचा झरना है और यहां मुख्य आकर्षण है।

चकराता क्यों है फेमस

चकराता को लेकर कहते हैं कि ये ऐसी जगह है जहां प्रदूषण ना के बराबर आता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए ये जगह किसी जन्नत से कम नहीं है। यहां आपको कई खूबसूरत झरने और पर्यटन स्थल देखने को मिल जाएंगे। इसके अलावा आप यहां ट्रेकिंग से भी मजा ले सकते हैं। देववन से चकराता का नजारा बढ़ा ही खूबसूरत लगता है। सर्दियों के समय बर्फ से ढके हिमालय पर्वत भी देखने को मिल जाएंगे। चकराता से देववन आप गाड़ी की मदद से जा सकते हैं या कानसार से ट्रेकिंग भी कर सकते हैं।

सूर्यास्त का खूबसूरत नजारा

अगर आप प्रकृति के बीच सूर्यास्त के खूबसूरत नजारे देखना चाहते हैं, तो आपको चकराता से चिरमिरी जाना होगा। ये जगह चकराता से करीबन 4 से 5 किमी दूर है। यहां सूर्यास्त का नजारा इतना खूबसूरत है कि आप उस अनुभव को भूल जाएंगे। अगर आप सड़क के रास्ते, रेल मार्ग और हवाई मार्ग से जा रहे हैं तो चकराता आप आसानी से पहुंच सकते हैं। पास की जगह देहरादून है यानी आपको पहले देहरादून जाना पड़ेगा। देहरादून पहुंचने के बाद आप गाड़ी या टैक्सी की मदद से चकराता जा सकते हैं।

चीन सीमा पास में इसलिए विदेशी एंट्री बंद

बता दें कि चकराता के पास ही चीन की बॉर्डर है ऐसे में सुरक्षा के लिहाज से किसी भी विदेशी सैलानी एंट्री को पूरी तरह से बैन कर दिया गया। अब यहां इंडियन आर्मी का कैंप है। ऐसे में केवल भारतीय नागरिक ही यहां घूमने के लिए जा सकते हैं। अगर कोई विदेशी यहां आने की कोशिश करता है, उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाता है।

छुट्टियां यहां बिताया करते थे अंग्रेज

चकराता को 1866 में अंग्रेजों ने बसाया था। जिसके बाद अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी के ऊंचे लेवल के अधिकारी गर्मियों की छुट्टियां बिताने के लिए यहां आया करते थे। 1869 में ब्रिटिश सरकार ने इसे कैंट बोर्ड के अधीन कर दिया था। यहां से चीन की दूरी भी बहुत ही कम है। साल 1962 में भारत-चीन के बाद यहां तिब्बती यूनिट भी यहां आ गई थी।

क्लाउड मोनेट की ये पेंटिंग लगभग 400 करोड़ रुपये में होगी नीलाम

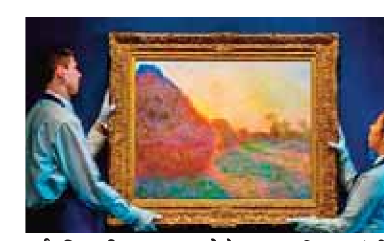

नई दिल्ली। क्लाउड मोनेट एक प्रसिद्ध फ्रांसीसी चित्रकार थे, जिनका काम कला बाजार में सबसे प्रशंसित, महंगा और मांग वाला है। इस बात का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि मोनेट द्वारा बनाई गई एक पेंटिंग न्यूयॉर्क की एक नीलामी में 3 करोड़ डॉलर से 5 करोड़ डॉलर (करीब 250 करोड़ से लेकर 430 करोड़ रूपये) के बीच बिक सकती है। आइए इस नीलामी के बारे में विस्तार से जानते हैं। मोनेट की साल 1891 में बनाई गई लैंडस्केप पेंटिंग की नीलामी क्रिस्टी नीलामी घर द्वारा अगले महीने ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। इस पेंटिंग में सूर्यास्त के समय नदी के किनारे पेड़ों को दर्शाया गया है, जो फ्रांस के नॉरमैंडी गांव की एक जगह की छवि है। यह मोनेट की लेस पेप्लियर्स श्रृंखला की 24 पेंटिंग में से एक है और इस श्रृंखला की सारी पेंटिंग में मोनेट के घर के पास वाली इप्टे नदी के आसपास का दर्शाया है।

पेंटिंग में है इप्टे नदी के किनारे का नजारा

नीलामी घर के मुताबिक, मोनेट ने इस श्रृंखला की पेंटिंग्स में इप्टे नदी के नजारों को विभिन्न मौसमों और स्थितियों के साथ बनाया है। क्रिस्टी में इंप्रेशनिस्ट और आधुनिक कला की प्रमुख वैनेसा फुस्को ने बताया, मोनेट द्वारा इस्तेमाल किए रंगों और उनसे पेंटिंग पर की गई परतों से ऐसी पेंटिंग बनाना काफी मुश्किल काम है, लेकिन जब आप इस पेंटिंग के सामने खड़े होते हैं तो ये काफी आकर्षक लगती है। फुस्को ने आगे बताया, मोनेट की ये पेंटिंग 1955 तक उनके परिवार के संग्रह में रही और क्रिस्टी को सौंपे जाने स पहले ये पेंटिंग बोस्टन के म्यूजियम ऑफ फाइन आर्ट्स में 30 साल तक प्रदर्शन का हिस्सा बनी रही। ऑनलाइन नीलामी में जाने से पहले ताइवान में एक दिन के लिए प्रदर्शनी में रखी जाएगी।

दुनिया के ऐसे होनहार जानवर, जिनके नाम दर्ज हैं कई शानदार विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। आपने मनुष्यों को तो कई प्रकार के विश्व रिकॉर्ड बनाते देख होगा, लेकिन क्या अपने कभी जानवरों के रिकाड्र्स के बारे में सुना है? दुनियाभर में कई ऐसे होनहार और समझदार पालतू जानवर मौजूद हैं, जो अपनी बुद्धि और कला के जरिए कई तरह के रिकॉर्ड बना चुके हैं।

स्केटबोर्ड चलाने वाली बिल्ली : कहा जाता है कि बिल्लियां बेहद अलसी होती हैं और जल्दी करतब करने के लिए तैयार नहीं होतीं। हालांकि, सही प्रशिक्षण मिलने पर वे भी कुछ हैरतअंगेज कारनामे कर दिखाती हैं। दरअसल, चीन के रहने वाले ली जियांगताओ की अमेरिकन शार्टहेयर नस्ल वाली बिल्ली स्केटबोर्ड चलाती है। इस बिल्ली का नाम बाओ जी है, जिसने 10 मीटर की दूरी तक स्केटबोर्ड चलाने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

सबसे ऊंची छलांग लगाने वाला गिनी पिग

गिनी पिग छोटे और प्यारे जानवर होते हैं, जो अपनी मासूमियत के जरिए सबका मन मोह लेते हैं। हालांकि, अमेरिका की रहने वाली ग्रेस होइनेस की गिनी पिग को केवल उसकी मासूमियत के लिए ही नहीं, बल्कि बुद्धिमानी के लिए भी जाना जाता है। इसका नाम ऐबी है और इसने किसी गिनी पिग द्वारा सबसे ऊंची छलांग लगाने (22 सेमी) का विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

अमीर होने के लिए लोग खरीद रहे बैंक की मिट्टी, हजारों में बिक रही

नई दिल्ली। आज के महंगाई के जमाने में सभी लोग पैसे कमाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। हालांकि, कई ऐसे लोग भी होते हैं, जो पैसे कमाने के आसान रास्ते तलाशते रहते हैं। इन लोगों में अमीरी बनने की चाह इस कदर बढ़ जाती है कि वे किसी भी दकियानूसी तरकीब का सहारा ले लेते हैं। ऐसा ही कुछ इन दिनों चीन में हो रहा है, जहां के लोग अमीर बनने के लिए बैंक से चुराई गई मिट्टी खरीद रहे हैं।

आम तौर पर चोर बैंक से पैसे लूटते हैं, लेकिन आज-कल के चोर बैंक से मिट्टी चुराने लगे हैं। चीन के चोर बैंक में लगे गमलों से मिट्टी चुराकर ऑनलाइन बेचने का धंधा चला रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि इसको खरीदना अब एक ट्रेंड बन गया है। मिट्टी को यह बताकर बेचा जा रहा है कि इसके जरिए लोग जल्द-से-जल्द अमीर बन जाएंगे। बैंक की मिट्टी की एक पोटली 10,000 रुपये में बिक रही है।

अनोखा मेला, रात के वक्त सड़कों पर दिखाई देती हैं सिर्फ औरतें

एजेंसी ▸▸ जयपुर

राजस्थान के जोधपुर में दुनिया भर का सबसे अनोखा मेला जोधपुर में होता है। 16 दिन की पूजा करने के बाद सुहागिनें अलग-अलग स्वांग रच कर जोधपुर के भीतरी शहर में रात भर सड़कों पर निकलती हैं। पूरी रात महिलाओं का राज होता है। इसे बेंतमार के नाम से भी जाना जाता है। इस मेले की यह परंपरा है कि जोधपुर में पुराने समय में भाभी अपने देवर और अन्य कुंवारे युवकों को प्यार से छड़ी मार कर बताती थीं कि वो कुंवारे हैं। बेंत मारने के बाद कुंवारे लड़कों की जल्द ही शादी हो जाती है।

12 घंटे का निर्जला उपवास रखती हैं महिलाएं

इस धींगा गवर की अनूठी पूजा करने वाली महिलाएं दिन में 12 घंटे निर्जला उपवास करती हैं। दिन में एक समय खाना खाती हैं। इसी तरह 16 दिन तक अनुष्ठान व पूजन चलता है। जोधपुर की स्थापना राव जोधा ने 1459 में की थी। मान्यता है कि धींगा गवर पूजन तभी से शुरू हुआ है। राज परिवार से इस पूजन की परंपरा शुरू हुई थी। 564 सालों से यह पूजा चली आ रही है।

महिलाएं पुरुषों को मारती हैं छड़ी

इस मौके पर रात के वक्त सड़कों पर सिर्फ महिलाएं दिखती हैं. हर महिला के हाथ में एक छड़ी होती है जैसे ही पुरुष सामने दिखता है तो उस छड़ी से पुरुषों को मार पड़ती है। इसमें 16 दिन तक गवर माता का पूजन होता है। वहीं 16वें दिन पूरी रात महिलाएं घर से बाहर रहती है और अलग-अलग समय में धींगा गवर की आरती करती हैं। इस मेले में हर महिला अलग-अलग स्वांग रच कर पूरी रात शहर में घूमती है। दुनिया में सिर्फ जोधपुर में ही धीगा गवर का आयोजन किया जाता है, जिसे देखने के लिए न सिर्फ राजस्थान बल्कि दुनियाभर के लोग जोधपुर पहुंचते हैं।

भगवान शिव ने मां पार्वती को दिया था वरदान

महिलाओं के अनुसार मान्यता है कि मां पार्वती के सती होने के बाद जब दूसरा जन्म लिया तो वह धींगा गवर के रूप में आई थीं। भगवान शिव ने मां पार्वती को इस पूजन का वरदान दिया था। इसके बाद से धींगा गवर की पूजा होती है, 16 दिन तक व्रत रखने वाली महिलाएं एक समय भोजन करती हैं। इन 16 दिनों में माता की पूजा में मीठा का भोग लगाया जाता है। जो महिलाएं यह व्रत रखती हैं उनके हाथ में एक डोरा बंधा होता है जिसमें कुमकुम से 16 टीके लगाए जाते हैं।

सच्चाई रंग बदलने के पीछे छिपा है उसकी दुनिया का गहरा राज

मोहब्बत से लेकर जंग तक... गिरगिट के हर रंग का है अलग सीक्रेट

नई दिल्ली। क्या आप जानते हैं कि गिरगिट केवल छिपने के लिए ही अपना रंग नहीं बदलते? गिरगिटों की त्वचा में रंग बदलने की अद्भुत क्षमता होती है। यह क्षमता उन्हें न केवल अपने परिवेश में छिपने में मदद करती है, बल्कि दूसरे गिरगिटों से संवाद करने में भी एक बड़ी भूमिका निभाती है। आपने कभी सोचा है कि गिरगिट अपना रंग कैसे और क्यों बदलते हैं। आपको जानकर ताज्जुब होगा कि गिरगिट के बदले हुए हर रंग का अपना एक मतलब होता है। उनके हर रंग की एक अलग और रोमांचक कहानी है।

दुनिया भर में गिरगिट की 135 पजातियां : दुनिया भर में गिरगिटों की कम से कम 134 प्रजातियां पाई जाती हैं। यह आम धारणा है कि गिरगिट अपने आसपास के वातावरण में घुलने-मिलने के लिए रंग बदलते हैं, लेकिन यह पूरी सच्चाई नहीं है। असल में, गिरगिट रंग बदलकर आस-पास के दूसरे गिरगिटों को संकेत भी भेजते हैं।

ये रंग है मादा के इंकार का संकेत

इसके अलावा अगर एक नर पैंथर गिरगिट साथी की तलाश में है, तो वह मादा को शानदार नीले, हरे, नारंगी, पीले, लाल और सफेद रंग के साथ प्रभावित करने का प्रयास करता है। गर्भवती मादा की त्वचा गहरे भूरे या काले रंग में बदल जाती है, जो बताता है कि वह संबंध बनाने के लिए तैयार नहीं है।

रंग बताते हैं कि बीमार या घायल है गिरगिट : गिरगिट की त्वचा का रंग उसके शरीर के तापमान, तनाव के स्तर, पोषण और यहां तक कि मनोदशा के बारे में भी बताता है। एक शांत गिरगिट का रंग हरा हो सकता है, जो आम तौर पर उसे अपने परिवेश में कुछ हद तक छिपाने के लिए बनाया गया होता है। यह उसे शिकारियों से भी बचाता है। गिरगिट का रंग यह भी बता सकता है कि वह बीमार है या घायल है।

खतरा होने पर अपनाते हैं लाल रंग

उदाहरण के तौर पर, पैंथर गिरगिट की त्वचा गुस्से या खतरे में होने पर अपने सामान्य नीले और हरे रंग से लाल रंग में बदल जाती है। ज्यादातर प्रजातियां समर्पण दिखाने के लिए गहरे या फीके मंद रंग को दिखाती हैं। अगर कोई गिरगिट, दूसरे के प्रभुत्व प्रदर्शन से डर जाता है तो वह गहरे, विनम्र रंग में बदल जाएगा और सिकुड़ जाएगा।

चमकीले रंग से सहमति देती है मादा : गिरगिट के रंगों का लव कनेक्शन भी है। एक नर गिरगिट मादा को आकर्षित करने के लिए चमकीले रंग दिखाता है। उदाहरण के लिए, नर मेलर का गिरगिट अपनी दिलचस्पी दिखाने के लिए लाल रंग की चमक दिखाता है।

खबर संक्षेप

सुग्रीव श्रीवास महामंत्री नियुक्त

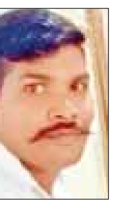

सिहोरा। भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजकुमार पटेल की सहमति से नगर मंडल अध्यक्ष सतीश पटेल ने सुग्रीव श्रीवास पप्पू को नगर मंडल सिहोरा का महामंत्री नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति पर सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है।

माँ सिद्धिदात्री मंदिर में विशाल भंडारा आज

जबलपुर। माँ सिद्धिदात्री मंदिर समिति एवं 360 गौत्रीय खटीक समाज के तत्वावधान में 20 अप्रेल को सुंदरकांड का आयोजन प्रातः 10 बजे किया जा रहा है, तत्पश्चात दोपहर 01 बजे से भंडारे का आयोजन भानतलैया खटीक मोहल्ला में जनसहयोग से किया जा रहा है। मंदिर समिति के महेन्द्र जांगड़े, अखिल पटारिया, राजू पटारिया एवं 360 गौत्रीय खटीक समाज के सदस्यों ने आयोजन में उपस्थिति की अपील की है।

आम आदमी पार्टी की संभाग स्तरीय बैठक आज

जबलपुर। जबलपुर संभाग के आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं की एक आवश्यक बैठक शिवा हॉल सिविक सेंटर में 20 अप्रेल को मध्यान्ह 12 बजे से आयोजित है। बैठक की अध्यक्षता पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष एवं सिंगरौली महापौर रानी अग्रवाल करेंगी। बैठक में श्रीमती अग्रवाल संगठन विस्तार एवं पार्टी की अग्रिम कार्ययोजना के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करेंगी। आप के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश वर्मा, संगठन मंत्री रामकिशोर शिवहरे ने उक्त बैठक में प्रदेश एवं विधानसभा पदाधिकारियों से उपस्थिति की अपील की है।

अनंत आनंदालय का द्वितीय वार्षिक महामंथन कार्यक्रम आज

जबलपुर। विगत दो वर्षों से जबलपुर नगर में नई पीढ़ी को संस्कारित करने तथा उन्हें देश, धर्म, समाज एवं संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से अनंत आनंदालय का निःशुल्क संचालन किया जा रहा है। 20 अप्रेल को यह सेवाभावी प्रकल्प अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस अवसर पर आनंदालय का द्वितीय वार्षिक महामंथन कार्यक्रम आज रविवार को शाम 05 बजे से दत्त मंदिर गोलबाजार में आयोजित है। कार्यक्रम में नगर के गणमान्यजन, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक पदाधिकारी एवं आनंदालय में आने वाले बच्चे परिवार सहित सम्मिलित होंगे।

जलदूतों का पंजीयन में लोगों का दिखा उत्साह

जबलपुर। जल गंगा संवर्द्धन अभियान अंतर्गत जल जागरुकता के लिए माय भारत पोर्टल में जलदूतों का पंजीयन कराया जा रहा है। जबलपुर जिले में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वयं सेवी संस्थाओं, पर्यावरण प्रेमियों एवं समाज कार्य के छात्र छात्राओं का 1400 से अधिक जल दूतों का पंजीयन करवाया गया है।

टिप्पणी के साथ हटाए जाने पर अंतरिम रोक

हाई कोर्ट के आदेश की गलत व्याख्या कर बर्खास्तगी अनुचित

▸ नेशनल हैल्थ मिशन के डायरेक्टर को नोटिस

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने कोर्ट के पूर्व आदेश की गलत व्याख्या कर बर्खास्त किए जाने के रवैये को अनुचित करार दिया। जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने इसी के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी को हटाए जाने पर अंतरिम रोक लगा दी। साथ ही नेशनल हैल्थ मिशन के डायरेक्टर, सीईओ व सीएमएचओ, कटनी को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया। इसके लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है।

याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी आकाशराज सोनी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय के अग्रवाल व उदयनन्द पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के लिए कम्युनिटी हैल्थ सर्टिफिकेशन का प्रमाण पत्र हासिल करना था। पूर्व में कोर्ट ने कहा था कि याचिकाकर्ता तीन अटेम्प्ट में यह शर्त पूरी कर सकता है। याचिकाकर्ता ने ऐसा ही किया। इसके बावजूद आठ अप्रैल, 2025 को उसे बर्खास्त कर दिया गया। इसीलिए हाई कोर्ट की शरण लेनी पड़ी। कोर्ट ने तर्क से सहमत होकर अपने आदेश में कहा कि जब पूर्व आदेश का पालन करते हुए तीन अटेम्प्ट में प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया तो बर्खास्त कैसे कर दिया। यह अनुचित है।

हाईकोर्ट ने नर्सिंग कालेजों से जुड़े मामले में दिए अहम दिशा-निर्देश

क्लीनिकल शुल्क जमा होने पर ही दें दाखिला और परीक्षा में करें शामिल

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने आठ नर्सिंग कालेजों द्वारा निर्धारित क्लीनिकल शुल्क जमा न किए जाने को चुनौती के मामले में अहम दिशा-निर्देश जारी किए । जस्टिस संजय द्विवेदी व जस्टिस अचल कुमार पालीवाल की विशेष डिवीजन बेंच ने कहा कि क्लीनिकल शुल्क जमा होने पर ही दाखिला दें और परीक्षा में शामिल करें। इसके साथ ही जनहित याचिका का पटाक्षेप कर दिया। जनहित याचिकाकर्ता खंडवा निवासी हर्षभान तिवारी की ओर से पक्ष रख गया। दलील दी गई कि निजी नर्सिंग कालेजों द्वारा निर्धारित दर के अनुसार क्लीनिकल प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए शुल्क निर्धारित है। खरगोन व बड़वानी में संचालित आठ नर्सिंग कालेजों ने अभी तक निर्धारित शुल्क की राशि जमा नहीं की है। वहीं मामले में सरकार की ओर से निर्धारित शुल्क का भुगतान कालेज द्वारा किया गया है या नहीं, इस संबंध में जानकारी प्राप्त करने समय प्रदान किया जाए। हाई कोर्ट ने याचिका का निराकरण करते हुए अपने आदेश में कहा कि शुल्क का भुगतान किया गया है या नहीं, इस तर्क पर न्यायालय हस्तक्षेप करने इच्छुक नहीं है। युगलपीठ ने प्रमुख सचिव व आयुक्त लोक स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल सहित अन्य प्रतिवादियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि संबंधित कालेज निर्धारित दर के अनुसार आवश्यक क्लीनिकल शुल्क जमा करें। निर्धारित शुल्क जमा होने पर ही इन कालेजों के छात्रों को परीक्षा में भाग लेने व आगे पढ़ाई करने की अनुमति प्रदान करें।

आर्ट एंड क्राफ्ट प्रदर्शनी में छात्रों ने कलात्मक कृतियों को प्रदर्शित किया

जबलपुर। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय में बी.एड. विभाग द्वारा 15 दिवसीय आर्ट एंड क्राफ्ट कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरएस चंडोक के मार्गदर्शन में किया गया। यह कार्यशाला छात्रों की रचनात्मकता और शैक्षणिक कौशल को विकसित करने तथा छात्रों को शिक्षण प्रक्रिया में कला और शिल्प की उपयोगिता सिखाने तथा उनकी अभिव्यक्ति की क्षमताओं को निखारने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। कार्यशाला के समापन दिवस को समर्पण दिवस के रूप में मनाया गया, जिसमें आर्ट एंड क्राफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा बनाए गए आकर्षक व विविधतापूर्ण कलात्मक कृतियों को प्रदर्शित किया गया। इस प्रदर्शनी कार्यक्रम पर नवयुग महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय तिवारी, महात्मा गांधी पी.जी. कॉलेज करेली के प्राध्यापक डॉ. पी.के. खरे, महाराष्ट्र आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दिलीप हजारी, ज्ञान गंगा कॉलेज की प्राध्यापक डॉ. पप्पी चौहान एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरएस चंडोक की उपस्थिति रही। कार्यशाला में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न कलात्मक गतिविधियाँ जैसे कि वॉल हैंगिंग, पेपर क्राफ्ट, वेस्ट मैटेरियल से सजावट, रंगोली, पेंटिंग, फ्लावर मेकिंग आदि का अभ्यास किया।

राष्ट्रीय एकता शिविर में जबलपुर टीम ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जबलपुर। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के द्वारा राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन दिनांक 11 से 15 अप्रैल 2025 तक चौटाला जिला सिरसा हरियाणा में किया गया, जिसमें राज्य मुख्यालय भारत स्काउट्स एंड गाइड्स मध्यप्रदेश के आदेश अनुसार ललित कुमार मिश्रा सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट संभाग जबलपुर, घनश्याम सोनी जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला कमिश्नर स्काउट्स जबलपुर, डॉ. विजयकांत तिवारी डिस्ट्रिक्ट चीफ़ कमिश्नर स्काउट्स जबलपुर के निर्देशन में जिला सचिव व्हीके झारिया और प्री एएलटी गाइड श्रीमती मंत्रों इक्का के मार्गदर्शन में जबलपुर जिला संघ की 15 सदस्यीय टीम द्वारा प्रतिभागिता की गई। इस कार्यक्रम में पारंपरिक वेशभूषा, गीत, नृत्य, कैंप फायर, फूड प्लाजा जैसी प्रतियोगिताओं में जबलपुर जिले की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सभी सदस्यों को विद्यालय प्रबंधन सेंट अलॉयसीस रिमझा एवं गाइड कैप्टन श्रीमती अंजना वर्मा, जिला संरक्षक अजय तिवारी, संयुक्त सचिव अमिता चौधरी के साथ जिले के समस्त अधिकारियों एवं पदाधिकारियों द्वारा उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

पशुपालन लीग 2025 : बड़वानी, नीमच टीम सेमीफाइनल में पहुंचीं

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विवि प्रांगण में खेली जा रही पशुपालन लीग 2025 का आज सुबह पहला मैच सागर और छिंदवाड़ा के बीच हुआ, जिसमें कड़े संघर्ष के बाद छिंदवाड़ा टीम ने सागर को पछाड़ा। दूसरा मैच सिंगरौली और बड़वानी के बीच खेला गया जिसमें बड़वानी विजय हुई। पहला क्वार्टरफाइनल मैच NDVSU और बालाघाट टीम के बीच हुआ जिसमें NDVSU की टीम ने अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। आज का दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच जो कि बड़वानी और रीवा के बीच था, परन्तु रीवा टीम के ग्राउंड पर उपस्थित न होने के कारण बड़वानी टीम को वॉकओवर दे दिया गया जिससे बाद बड़वानी टीम सेमीफाइनल में पहुंची। इस अवसर पर प्रांतीय संरक्षक आर.के. बघेल की उपस्थिति ने कर्मचारियों के रोम- रोम में नई ऊर्जा भर दी, हर कोई उनके स्वागत के लिए उतावला नजर आया। इस अवसर पर अनवर रजा, ऊषा परते, सुभद्रा उइके, पिंकी वर्मा, बेताब पाल, डॉ. अंगद नामदेव, जाकिर खान, दिव्यांश अग्निहोत्री, रन बहादुर थापा, संतोष कुल्हाड़े, विपिन बर्मन, सुहेल अनवर खान आदि उपस्थित रहे।

संत रविदास मंच बनाएगा राजनीतिक संगठन

जबलपुर। संत रविदास विचार मंच के मोहनलाल चौधरी ने बताया कि 13 अप्रेल को मीनाबाई चौधरी के निवास स्थान बधैया मोहल्ला बस स्टैण्ड के पास मंच की सभा आयोजित की गई थी, जिसमें मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्य अतिथि शारदा प्रसाद चौधरी उपस्थित थे। शारदा प्रसाद चौधरी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संत रविदास समाज को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है, उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि एक राजनीतिक संगठन बनाना होगा जो कि सरकार एवं प्रशासन से अपना अधिकार लेने की अपेक्षा कर सके। यह ऐसा संगठन होगा जो टेढ़ी अंगुली से घी निकाल सके, इस संगठन की चर्चा हिन्दुस्तान में चंद दिनों में फैल जाएगी। अध्यक्ष की बात सुनकर मंच के सैकड़ों महिला, पुरुषों ने एकजुट होकर उनके विचार का समर्थन किया और संगठन बनाने की अपील की। इस अवसर पर मंच के कमल चौधरी, रामसिपाही सेठ, श्यामलाल चौधरी, लखन खरे, मीनाबाई, रामबाई, सीताबाई, रामकली, चंदाबाई, नरबद बाई, लक्ष्मीबाई, श्यामाबाई, गुड्डीबाई, द्रोपदीबाई, मोनू चौधरी, वाल्मीक चौधरी, राहुल चौधरी, रामलाल साकेत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तेज आवाज में बज रहा डीजे जप्त

जबलपुर। गोराबाजार थाना अंतर्गत रिज रोड पर बिना अनुमति के तेज आवाज में बज रहे डीजे पर कार्यवाही करते हुये पुलिस ने डीजे संचालक छुई खदान गढ़ा निवासी अशोक लोधी को गिरफ्तार कर डीजे साउण्ड बाक्स, मिक्सर मशीन डीजे बजाने वाली, 1 माईक, 1 पावर बोर्ड जप्त करते हुये आरोपी के विरूद्ध धारा 7/15 म.प्र.कोलाहल अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का हुआ नगर आगमन

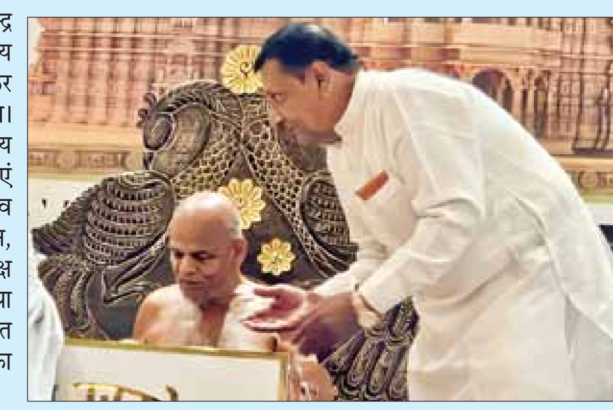

जबलपुर। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र जैन कांसल ने आज जबलपुर आगमन पर परम पूज्य आचार्य श्री समय सागर जी मुनिराज के चरणों में पाद प्रक्षालन किया एवं शास्त्र भेंट कर एवं श्री फल अर्पित कर पदाधिकारियों सहित आशीर्वाद प्राप्त किया। इस पुण्यार्जनमयी कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी फेडरेशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नितिन जैन द्वारा दी गई। समस्त मांगलिक क्रियाएं फेडरेशन के पूर्व महासचिव विपुल बाँझल, अतिरिक्त महासचिव जम्बू जैन धवल, प्रशांत जैन, प्रवीण सिंघई, राजेन्द्र जैन, विमल जैन, नवीन जैन उज्जैन, रीजन अध्यक्ष महाकोशल-विंध्य रीजन अध्यक्ष सी.ए. मनोज जैन, सचिव हेमंत जैन, कोषाध्यक्ष सुनील (घिया) तथा सुधीर जैन के द्वारा की गई। इस अवसर पर जबलपुर में संचालित समस्त ग्रुपों के दंपति सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन अमित पड़रिया द्वारा किया गया।

संपूर्ण ब्राह्मण मंच ने बैठक में लिया निर्णय

घर-घर बांटेंगे परशुराम चालीसा ग्वारीघाट में होंगे वृहद कार्यक्रम

जबलपुर। 30 अप्रैल को निःशुल्क उपनयन संस्कार परिचय सम्मेलन भगवान परशुराम , दुग्ध अभिषेक, कन्या पूजन, महाआरती के साथ कार्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा रजिस्ट्रेशन हेतु कार्यालय संपूर्ण ब्राह्मण मंच मेहता पेट्रोल पंप के पास गढा में रोड में निरंतर जारी है साथ ही भगवान परशुराम चालीसा घर-घर बांटी जाएगी, संपूर्ण कार्यक्रम ग्वारीघाट परशुराम धाम में आयोजित होगा। कार्यक्रम में उपस्थित की अपील धनंजय बाजपेई, डॉक्टर अरुण मिश्रा, रावेंद तिवारी, यदुवंश मिश्रा, सीताराम कुरचानिया, निशांत शर्मा, आनंद मोहन शर्मा, सार्थक शर्मा, सुधा मिश्रा, पुष्पा तिवारी, डॉक्टर स्वागतिक पति, आभा तिवारी, मधुबाला दुबे, मिथिलेश तिवारी, वनिता मालवीय, मीरा दुबे, जागृति शुक्ला, राजकुमार दुबे, माधव पांडे, प्रशांत तिवारी, चंद्रशेखर शर्मा, अनिल दुबे, अंकित तिवारी, सुधाकर मिश्र, मुन्ना लाल दुबे, एचडी तिवारी, संतोष मिश्रा, रवि शुक्ला, केके दुबे, सतीश मिश्रा, इंजीनियर रविंद्र तिवारी, जगदीश बाजपेई आदि ने की है।

एसएस कॉलेज की छात्रा का पुलिस एवं तीन छात्रों का अग्निवीर में चयन

सिहोरा। शासकीय श्यामसुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा की छात्रा कुमारी प्रिया पिता ओमप्रकाश का यूपी पुलिस में कांस्टेबल के पद पर चयन हुआ है। साथ ही मध्य प्रदेश पुलिस में भी उसका चयन हुआ है। एक साथ दो राज्यों की पुलिस सेवा में उसका चयन होना उसकी मेहनत और उसके समर्पण को दर्शाता है। कु. प्रिया साहू महाविद्यालय की 2024 राजनीति विज्ञान की एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा थी। इसी तरह महाविद्यालय के तीन विद्यार्थी रोशन लाल जायसवाल एवं रोशन लाल कोल एवं एक अन्य विद्यार्थी का चयन अग्निवीर के लिए हुआ है। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो.एम.के.श्रीवास्तव, डॉ श्रीकृष्ण तिवारी,राजनीति शास्त्र विभाग अध्यक्ष डॉ.नीता तिवारी, डॉ. सुनू आर के मैथ्यू एवं समस्त महाविद्यालय परिवार सभी चयनित छात्र छात्राओं को बधाई प्रेषित की है। इन विद्यार्थियों को महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की ओर से इन्हें सम्मानित किया जाएगा।

बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ प्रदर्शन

कांग्रेस ने किया खमरिया थाने का घेराव

जबलपुर। खमरिया थाना क्षेत्र में बढ़ते अपराध, नशे के व्यापार और पुलिस संरक्षण के खिलाफ नगर एवं ग्रामीण कांग्रेस का जबरदस्त प्रदर्शन आज लार्डगंज थाना का घेराव विधायक लखन घनघोरिया के नेतृत्व में होगा। जबलपुर। नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा बिगड़ती कानून व्यवस्था, अवैध नशा कारोबार, जुआ सट्टे के बढ़ते अपराधों के खिलाफ शनिवार को खमरिया थाने का घेराव कर जबरदस्त प्रदर्शन किया गया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने खमरिया थाना क्षेत्र में अपराध बढ़ रहे हैं, खुलेआम जुआ सट्टा अनैतिक गतिविधियां चल रही हैं, पुलिस निष्क्रीय बनी हुई है. अपराधियों पर कार्यवाही करने के बजाय पुलिस पारिवारिक लोगों का चालान करने में लगी हुई है। श्री शर्मा ने यहां कहा कि यह घेराव केवल विरोध नहीं, एक चेतावनी है – अब ज्ञापन नहीं, सीधा एक्शन होगा। यदि प्रशासन अब भी नहीं जागा, तो आंदोलन को और तीव्र किया जाएगा। आज रविवार को विधायक लखन घनघोरिया के नेतृत्व में लार्डगंज थाने का घेराव किया जाएगा। शनिवार के प्रदर्शन में नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, वरिष्ठ नेता सम्मति सैनी, रामदास यादव, हुकुमचंद जैन, आनंद यादव, अनिल यादव, श्यामसुंदर कोरी, सुभाष पटेल, ईश्वरी पटेल, रमेश बोहित, भोजराज यादव, बाबू यादव, विकास यादव, के के मिश्रा, नेमचंद यादव, पंचम सेन, राहुल अंदानी, कुंदन सिंह, महेश चौहान, राकेश चक्रवर्ती, राजेश श्रीवास, संजय जैन, राकेश सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

बगलामुखी सिध्द पीठ सपर्या महोत्सव आज

जबलपुर। बगलामुखी सिध्द पीठ शंकराचार्य मठ सिविक सेंटरर में आज 20 अप्रैल से सांस्कृतिक संस्कार सेवा उत्सव समिति द्वारा रात्री 8 बजे से सपर्या महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

निधन

श्री संजय कुमार ठाकुर- ग्राम हथलेना लमकना मझौली निवासी श्री राम सेवक ठाकुर के पुत्र श्री संजय कुमार ठाकुर (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री लखन लाल रैकवार- गुप्तेश्वर मंदिर के निकट निवासी श्री लखन लाल रैकवार (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुमन ताम्रकार- कोतवाली निवासी श्री सत्य नारायण ताम्रकार की धर्मपत्नी श्रीमती सुमन ताम्रकार (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती उर्मिला देवी- न्यू कंचनपुर अधारताल निवासी श्री कृष्ण कुमार की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला देवी (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती श्रुति विश्वकर्मा- फूटाताल कश्यप मोहल्ला निवासी श्री सागर विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती श्रुति विश्वकर्मा (34) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री बच्चा लाल- कृष्णा कॉलोनी सुहागी निवासी श्री बच्चा लाल (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बेबी चौधरी- बड़ी मदार टेकरी शंकर चौक निवासी श्री बेबी चौधरी (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गीता श्रीवास्तव- सी 33 विजयनगर एक्सटेंशन रांझी निवासी श्री वीसी श्रीवास्तव की धर्मपत्नी ओएफके ईईएस उमा शाला से सेवानिवृत्त शिक्षिका श्रीमती गीता श्रीवास्तव (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री लल्लू प्रजापति- शीतलामाई वार्ड निवासी श्री लल्लू प्रजापति (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अनुराग राजपूत- कांचघर पूर्वी घमापुर निवासी श्री अनुराग राजपूत (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कैलसिया बंसल- सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री छोटे लाल बंसल की धर्मपत्नी श्रीमती कैलसिया बंसल (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री समीर कुमार डे- टेलीग्राफ गेट नं. 4 साईं बाबा मंदिर के पास राइट टाउन निवासी श्री समीर कुमार डे (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री देवानंद सोनकर- ब्यौहारबाग निवासी श्री देवानंद सोनकर (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रवींद्र कुमार शाह- सन सिटी कंचनपुर अधारताल निवासी श्री रवीद्र कुमार शाह (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मनीष कनौजिया- तिलहरी निवासी श्री मनीष कनौजिया (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.

फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	ब्लैक&व्हाईट	300/-
फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	रंगीन	400/-
फिक्स साइज	10x8 से.मी.	रंगीन	1000/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

BEST NURSING INSTITUTE IN CHHATTISGARH
स्वयं का चन्दूलाल चन्द्राकर मेमोरियल हॉस्पिटल नेहरू नगर भिलाई में प्रायोगिक प्रशिक्षण की सुविधा
उज्जवल भविष्य की ओर पहला कदम
सी.एम. नर्सिंग इंस्टीट्यूट
चन्दूलाल चन्द्राकर मेमोरियल हॉस्पिटल, नेहरू नगर भिलाई (छ.ग.)
9575932505, 9981441310, 9993095054
cmnursinginstitute@gmail.com
Limited Seat
छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा 2025-26
नर्सिंग संकाय
- बी.एस.सी (नर्सिंग)
- एम.एस.सी (नर्सिंग)
- पोस्ट बेसिक बी.एस.सी. (नर्सिंग)
ADMISSION OPEN 2025-26
नर्सिंग (PNT) ऑनलाइन आवेदन दिनांक 02.04.2025 से 25.04.2025 तक

Affiliated : Indian Nursing Council, Delhi, Chhattisgarh Nurses Registration Council, Raipur
Pt. : Deendayal Upadhyay Memorial Health, Sciences and Ayush University of Chhattisgarh
ऑनलाइन आवेदन व्यापम के अधिकारिक वेबसाईट पर https://vyapamcg.cgstate.gov.in
Job Placement | Hostel Building | Laboratory Library | Transportation & Mess

सामान्य सूचना

मैं अपने पक्षकार आवेदक अधिवक्ता प्रतीक जैन कि ओर से श्री महाकाल भैरव मंदिर ट्रस्ट पता काल भैरव मंदिर, विषकन्या बावली के बगल में, सगड़ा, जबलपुर नामक एक ट्रस्ट का पंजीकरण न्यायालय श्रीमान अनुराग सिंह, पंजीयक लोन्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी, अनुभाग गोरखपुर, जबलपुर के समक्ष किया जाने वाला है। ट्रस्ट का उद्देश्य काल भैरव मंदिर, विषकन्या बावली के बगल में, सगड़ा, जबलपुर का संरक्षण एवं धार्मिक गतिविधियों हेतु है। इस ट्रस्ट के उद्देश्यों और गतिविधियों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो, तो वह आपत्ति इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर संबंधित प्राधिकरण के पास प्रस्तुत कर सकते हैं या स्वयं या अपने अभिभाषक या अधिकर्ता के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। आपत्तियाँ केवल उचित प्रमाणों के साथ प्रस्तुत कि जानी चाहिए।

यह सूचना सार्वजनिक हित में प्रकाशित की जा रही है।

ट्रस्ट का नाम – श्री महाकाल भैरव मंदिर ट्रस्ट, काल भैरव मंदिर, विषकन्या बावली के बगल में, सगड़ा, जबलपुर

पंजीकरण कार्यालय – न्यायालय अनुराग सिंह, पंजीयक लोन्यास एवं अनुविभगीय अधिकारी, अनुभाग गोरखपुर, जबलपुर

समय सीमा - 30 दिन (सूचना के प्रकाशन की तिथि से)

यदि आपत्ति न प्रस्तुत की जाती है, तो मान लिया जाएगा कि किसी प्रकार कि कोई आपत्ति नहीं है और ट्रस्ट का पंजीकरण किया जाएगा।

प्रकाशन की तिथि- 20/04/2025
स्थान- जबलपुर

अधिवक्ता
प्रियेश कुमार शर्मा

जेईई मेन 2025 परिणाम

एलन कोटा के क्लासरूम स्टूडेंट ओमप्रकाश बेहरा ने 300 में से 300 परफेक्ट स्कोर के साथ आल इंडिया रैंक-1 टॉप किया

- कोटा कोचिंग की बदौलत राजस्थान रिजल्ट में टॉप पर, राजस्थान के 100 पर्सेन्टाइल 7 स्टूडेंट्स में से 6 एलन कोटा के क्लासरूम स्टूडेंट्स
- देश के 100 पर्सेन्टाइल 24 स्टूडेंट्स में से एलन के सर्वाधिक 11 स्टूडेंट्स
- परिणामों में टॉप-100 ऑल इंडिया रैंक में एलन के 31 स्टूडेंट्स

कोटा। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से घोषित जेईई-मेन अप्रैल रिजल्ट और आल इंडिया रैंक में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स ने श्रेष्ठता साबित की है। अब तक देखे गए परिणामों में टॉप-100 में एलन के 31 स्टूडेंट्स शामिल हैं। इनमें आल इंडिया रैंक-1 पर कोटा क्लासरूम स्टूडेंट ओमप्रकाश बेहरा ने प्राप्त की है। एलन के निदेशक डॉ.बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि एनटीए की ओर से जारी परिणामों में 24 स्टूडेंट्स ने 100 पर्सेन्टाइल स्कोर प्राप्त किया है। इसमें से 11 स्टूडेंट्स एलन से हैं। ऐसे में हर दूसरा स्टूडेंट एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट से है। इसके साथ ही सबसे अधिक 7 स्टूडेंट्स राजस्थान से हैं, इन 7 में से 6 एलन कोटा के क्लासरूम स्टूडेंट्स हैं। इन स्टूडेंट्स में ओमप्रकाश बेहरा को आल इंडिया रैंक-1, सक्षम जिंदल ने एआईआर-10, अर्नव सिंह ने एआईआर-11, राजित गुप्ता ने एआईआर-16, मोहम्मद अनस ने एआईआर-17, लक्ष्य शर्मा-एआईआर-22 हासिल की है। इसके साथ टॉप-100 पर्सेन्टाइल के 24 स्टूडेंट्स में पश्चिम बंगाल के 2, महाराष्ट्र के 3, कर्नाटक का 1, तेलंगाना के 3, गुजरात के 2, दिल्ली के 2, उत्तर प्रदेश के 3, आंध्र प्रदेश के 1 स्टूडेंट ने जगह बनाई।

अब तक देखे गए परिणामों में टॉप-100 में 31 स्टूडेंट्स एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट से हैं। इनमें ओमप्रकाश के साथ देवदत्ता माझी ने भी आल इंडिया रैंक-1 प्राप्त की है, देवत्ता एलन से ऑनलाइन टेस्ट सीरीज से जुड़ी हैं।

जेईई मेन्स 2025 के परिणामों में कोटा बना सिरमौर

कोटा कोचिंग से आल इंडिया टॉप रैंक 1 सहित टॉप 100 में हर तीसरा स्टूडेंट यहां के एलन केरियर इंस्टीट्यूट से जुड़ा हुआ है।

आकाश के 43 छात्रों ने जेईई मेन्स में 99 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए

जबलपुर। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (AESL), जो परीक्षा तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी है, ने JEE मेन्स 2025 (सेशन 2) में अपने छात्रों की शानदार उपलब्धियों की घोषणा की है। संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, मध्यप्रदेश से 43 छात्रों ने 99 परसेंटाइल या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। जबलपुर के देव कौरव ने ऑल इंडिया रैंक 169 और 99.9926 परसेंटाइल के साथ जबलपुर शहर और क्षेत्र के टॉपर बने। इन 43 छात्रों में से 16 इंदौर से, 13 जबलपुर से और 2 भोपाल से हैं। शहर टॉपर्स जबलपुर, रीवा, सागर, उज्जैन, रतलाम और कटनी से हैं। ये परिणाम छात्रों की मेहनत और अकादमिक उत्कृष्टता को दर्शाते हैं, खासकर भारत की सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक में। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने शनिवार इस सेशन के परिणाम घोषित किए, जिससे इस वर्ष की दूसरी और अंतिम JEE सेशन का समापन हुआ।

महाकोशल के स्नेहिल ने किया टॉप

नारायणा के 19 छात्रों ने जेईई मेन्स सेकंड फेस में बाजी मारी

स्नेहिल झा 99.99 पर्सेंटाइल के साथ एमपी स्टेट में सेकंड रैंक

जबलपुर। परीक्षा तैयारी के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी कोचिंग संस्थान नारायणा कोचिंग सेंटर ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मेन्स 2025 के द्वितीय चरण में बड़ी उपलब्धि की घोषणा की है। इस संस्थान के 19 छात्रों ने परीक्षा के द्वितीय चरण में 90 से अधिक पर्सेंटाइल अंक प्राप्त किए हैं। स्टेट हेड अनुराग शर्मा ने मीडिया से संस्थान की उपलब्धि शेयर करते हुए शनिवार को आयोजित की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह परिणाम देश की सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक में छात्रों की मेहनत और अकादमिक उत्कृष्टता को उजागर करते हैं।

उन्होंने बताया संस्थान के छात्र स्नेहिल झा ने जेईई मेन्स 2025 के द्वितीय चरण की परीक्षा जो कि 02 से 08 अप्रेल 2025 के बीच आयोजित की गई थी, इसमें एमपी स्टेट में सेकंड रैंक 99.99 पर्सेंटाइल के साथ हासिल की है। स्नेहित फिजिक्स ओलंपियाड में भी सिलेक्ट हो गए हैं और उनका कैंप चंडीगढ़ में लगा हुआ है, यहां से वे मुंबई जाएंगे। यहां पर उपस्थित नहीं हो सके हैं। स्नेहिल के पिता रंजीत कुमार झा सीनियर ब्रांच हेड पीएनबी सिहोरा व उनकी माता कंचन झा जिन्होंने बच्चों के करियर बनाने हेतु सिर्फ गृह में रहकर स्नेहिल को प्रेरित किया है। स्नेहित के बड़े भाई राजवर्धन मेडीकल की पढ़ाई कर रहे हैं। स्नेहिल अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता व कोचिंग संस्थान को देते हैं। स्नेहिल कम्प्यूटर इंजीनियर बनना चाहते हैं और रिसर्च के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं। स्नेहिल के साथ सभी 18 छात्र-छात्राओं ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इस चरण को भी पार कर लिया है। उल्लेखनीय है कि स्नेहिल झा ने पहले चरण में भी महाकोशल रीजन में टॉप किया था।

सेंटर के डायरेक्टर रितेश कुमार ने बताया कि हम जेईई मेन्स 2025 में अपने छात्रों की शानदार सफलता पर गर्व महसूस कर रहे हैं, उनकी मेहनत और संकल्प नारायणा की गुणवत्तापूर्ण कोचिंग के साथ मिलकर इन बेहतरीन परिणामों को संभव बना पाया है। नारायणा में हम ऐसे पाठ्यक्रमों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं जो छात्रों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचने में मदद करते हैं। हम सभी सफल छात्रों को बधाई देते हैं और उनके भविष्य के अगले चरणों के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।

शाखा प्रबंधक सत्यप्रकाश पांडे ने बताया संस्थान उच्च गुणवत्ता वाली परीक्षा तैयारी सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित है, जो छात्रों को उनकी पूरी क्षमता का एहसास दिलाकर शैक्षणिक लक्ष्यों में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है।

एडीजे कोर्ट का फैसला

किसान के हत्यारे को आजीवन कारावास

हरिभूमि न्यूज ▸▸ पेंड्रा

गौरेला में किसान की हत्या करने वाले आरोपी को एडीजे कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पूरा मामला 19 नवंबर 2022 को गौरेला थाना क्षेत्र के पिपरिया गांव का है, जहां रहने वाला किसान बुधलाल मरकाम पिपरिया गांव के लोहार बहादुर लाल अगरिया पिता महादेवना अगरिया के घर पहुंचा और जैसे ही वह घर में आवाज लगाकर घुसा इतने में ही लोहार बहादुर लाल अगरिया ने धारदार टंगिया और रॉड लेकर किसान पर हमला कर दिया। किसान बुधलाल मरकाम ने भागने की कोशिश की पर मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने डायल 108 और 112 पर फोन लगाया और मामले की जानकारी दी जहां मौके पर पहुंची 108 की टीम ने किसान को उठाकर जिला अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने किसान बुधलाल मरकाम को मृत घोषित कर दिया था। घटना के बाद से हत्यारे लोहार ने अपने आपको घर के कमरे में बंद कर लिया था और आस-पास मौजूद लोगों को देखकर हथियार लेकर अटैक करने की कोशिश करता था। ग्रामीणों के अनुसार आरोपी लोहार की मानसिक विक्षिप्त स्थिति होने के कारण उसकी पत्नी काफी परेशान रहती थी जो बच्चों को लेकर अपने मायके चली गई थी। पुलिस पर भी उसने हमला करने की कोशिश की और बाद में काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने लोहार को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की थी।

एक हजार रुपए का अर्थदंड

इस मामले में फैसला सुनाते हुए अपर सत्र न्यायाधीश पेंड्रारोड ज्योति अग्रवाल ने आरोपी बहादुर लाल अगरिया को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास और एक हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड की अदायगी में चूक होने पर अभियुक्त को तीन माह के अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा भुगतनी होगी। इस मामले में शासन की ओर से पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजक कौशल सिंह ने की।

रिटायर्ड कर्नल और उनकी पत्नी को डिजिटल अरेस्ट कर ठगे 49 लाख रुपए

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले में साइबर अपराधियों ने भारतीय सेना के एक सेवानिवृत्त कर्नल और उनकी पत्नी को कथित तौर पर 'डिजिटल अरेस्ट' कर उनसे 49 लाख रुपए ठग लिए। शिकायतकर्ता को व्हॉट्सएप पर एक वीडियो कॉल आया, जिसमें एक व्यक्ति ने खुद को 'मुंबई अपराध शाखा का अधिकारी' बताया। जालसाज ने दावा किया कि सेवानिवृत्त अधिकारी के आधार कार्ड का इस्तेमाल चार सिम खरीदने और मुंबई में एक बैंक खाता खोलने के लिए किया गया था। उसने यह भी कहा कि बैंक खाते का इस्तेमाल दो करोड़ रुपए की ठगी करने के लिए किया गया था। जालसाज ने दंपति के बैंक खातों की जांच का डर दिखाया। पिछले माह 23 तारीख को पहली बार उन्हें जालसाजों का कॉल आया। सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी की शिकायत के अनुसार वीडियो कॉल पर रहते हुए ही आरोपी ने अपने खाते में आरटीजीएस (रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट) के माध्यम से रुपये अंतरित करा लिये। यह दावा करते हुए कि दंपति के धन के स्रोत की जांच की जा रही है आरोपियों ने रुपए मांगे और शिकायतकर्ता ने 29 मार्च को नौ लाख रुपए और चार अप्रैल को 40 लाख रुपए अंतरित कर दिए।

बच्चे की यात्रा पर बैन से कोर्ट खफा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवाद में एक बच्चे की यात्रा पर प्रतिबंध लगाने संबंधी दुबई की एक अदालत के आदेश की आलोचना की। इसे दमनकारी और मानवाधिकारों का हनन करार दिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने बच्चे के पिता की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर नोटिस जारी किया, जो घाना के नागरिक हैं। संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में रहते हैं। पीठ ने 17 अप्रैल को आदेश दिया, याचिकाकर्ता को नोटिस जारी किया जाए, जिसका जवाब 28 अप्रैल 2025 तक दिया जाए। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि वैवाहिक विवाद में अदालत द्वारा यात्रा प्रतिबंध लगाना वस्तुतः घर में नजरबंद करने के समान होगा।

12 अप्रैल को हुआ था हादसा

पीआईएल फर्नेस ब्लास्ट में झुलसे जीएम की उपचार के दौरान मौत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ चांपा

स्थानीय प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड के महाप्रबंधक अनूप चतुर्वेदी की शुक्रवार 18 अप्रैल को सुबह उपचार के दौरान डीआरडीओ हैदराबाद में मौत हो गई। वे विगत 12 अप्रैल को अपरान्ह 4 बजे हुए फर्नेस ब्लास्ट हादसे में बुरी तरह झुलस गए थे। हादसे में कुल 13 लोग झुलस गए थे जिनमें से 9 का उपचार रायपुर में तथा 3 का उपचार हैदराबाद में चल रहा है।

उल्लेखनीय है कि शनिवार 12 अप्रैल को अपरान्ह 4 बजे प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड के 15 टन ओल्ड फर्नेस में हुए ब्लास्ट के कारण कुल 13 लोग बुरी तरह झुलस गये थे। इनमें प्लांट के महाप्रबंधक अनूप चतुर्वेदी (53 वर्ष) भी शामिल थे। इनके सहित अन्य 3 लोगों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए एयर एंबुलेंस से डीआरडीओ हैदराबाद भेजा गया था। इनमें से प्लांट के महाप्रबंधक अनूप चतुर्वेदी (53 वर्ष) ने शुक्रवार 18 अप्रैल को सुबह 7 बजे इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

कारखाना प्रबंधक के खिलाफ केस दर्ज

अब तक मामले में पुलिस ने औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग के निरीक्षक राहुल पटेल की रिपोर्ट पर कारखाना प्रबंधक उदय सिंह एवं अधिभोगी संजय जैन सहित अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 287,289 और (3),5 के तहत जुर्म दर्ज किया है। आज हादसे में मृत जीएम अनूप चतुर्वेदी प्लांट के कार्यपालिक निदेशक ए.के. चतुर्वेदी के चचेरे भाई बताये जाते है।

पश्चिम-बंगाल में हुई हिंसा पर बांग्लादेश की टिप्पणी पर भारत की सख्त प्रतिक्रिया

अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर भारत की चिंताओं से समानता करना 'बांग्लादेश का ढोंग'

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

लंबी चर्चा के बाद संसद से पारित और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद देश में क्रियान्वित किए गए वक्फ संशोधन कानून-2025 को लेकर पश्चिम-बंगाल के मुर्शिदाबाद में मुस्लिम समुदाय के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा पर बांग्लादेश की टिप्पणी को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि पश्चिम-बंगाल की घटनाओं को लेकर बांग्लादेश द्वारा की गई टिप्पणी को हम अस्वीकार करते हैं। अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी हिंसा और उत्पीड़न पर भारत की चिंताओं से समानता करना पड़ोसी देश एक छिपा हुआ और कपटपूर्ण प्रयास है।

बांग्लादेश में भी वक्फ बोर्ड की मौजूदगी

ये है बांग्लादेश की गलत टिप्पणी

अप्रैल की शुरुआत में पश्चिम-बंगाल के मुर्शिदाबाद समेत कुछ अन्य जगहों पर वक्फ कानून को लेकर जारी विरोध-प्रदर्शनों के बीच हिंसा हुई थी। जिसमें बांग्लादेश की भूमिका का तथ्य भी सामने आया था। इसके बाद बांग्लादेश के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा था कि हम भारत से पश्चिम-बंगाल में रहने वाली सारी मुस्लिम आबादी की सुरक्षा के लिए तमाम जरूरी कदम उठाने की अपील करते हैं।

सत्ता परिवर्तन के बाद बिगड़े संबंध

गौरतलब है कि बांग्लादेश में पिछले साल 2024 में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से अपदस्थ किए जाने और उसके बाद उनके भारत पहुंचने के साथ ही दोनों देशों के संबंध बुरी तरह से खराब हुए हैं। इसमें आग में घी डालने का काम ढाका की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस के सत्ता संभालने के बाद हुआ है। बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्पसंख्यकों पर हिंसा और अत्याचार के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

जापानी महिला अधिकारी से छेड़छाड़ मामले में कार्रवाई

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने यौन शोषण के गंभीर आरोपों के चलते अपने एक सीनियर प्रोफेसर को बर्खास्त कर दिया है। यह घटना कुछ महीनों पहले विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम के दौरान घटी थी, जिसमें जापानी दूतावास की महिला अधिकारी के साथ छेड़छाड़ हुई थी। पीड़ित महिला ने जापान लौटने के बाद शिकायत दर्ज कराई थी, जो भारतीय दूतावास और विदेश मंत्रालय की तरफ से विश्वविद्यालय पहुंची थी। जेएनयू की इंटरनल कंप्लेंट्स कमेटी ने जांच के बाद आरोपों को सही पाया। फिर विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद ने प्रोफेसर की सेवाएं सभी लाभों सहित समाप्त करने की सिफारिश की।

राशिफल

मेष – मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे।

वृष – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती

मिथुन – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क – पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह – व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या – अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला – पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक – व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर – आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

कुंभ – मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन – मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती

शब्द पहेली - 5842

मंगल सैनचा, बैंगलोर

बाएँ से दाए
1. मूर्ख, बेवकूफ (उर्दू-4)
5. संपत्ति-4
9. कटि, पीठ -3
10. प्रणाम, नमस्कार-3
12. अधीन-2
14. पितामह-2
15. कार्य-2
16. पराजय-2
17. अच्छे कुल का-3
19. तरंग, हिलोर-3
21. एक प्रकार की दाल-3
22. ओस, रजनी जल (उर्दू-4)
24. गगन, आकाश-4
25. स्वच्छ करना-5
26. आश्चर्यजनक-4
29. जो लायक न हो-4
33. उल्टी, कै-3
34. रनिवास, जनवासा-3
36. पंक्ति, लाइन-3
37. सुर, लय, आलाप-2
38. दंड, शिक्षा-2
39. पराजय-2
41. झुका हुआ -2
42. कर्म, भाग्य-3
43. भार-3
45. भूल, गलती (उर्दू-4)
46. भाग्य, नसीब-4

ऊपर से नीचे
2. अधिकार-2
3. मां का दुलार-3
4. ताली की आवाज-4
5. अनुभवी-4
6. जुड़वा-3
7. दक्षिणा-2
8. राम के पुत्र-2,2
11. अभिलाषा, -4
13. क्रूस, सूली-3
16. पाचनशक्ति-3
18. ईसाई साध्वी-2
20. जीवनसाथी -5
21. गरबा, नृत्य-2
23. मालिश-3
24. दर्पण, शीशा-3
26. ईश्वर-4
27. बाग, गुलिस्तां-3
28. क्रिकेट में बनते हैं-2
30. दुलारा, पुत्र-2
31. भरोसा, विश्वास-3
32. करामात-4
34. शेविंग करना-4
35. हाथी साधने वाला-4
38. आसान, सीधा-3
40. कपड़े धोने वाला-3
42. बलगम-2
44. सरिता-2

शब्द पहेली - 5841 का हल

	ज	हा	ल	त			नि	ड	र	
क	प		क्ष्य		आ	स	रा		मा	मा
ल			ही	र	क		ला			हि
प	रा	धी	न	ता		द		अ	सु	र
ना		र		लू	ट	मा	र		रै	
	सा	ज						सा	या	
	ब		फि	त	र	त		ह		मा
का	न	न		ल		न	क	ब	ज	न
फि			व		शा	य	र			हा
र	बा		च	म	न		त		श	नि
	द	म	न			रो	ब	दा	र	

सूडोकू बवाल - 5852

* * * * * कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू बवाल - 5851 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

कवर स्टोरी
डॉ. माजिद अलीम

बिगड़ते पर्यावरण, बदलते जलवायु के कारण धरती के बढ़ते तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव दुनिया भर में प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखने लगे हैं। इसका असर अब हमारी हेल्थ पर भी पड़ने लगा है। कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से लोग ग्रस्त हो रहे हैं। इनसे कुछ हद तक बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतने के साथ यहां बताई जा रही बातों पर अमल करना जरूरी है।

हमारी हेल्थ को बिगाड़ रही ग्लोबल वार्मिंग

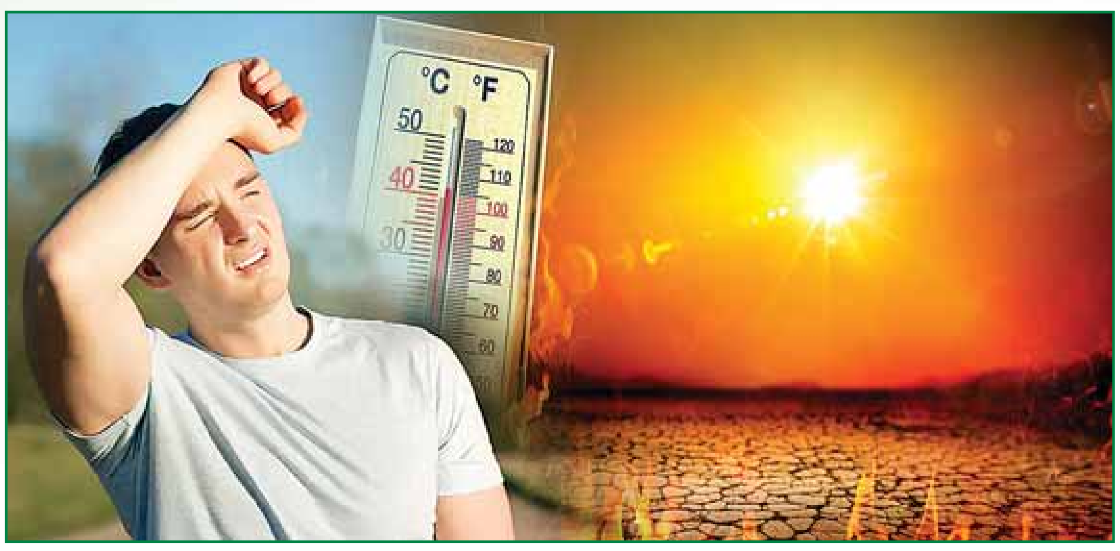

जलवायु, मौसम और बारिश के पैटर्न को ही नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग, हमारी हेल्थ और फिटनेस पर भी अब तेजी से असर डाल रही है। ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे पर्यावरण को जिस तरह से प्रभावित किया है, उसे तो हम कई सालों पहले से जान रहे हैं, लेकिन अब हमें अपनी हेल्थ पर भी इसके असर दिखने लगे हैं।

बढ़ते हीट स्ट्रोक

हम सब जानते हैं कि ज्यादा तापमान में व्यायाम करने से शरीर में डिहाइड्रेशन होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, इन दिनों ऐसा ही हो रहा है। पिछले दो सालों में यूरोप और अमेरिका में सबसे ज्यादा डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मामले सामने आए हैं। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां पहले कभी हीट वेव नहीं चला करती थी। पेरिस, न्यूयॉर्क और लंदन में भी हाल के सालों में साइकिलिंग के दौरान लोगों में हीट स्ट्रोक के केसेस 5 से 15 फीसदी तक बढ़े हैं। न्यूयॉर्क में 2023 और 2024 में हीट स्ट्रोक की जितनी घटनाएं सामने आई हैं, पिछली सदी में उसके 10वें हिस्से के बराबर भी नहीं आई थीं। जाहिर है, ये बढ़ते तापमान का नतीजा है। यही वजह है कि यूरोप और अमेरिका के ज्यादातर शहरों में अब खासतौर पर जिम की नई गाइडलाइन में एक्सरसाइज के लिए शाम और सुबह को प्राथमिकता दी जा रही है।

बिगड़ती एयर क्वालिटी

दिल्ली और मुंबई समेत देश के कई मेट्रो शहरों में पिछले तीन सालों में वायु प्रदूषण बेहद खराब स्तर का हो गया है। दिल्ली में तो प्रतिवर्ष हवा की खराब गुणवत्ता के कारण इससे बीमार पड़ने और मरने वाले लोगों की संख्या में 10 हजार से 15 हजार के बीच इजाफा हुआ है। दिल्ली में पिछले पांच सालों से हवा औसतन साल के 300 दिन सामान्य से

बहुत ज्यादा खराब रहती है। इसीलिए अब दिल्ली में स्वास्थ्य विशेषज्ञ, खासकर फिटनेस के जानकार, बूढ़े लोगों को सुबह के समय घर से बाहर घूमने जाने की सलाह नहीं देते हैं, क्योंकि दिल्ली में हवा इतनी प्रदूषित है कि घूमने से जो फायदे हो सकते हैं, उससे कहीं ज्यादा हेल्थ के लिए नुकसान होने की आशंका रहती है। दिल्ली जैसे वायु प्रदूषण से ग्रस्त शहर में सुबह के समय दौड़ने या खुली हवा में योग करने से सांस संबंधी बीमारियां बढ़ जाने का खतरा पैदा हो गया है। जिस तरह से ऐसे महानगरों की हवा प्रदूषित है, उससे फेफड़ों की क्षमता प्रभावित हो रही है। यही वजह है कि ऐसे प्रदूषित शहरों में कार्डियो वर्कआउट्स कम प्रभावी हो रहे हैं।

विशेष: पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल

बिगड़ती मानसिक सेहत

ग्लोबल वार्मिंग के कारण सिर्फ शारीरिक परेशानियां ही नहीं बढ़ीं बल्कि मानसिक तनाव भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है। हमारे

व्यायाम की आदतें बदल गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ता हीट स्ट्रोक और तनाव हमारे मानसिक स्वास्थ्य को लगातार प्रभावित कर रहा है। दरअसल, इस ग्लोबल वार्मिंग का असर हमारी फसलों के ऊपर और हमारे पोषण की गुणवत्ता पर भी पड़ा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कुछ फसलें कम पैदा हो रही हैं, खासकर प्रोटीन और मिनरल्स से भरपूर फ्रूट्स का उत्पादन घटा है और इनकी कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। महंगे होने के कारण लोग आसानी से इन्हें नहीं खा पा रहे हैं। इससे भी हमारी मेंटल फिटनेस पर असर पड़ रहा है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी लाइफस्टाइल और डाइट का पूरा ध्यान रखना होगा। *

स्वस्थ रहने के लिए इन बातों पर करें अमल

वैज्ञानिक पिछले तीन दशकों से दुनिया भर के लोगों को आगाह कर रहे हैं कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बावजूद इसके ग्लोबल वार्मिंग कम करने के लिए जितने उपाय किए जाने चाहिए, वो नहीं हो रहे हैं। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदूषण का संकट इतना गहरा हो गया है कि अब इस स्थिति में रातों-रात सुधार नहीं हो सकता है। कहने का मतलब यह है कि अब हमें इसी खराब मौसम और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के साथ जीना है। ऐसे में ग्लोबल वार्मिंग के रहते हुए अपनी सेहत और फिटनेस का ध्यान रखने के लिए कुछ बातों पर अमल करना होगा-

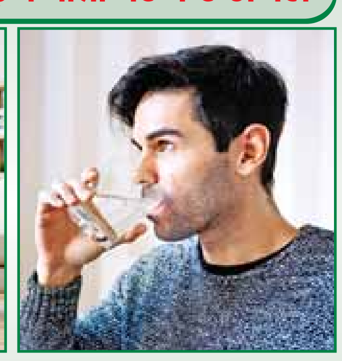

- व्यायाम हमेशा सुबह या शाम के समय ही करें। जब तापमान और वायु गुणवत्ता दोनों बेहतर हों।
- आउटडोर एक्सरसाइज से बचें, क्योंकि इन दिनों प्रदूषण की स्थिति काफी बिगड़ी हुई है और ग्लोबल वार्मिंग से मिलकर यह प्रदूषण और भी नुकसान करता है। इसलिए घर के भीतर या जिम में ही व्यायाम को प्राथमिकता दें।
- गर्मी वाले महीने अप्रैल, मई, जून ही नहीं जुलाई और अगस्त के महीने तक भी व्यायाम करते समय सतर्क रहें। पर्याप्त मात्रा में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन करें।
- घर से बाहर निकलते समय हमेशा पॉल्यूशन मास्क जरूर लगाएं।
- घर और ऑफिस के भीतर एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें।
- अपने घर, गार्डन या आस-पास के पार्क में पेड़ लगाने के साथ पर्यावरण को बेहतर बनाने की दिशा में भी छोटे-छोटे कदम उठाएं।
- पिछले एक दशक से लगातार वैज्ञानिकों की चेतावनियों के बावजूद प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग और अंधाधुंध विकास की भाग-दौड़ में हमारे इर्द-गिर्द की हवा, पानी, मिट्टी, खाद्य सामग्रियां, सब कुछ प्रदूषित, संक्रमित या ग्लोबल वार्मिंग के कारण असामान्य हो गई हैं। ऐसे में व्यायाम करने, खान-पान से लेकर जीवनशैली के तौर-तरीकों पर सजगता बरतनी होगी।

आत्मप्रेरणा
राजयोगी बीके निकुंज जी

यह जानते हुए भी कि धरती के संसाधनों का अति दोहन करने से हम सभी का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा, हम सचेत नहीं हो रहे हैं। अपनी धरती को बचाए रखने के लिए बिना देर किए हम सभी को प्रकृति संरक्षण के प्रभावी प्रयास करने होंगे।

पुकार रही है प्रकृति बचा लें अपनी धरती

सदियों से प्रकृति और यह धरती, कवियों और लेखकों के लिए आराधना और प्रशंसा का विषय रही है। इसीलिए जब हम कश्मीर की सुंदर घाटी को या फिर हिमालय से बहती हुई पावन नदी गंगा के प्रवाह को देखते हैं, तब मन ही मन हमें इस बात का अहसास होने लगता है कि सचमुच ही हम मनुष्य, शक्तिशाली प्रकृति की सामर्थ्य के समक्ष कितने तुच्छ और शक्तिहीन हैं! हम सभी इस तथ्य से परिचित हैं कि धरती मां, हमारा पालन-पोषण ठीक ऐसे ही करती है, जैसे कोई माता अपनी संतान का। आहार जुटाने से लेकर जीवन के लिए जरूरी अनेक कार्य प्रकृति पूरी तत्परता के साथ निभाती है। मान लीजिए, यदि वह अपने इस नित्य कार्य को करना बंद कर दे, तो फिर हम मनुष्यों का क्या हाल होगा, इसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं।

बढ़ रही प्राकृतिक आपदाएं: पिछले डेढ़-दो दशक में समस्त संसार में हुई प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओ को देखते हुए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता हैं कि प्रकृति वर्तमान में हम मनुष्यों से बड़ी रुष्ट है और अगर हमने अपने आप में परिवर्तन नहीं किया तो उसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। हाल ही में भारत के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाओं और भारी

बारिश के कारण स्थानीय लोगों को अपना घर छोड़कर सरकारी टेंटो में जाकर रहने की नौबत आई, जिसके चलते उनके मन में प्रकृति के प्रति शिकायत का भाव देखा गया। लेकिन हम इंसान अकसर यह भूल जाते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं और धरती की बिगड़ती मौजूदा हालत के जिम्मेदार हम खुद ही हैं।

रोकनी होगी वृक्षों की कटाई: पर्यावरण विशेषज्ञों के मतानुसार बादल फटने की घटना का गहरा संबंध वन की अनियंत्रित कटाई से होता है, जिसे साधारण भाषा में वनोन्मूलन या डिफॉरेस्टेशन कहते हैं। वनस्पति विशेषज्ञों द्वारा किए गए अनुसंधान से यह सिद्ध हुआ है कि पहाड़ी इलाकों में आए दिन होने वाली बादल फटने की घटनाओं और उससे होने वाली तबाही को कम करने के लिए समुद्र तल से 4000 से 8000 फुट की ऊंचाई पर अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाए जाने चाहिए। परंतु दुर्भाग्यवश पर्यटन में सुधार करने के लिए हम वृक्ष लगाने के बजाय, वृक्षों को काट रहे हैं और जंगलों का नाश कर रहे हैं, जिसका सीधा असर प्रति वर्ष नदी तटीय इलाकों में बसे गांव या शहरों में होने वाली बाढ़ के रूप में हमें देखने को मिलता है।

हम सब करें प्रकृति संरक्षण: श्रीमद भगवदगीता के तीसरे अध्याय में कहा गया है-

देवान्भावयतानेन ते देवा भावयन्तु वः।
परस्परं भावयन्तः श्रेयः परमवाप्स्यथ॥

अर्थात तुम सब यज्ञ कर्मों द्वारा देवताओं की उन्नति करो और वे देवता तुम लोगों की उन्नति करेंगे। अब यदि आज के समय में इस श्लोक का भावार्थ किया जाए तो देवताओं को प्रसन्न रखने का अभिप्राय यहां प्रकृति को संतुलित एवं व्यवस्थित रखने से भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रकृति, दैवीय शक्तियों की क्रीड़ा भूमि है और उसके अनुदानों से विश्व-वसुंधरा पुष्पित, पल्लवित होती तथा समुन्नत बनती है। इसलिए हम सभी मनुष्यों के लिए यह अनिवार्य है कि अपने कल्याणार्थ प्रकृति के साथ विवेकसम्मत व्यवहार करें और उसके आशीर्वाद का पात्र बनें न कि श्राप का। अच्छे कर्म का फल अच्छा मिलता हैं और बुरे का बुरा, यह सर्वविदित है। कहने को तो यह सिद्धांत पुराना पड़ गया है किंतु इसके पीछे छुपा तथ्य सनातन है और यह सिद्धांत सृष्टि के कण-कण में आज भी विद्यमान है। अतः यदि हम धरती मां के साथ सम्मानजनक व्यवहार करेंगे तो हमें उतना ही प्यार और स्नेह उनसे प्राप्त होगा। लेकिन अगर हम उसके संसाधनों का दुरुपयोग करना जारी रखेंगे, तो फिर हमें भूकंप, बाढ़, अकाल, भूस्खलन जैसे प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करना ही पड़ेगा। *

संकट
नरेंद्र शर्मा

अब समय आ गया है कि हम सब पृथ्वी की बदतर होती स्थिति को लेकर केवल चिंता न प्रकट करें, उसे सुधारने के लिए कारगर कदम भी उठाएं।

चिंता जताने से नहीं सुधरेगी पृथ्वी की सेहत

हर साल 22 अप्रैल पृथ्वी दिवस के अवसर पर पूरी दुनिया के 190 से ज्यादा देश मिलकर पृथ्वी की दिनों-दिन बिगड़ती सेहत पर चिंता व्यक्त करते हैं, इसे सुधारने का आह्वान करते हैं, नई-नई नीतियां बनाते हैं, लेकिन नतीजा न केवल वही रहता है बल्कि लगातार धीरे-धीरे पृथ्वी की सेहत बद से बदतर होती जा रही है।

बीत गई आधी सदी: पहली बार 22 अप्रैल 1970 को अमेरिका में दुनिया के कई पर्यावरणविद जुटे थे और उन्होंने चेताया था कि अगर औद्योगिकीकरण के चलते हमारी नदियां इसी तरह कचरे से पटती रहीं, हवा में जहर इसी तरह घुलता रहा, पेड़ कटते रहे और ग्लेशियरों की बर्फ पिघलती रही, तो जल्द ही यह धरती इंसानों के रहने लायक नहीं बचेगी। जब वैज्ञानिकों ने पहली बार यह सब चेतावनी के तौर पर ऊंचे स्वर में कहा तो एक स्वाभाविक चिंता बनी और दुनिया की करीब-करीब हर सरकार ने पृथ्वी को बचाने के लिए संकल्प लिया। लेकिन इस सबके बाद भी नतीजा सकारात्मक बिल्कुल नहीं रहा। 1970 में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की सेहत को जिस तरह बिगड़ते हुए पाया था, इन 55 सालों में एक बार भी स्थिति उससे बेहतर नहीं हुई, लगातार पृथ्वी की सेहत खराब ही होती जा रही है।

बातें नहीं लेना होगा एक्शन: इस साल पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी को बचाने के लिए विशेषज्ञों ने जिस थीम का आह्वान किया है, वह है-हमारी शक्ति, हमारा ग्रह। हमारी शक्ति से आशय सरकार, उद्योग या वैज्ञानिकों की शक्ति नहीं है बल्कि इसका भाव यह है कि ये हमारी आदतें, हमारा आचरण और ये हमारा उपभोग ही है, जो अंततः हमारी पृथ्वी की सेहत पर असर डालता है। कुल मिलाकर यह कि यह हमारी चुनाव की शक्ति है कि हमें वास्तव में पृथ्वी को बचाने के लिए कुछ करना है या बड़ी-बड़ी बातें ही करनी हैं। चूंकि पृथ्वी एक भौगोलिक क्षेत्र भर नहीं है, यह एक जीवंत ग्रह है, इसलिए अगर हमने पृथ्वी को बचाने के लिए किसी जीवित इंसान की तरह ईमानदारी से कोशिश नहीं किया तो जल्द ही वह समय आएगा, जब हमारी सारी समझदारी और सारी जानकारी के बावजूद पृथ्वी की हालत सुधरेगी नहीं।

सबसे बड़ा खतरा प्लास्टिक: आज की तारीख में धरती को सबसे ज्यादा खतरा प्लास्टिक से है। प्लास्टिक के खतरे को हम कई दशकों से जानते हैं और लगातार सरकारें प्लास्टिक के कम से कम इस्तेमाल का आह्वान करती रही हैं। भारत जैसे देश में तो हाल के कुछ सालों में कितनी ही बार प्लास्टिक के इस्तेमाल में तरह-तरह के प्रतिबंध लगे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि प्रकट रूप में प्लास्टिक से बचने के लिए दिन-रात किए जा रहे आह्वानों, प्रतिबंधों और नीतियों के बावजूद प्लास्टिक का इस्तेमाल घटने की बजाय दिन-पर-दिन बढ़ता ही जा रहा है। आज हर साल 40 करोड़ टन से भी ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन होता है और इसमें से 50 फीसदी सिंगल यूज प्लास्टिक होता है, जो पृथ्वी की सेहत के लिए सबसे खतरनाक है। धरती की तो छोड़िए अब समुद्र भी इस प्लास्टिक से पट गया है। सिर्फ जमीन और समुद्र ही नहीं दुनिया के किसी देश में शायद ही ऐसा खान-पान बचा हो, जिसमें बड़े पैमाने पर माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े घुल-मिल न गए हों। यहां तक कि नवजात शिशुओं के रक्त में भी प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। आखिर ये स्थितियां किस बात की सूचक हैं? शायद इसी बात की कि हम चिंता तो खूब प्रकट करते हैं, आह्वान भी खूब करते हैं, लेकिन अमल बिल्कुल नहीं करते। ऐसे में भला पृथ्वी की सेहत सुधरेगी भी तो कैसे?

हवा-पानी सब प्रदूषित: देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के कई महानगर अकसर भयावह वायु प्रदूषण से ग्रसित रहते हैं। यही हाल हमारी नदियों का भी है। गंगा, यमुना जैसी जीवनदायिनी नदियां, पर्यावरणविदों की दिन-रात जताई जा रही चिंता के बावजूद प्रदूषण से दम तोड़ रही हैं। पहले तो इनमें औद्योगिक ईकाइयों का गंदा पानी ही शामिल होकर इन्हें जहरीला बना रहा था, लेकिन अब तो हमारी इन नदियों में भी प्लास्टिक एक बड़ा खतरा बन गया है। जिस तरह से लगातार हिमालयी ग्लेशियर पिघल रहे हैं, उससे यह स्थिति कभी पैदा हो सकती है कि गंगा नदी सूख जाए या कि मौसमी नदी बन जाए।

हमारा संकट यह है कि हम एक तरफ जहां पृथ्वी के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखकर चिंतित हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हम अपने उपभोग का तौर-तरीका नहीं बदल रहे। अगर हमने अपने जीवनशैली से जरा भी समझौता नहीं किया तो पृथ्वी की सेहत को लेकर चाहे जितनी चिंता प्रकट करें, इसे बचा नहीं सकते। *

गजल
हबीब कैफ़ी

क्या हुआ जो बात करना हमको आया ही नहीं
फिर भी चेहरे पर कोई चेहरा लगाया ही नहीं

आप तो क्या चीज हैं पत्थर पिघल जाते जनाब
गीत कोई दिल से अब तक हमने गाया ही नहीं

मुस्कुराया वो मेरे कुछ पूछने पर इस तरह
कुछ बताया भी नहीं लेकिन छुपाया ही नहीं

रोज आता है यहां वो रात के पिछले पहर
नींद से लेकिन कभी उसने जगाया ही नहीं

क्या डराएगा कोई साया हमें 'कैफ़ी' यहां
उसके हम बंदे हैं साहिब जिसका साया ही नहीं

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब का डबल मजा

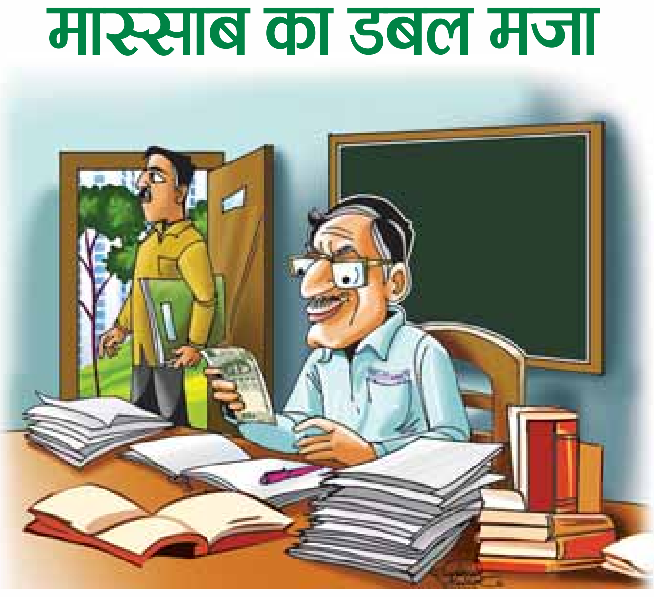

मास्साब वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का कई दिनों से केंद्रीय कक्ष में सामूहिक मूल्यांकन कर रहे थे। लेकिन आज की कॉपी की जंचाई में मास्साब को बहुत मजा आया। वह प्रायः उत्तर पुस्तिकाएं पढ़कर नंबर नहीं दिया करते थे। उनके अपने कुछेक प्रिंसिपल्स थे। इनको मास्साब ने अपने ही विद्यालय के पूर्व प्रिंसिपल से उत्तराधिकार में ग्रहण किया था। मगर आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब कॉपियां जांचने बैठे। पहली उत्तर पुस्तिका खोली, तो उनकी आंखें ऐसी फैलनी शुरू हुईं कि वे सिकुड़ने का नाम ही नहीं ले रही थीं। मास्साब ने जेब से चश्मा निकाला। किसी तरह अपनी विजन की व्यापकता को कंट्रोल किया। दरअसल, मास्साब चक्षु बंद करके नंबरादि दिया करते थे, इसीलिए वह कॉपी जांचते टाइम चश्मा नहीं लगाते थे।

पहली ही उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ इतना मनमोहक! किसी फिल्मी पत्रिका के कलर्ड कवर को मात देता हुआ एक रंगीन हार्ट का चित्र अंकित था। मास्साब ने चश्मा नहीं उतारा। परीक्षार्थी की हैंड राइटिंग तो और भी ब्यूटीफुल थी। अंकित था, 'हे अंकस्वामी, मैंने आज अपना दिल खोलकर आपके सामने फैला दिया है। मेरा आगामी फ्यूचर आपके हाथ है। उबार लीजिए, चाहे डुबा दीजिए।' साथ में एक सौ रुपए का करारा नोट नत्थी था। मास्साब ने गहरी सांस ली। चतुर्दिक देखा। सहकर्मी परीक्षक परीक्षार्थियों का भविष्य दुरुस्त करने में तल्लीन थे। मास्साब की नीयत का मोर, मूल्यांकन कक्ष के जंगल में नाच उठा। जैसा कि होता है, जंगल में मोर नाचा, किसने देखा? सो किसी ने नहीं देखा। सौ का वह नोट मोरपंख बनकर मास्साब की जेब में घुस गया। आज की कॉपी जंचाई में मास्साब को सचमुच बड़ा मजा आया।

अगली तीन-चार कॉपियां ठीक-ठाक बच्चों की थीं। मास्साब को वे सब घामड़ लगे और महाबोर भी। उन्होंने थोड़े मार्क्स दे मारे। किंतु पांचवीं कॉपी झन्नाटेदार थी। उसमें लिखा हुआ था, 'हे संकटमोचक सर या मैडम (क्योंकि मुझे पता नहीं है), जब आप मेरे को भरपूर नंबरों से पास कर दीजिएगा, तब लास्ट पेज खोलिएगा। आपको पांच सौ रुपए का एक नोट दिखेगा। मैंने उत्तीर्ण होने की मनौती मान रखी है। आप भगवान को मेरी तरफ से प्रसाद जरूर चढ़ा दीजिएगा।'

मास्साब ने तत्काल उस विद्यार्थी की कॉपी में पूर्ण लब्धांक टांके। मंदिर कौन जाए? उन्होंने चपरासी को बुलाया और बगल के हलवाई के यहां से दो सौ रुपए के लड्डू मंगवाए। सहयोगी शिक्षक-शिक्षिकाओं के मध्य मिष्टान्न वितरण कराया। बाकी के लडडू घर के लिए अपने बैग के हवाले किए। आज मास्साब का मजा सचमुच डबल हो चुका था। *

लघुकथा / यशोधरा भटनागर

मैं चाहता हूं

काका, खाना तैयार हो गया? सभी मेहमानों को पहले सॉफ्ट ड्रिंक्स और स्नैक्स दीजिएगा। मेहमान भी आते ही होंगे।' हाथ में ब्रेसलेट को लॉक करते हुए मैंने काका से पूछा।

'हओ बहू जी! बस अब्बई लगाए दे रहे।' लॉन का चक्कर लगा कर सारी तैयारियां देख लीं। रोशनी की झिलमिलाती लड़ियां भी सभी अपने-अपने स्थान पर जगमगा रही थीं। बेटे बंटू के जन्मदिन को हम खूब धूमधाम से मनाना चाहते हैं आखिर वह हमारा इकलौता बेटा है। अपने दादी-दादी सबका बहुत दुलारा है।

उत्सव की सारी तैयारियां हो चुकी थीं। मम्मी जी, पापा जी, रवि सभी रेडी होकर लॉन में लगी चेयर्स पर बैठे अपने-अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थे। मुझे भी ऑफिस एक अर्जेंट मेल करना है। सुबह से समय ही नहीं मिला। जल्दी से वह काम भी कर लेती हूं। बंटू को भी रेडी कर दिया है। मेहमानों के आने तक और कोई काम भी नहीं है।

तभी मेरा ध्यान बंटू की ओर गया, झपझपाती लाइटों से चमचमाते पारिजात के पेड़ के नीचे गुमसुम बैठा हुआ है। 'बंटू बेटा, व्हाट हैप्पंड? टुडे इज योर बर्थ डे! सो एंज्वॉय बच्चे।' बंटू के गालों को प्यार से थपथपाते हुए मैंने कहा।

'किसके साथ?' सूनी आंखों से मुझे देखते हुए वह धीरे से बोला।

'ओह बंटू! मुझे बताओ आप क्या चाहते हो?' उसे मनाने के अंदाज में मैंने उससे पूछा। 'मम्मी मैं मोबाइल फोन बनना चाहता हूं। भगवान जी मुझे मोबाइल फोन बना देते तो मैं...।' 'व्हाट..!' मैं सिर से पैर तक झनझना उठी। *

चेन्नई के खिलाफ आज जीत की हैट्रिक लगाने की तैयारी में मुंबई इंडियंस

एजेंसी ▶▶| मुंबई

चेन्नई सुपर किंग्स की खराब फॉर्म इंडियन प्रीमियर लीग के 'क्लासिको (सबसे ज्यादा प्रतिद्वंद्विता वाला मैच)' की चमक को कम कर सकती है, लेकिन मुंबई इंडियंस के लिए रविवार को यहां अपनी जीत की लय बरकरार रखने के लिए रणनीति बदलने की चुनौती होगी।

मुंबई ने शुरुआती मैचों की निराशा को पीछे छोड़ते हुए अपने पिछले दो मैचों में दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद को मात देकर अच्छी वापसी की है। हार्दिक पंड्या की अगुवाई वाली टीम तालिका में सातवें पायदान पर है और वह मौजूदा सत्र में जीत की हैट्रिक लगाने के साथ सत्र के अपने पहले मैच में इस टीम से मिली हार का बदला चुकता करना चाहेगी।

स्पिनरों से पार पाना मुश्किल

मुंबई इंडियंस को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ स्पिनरों की मददगार पिच पर खेलना टीम के लिए जोखिम भरा हो सकता है। चेन्नई के पास शानदार लय में चल रहे खब्बू स्पिनर नूर अहमद के अलावा अनुभवी रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन का भी विकल्प है। नूर ने सात मैचों में 12 विकेट लिए है, जिसमें मुंबई के खिलाफ शुरुआती मैच में तीन सफलता शामिल है।

मुंबई का पलड़ा भारी

चेन्नई के खिलाफ सत्र का पहला मैच गंवाने के बावजूद मौजूदा फॉर्म के आधार पर मुंबई का पलड़ा भारी है। रोहित शर्मा ने अभी तक बड़ा स्कोर नहीं बनाया है, लेकिन सनराइजर्स के खिलाफ उनकी तेज शुरुआत ने टीम को बिना किसी दबाव के लक्ष्य का पीछा करने की आजादी दी। तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी दिखी है लेकिन रयान रिकेल्टन ने शीर्ष क्रम में अच्छा योगदान दिया है। विल जैक्स के हरफनमौला खेल ने सनराइजर्स की जीत में अहम भूमिका अदा की थी।

पंजाब के खिलाफ आरसीबी को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

मुल्लांपुर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को अगर इंडियन प्रीमियर लीग में अपना अभियान वापस पटरी पर लाना है तो पंजाब किंग्स के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले मैच में उसके बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पंजाब के खिलाफ शुक्रवार को बेंगलुरु में खेले गए मैच में टिम डेविड को छोड़कर आरसीबी का कोई भी बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया और टीम को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। आरसीबी के पास फिल साल्ट, विराट कोहली, कप्तान रजत पाटीदार और लियाम लिविंगस्टोन जैसे धाकड़ बल्लेबाज हैं लेकिन उनके पास वापसी करने का बहुत कम समय है। पाटीदार ने बेंगलुरु में पंजाब के हाथों पराजय के लिए बल्लेबाजों की नाकामी को जिम्मेदार ठहराया था।

खास खबर

भारतीय टीम से छुट्टी होने के बाद कोलकाता से जुड़े नायर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बीच बीसीसीआई ने सहायक कोच अभिषेक नायर को आठ महीने के कार्यकाल के बाद ही बाहर का रास्ता दिखा दिया था। टीम इंडिया से बाहर होने के कुछ दिनों बाद ही अभिषेक नायर को नई नौकरी मिल गई है। दरअसल, पिछले सीजन की विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स ने अभिषेक नायर को अपने साथ जोड़ लिया है। वह असिस्टेंट कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। कोलकाता नाइटराइडर्स ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी शेयर की है। केकेआर ने एक्स पर अभिषेक नायर की एक तस्वीरे शेयर की है। इसमें वह कोलकाता की जर्सी में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गया, घर वापस आने पर आपका स्वागत है। नायर पहले भी कोलकाता की कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रहे हैं।

यह चिन्नास्वामी के आम विकेट की तरह नहीं

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा कि यहां का विकेट चिन्नास्वामी के आम विकेट की तरह नहीं है तथा उनके बल्लेबाजों का पिछले मैचों से सबक नहीं लेने के कारण उन्हें अपने घरेलू मैदान पर लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। आरसीबी को शुक्रवार को बारिश से प्रभावित मैच में पंजाब किंग्स से पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इससे पहले वह अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स से भी हार गया था।

युजवेंद्र चहल सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक

बेंगलुरु। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने युजवेंद्र चहल को इंडियन प्रीमियर लीग के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक करार देते हुए कहा कि उन्होंने इस लेग स्पिनर से निजी बातचीत में रन जाने की चिंता करने के बजाय विकेट लेने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। चहल मौजूदा आईपीएल में शुरू में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन उन्होंने अब अपनी लय हासिल कर ली है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए मैच में उन्होंने रजत पाटीदार और जितेश शर्मा के विकेट लेकर पंजाब की पांच विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	7	5	2	10
दिल्ली	7	5	2	10
पंजाब	7	5	2	10
बेंगलुरु	7	4	3	8
लखनऊ	7	4	3	8
कोलकाता	7	3	4	6
मुंबई	7	3	4	6
राजस्थान	7	2	5	4
हैदराबाद	7	2	5	4
चेन्नई	7	2	5	4

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
357 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
14 विकेट
चेन्नई

आईपीएल : टाइटन्स ने कैपिटल्स को सात विकेट से हराया

कृष्णा का 'चौका', बटलर के नाबाद अर्धशतक से शीर्ष पर पहुंचा गुजरात

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

गुजरात टाइटन्स प्रसिद्ध कृष्णा (चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद जोस बटलर (नाबाद 97 रन) के अर्धशतक की मदद से शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से हराकर तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। गुजरात टाइटन्स, दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के 10-10 अंक हैं लेकिन बेहतर नेट रन रेट से शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम पहले स्थान पर पहुंच गई।

जीत के लिए 204 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बटलर और शेरफाने रदरफोर्ड (43 रन) ने गुजरात टाइटन्स के लिए तीसरे विकेट के लिए 69 गेंद में 119 रन की रिकॉर्ड साझेदारी बनाई। घरेलू टीम के लिए इससे पहले तीसरे विकेट के लिए साझेदारी का रिकॉर्ड 90 रन का था। बटलर ने 54 गेंद की पारी के दौरान 11 चौके और चार छक्के जड़े जबकि रदरफोर्ड ने 34 गेंद में एक चौके और तीन छक्के जड़े। बटलर अपना शतक पूरा नहीं कर सके क्योंकि अंतिम ओवर में राहुल तेवतिया ने मिचेल स्टार्क की पहली गेंद पर डीप मिडविकेट पर छक्का जड़ा और अगली गेंद पर चौका जड़कर चार गेंद रहते जीत दिलाई।

गेंदबाजों ने कसी लगाम

कृष्णा के चार विकेट लेने के बावजूद अच्छी शुरुआत से बड़े स्कोर की ओर बढ़ती हुई दिल्ली कैपिटल्स की टीम आठ विकेट पर 203 रन ही बना सकी। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद टीम कई मौकों पर बड़े स्कोर की ओर बढ़ती दिख रही थी लेकिन घरेलू टीम के गेंदबाजों ने हर मौके पर वापसी करते हुए उसके बल्लेबाजों पर लगाम कसी। कप्तान अक्षर पटेल ने 39 रन और आशुतोष शर्मा ने 37 रन का योगदान दिया। ट्रिस्टन स्टब्स और करूण नायर ने 31-31 रन बनाए।

सिराज ने पहले ओवर में लुटाए 16 रन

गुजरात टाइटन्स के लिए मोहम्मद सिराज ने अपने पहले ओवर में 16 रन लुटाए जबकि दूसरे स्पैल के दो ओवर में 14 रन देकर एक विकेट झटका। अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने तीन ओवर में 19 रन देकर एक विकेट प्राप्त किया। स्पिनर साई किशोर ने बस अंतिम ओवर डाला जिसमें उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स को महज नौ रन बनाने दिए और एक विकेट आशुतोष शर्मा के रूप में लिया। अगर आशुतोष डटे रहते तो यह स्कोर बड़ा हो सकता था।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
पोरेल का सिराज बो अरशद	18	09	3	1
नायर का अरशद बो कृष्णा	31	18	2	2
राहुल पगबाधा बो कृष्णा	28	14	4	1
अक्षर का बटलर बो कृष्णा	39	32	1	2
स्टब्स का कृष्णा बो सिराज	31	21	2	1
आशुतोश का सब बो किशोर	37	19	2	3
निगम का बटलर बो कृष्णा	00	01	0	0
फरेरा का किशोर बो ईशांत	01	03	0	0
मिचेल स्टार्क नाबाद	02	02	0	0
कुलदीप यादव नाबाद	04	01	0	0

अतिरिक्त : 12, कुल : 20 ओवर में 203/8

गेंदबाजी : सिराज 4-0-47-1, अरशद 4-0-46-1, कृष्णा 4-0-41-4, राशिद 4-0-38-0, ईशांत 3-0-19-1, साई किशोर 1-0-9-1.

गुजरात टाइटन्स	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का स्टब्स बो कुलदीप	36	21	5	1
शुभमन गिल रन आउट	07	05	1	0
जोस बटलर नाबाद	97	54	11	4
रदरफोर्ड का स्टार्क बो मुकेश	43	34	1	3
राहुल तेवतिया नाबाद	11	03	1	1

अतिरिक्त : 10, कुल : 19.2 ओवर में 204/3

गेंदबाजी : स्टार्क 3.2-0-49-0, मुकेश 4-0-40-1, अक्षर 2-0-18-0, निगम 4-0-34-0, कुलदीप 4-0-30-1, मोहित 2-0-28-0.

राहुल के सबसे तेज 200 छक्के

नई दिल्ली। आईपीएल के 18वें सीजन में केएल राहुल का बल्ला लगातार रन उगल रहा है। वह दिल्ली कैपिटल्स के मिडिल ऑर्डर के रीढ़ हड्डी बन गए हैं।

खबर संक्षेप

छेत्री ने किया 39 संभावित खिलाड़ियों का चयन

नई दिल्ली। भारत की सीनियर महिला फुटबॉल टीम के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने जून-जुलाई में होने वाले एएफसी एशियाई कप 2026 क्वालीफायर से पहले राष्ट्रीय शिविर के लिए शनिवार को 39 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की। भारतीय महिला टीम 23 जून से पांच जुलाई तक थाईलैंड के चियांग माई में एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर खेलने के लिए तैयार हैं। टीम को ग्रुप बी में रखा गया है जहां उनका सामना मेजबान थाईलैंड, मंगोलिया, तिमोर-लेस्ते और इराक से होगा। सीनियर महिला टीम का शिविर एक मई को बेंगलुरु के 'पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस' में शुरू होगा।

सौरभ उम्मीदों और लक्ष्यों को लेकर चिंतित नहीं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दो साल के अंतराल के बाद वापसी कर रहे भारतीय पिस्टल निशानेबाज सौरभ चौधरी ने कहा

कि वह पदक जीतने, लक्ष्य निर्धारित करने और उम्मीदों को पूरा करने के लिए अपनी नींद गंवाने की जगह कदम दर कदम आगे बढ़ना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि वह अतीत में भी इन चीजों को लेकर परेशान नहीं थे। भारतीय निशानेबाजी में सबसे तेजी से उभरते युवा से लेकर खराब फॉर्म के कारण गुमनामी में जाने तक इस 22 साल के निशानेबाज ने कम समय में करियर में बड़ा उतार चढ़ाव देखा है।

नए खिलाड़ियों को आजमाएगा सीएसके

मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने पांच बार की विजेता टीम के इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में मुश्किल स्थिति में होने की बात को स्वीकार करते हुए कहा कि अगर अगले दो मैच योजना के अनुसार नहीं होते हैं तो टीम आईपीएल के दूसरे भाग में अनुभवी खिलाड़ियों की जगह नए चेहरों को लाने में संकोच नहीं करेगी। चेन्नई की टीम सात मैचों में दो जीत के साथ अंक तालिका में आखिरी पायदान पर है। चेन्नई को हालांकि अनुभवी खिलाड़ियों को मौका देने के लिए जाना जाता है।

इंडियन प्रीमियर लीग

'नाम बड़े दर्शन छोटे'... करोड़ों में बिके लेकिन प्रदर्शन जीरो

सबसे महंगे 27 करोड़ी पंत ने बनाए 103 रन

आईपीएल इतिहास में 27 करोड़ रुपए में सबसे महंगे खिलाड़ी के तौर पर चुने गए ऋषभ पंत के लिए यह सीजन काफी खराब रहा है। 7 मैचों में उन्होंने 17.17 की औसत और 100 से कुछ ज़्यादा की स्ट्राइक रेट से 103 रन बनाए हैं। उनका एकमात्र महत्वपूर्ण योगदान चेन्नई के खिलाफ़ 63 रन की पारी के रूप में आया, जिसमें टीम को हार का सामना करना पड़ा। उनकी कप्तानी भी सवालों के घेरे में है।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

'नाम बड़े दर्शन छोटे' का मुहावरा आईपीएल के 18वें सीजन में बिके बड़े खिलाड़ियों पर सटीक बैठ रहा है। इस सीजन अपने प्रदर्शन से कई खिलाड़ियों ने फैंस के दिल में जगह बनाई है। लेकिन कई खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जिनसे उम्दा प्रदर्शन की दरकार थी लेकिन मोटी रकम के बाद भी उनका अबतक प्रदर्शन फीका ही रहा है। आइए ऐसे 5 खिलाड़ियों की बात करते हैं जिनके ऊपर फ्रेंचाइजी ने करोड़ों रुपए लगाए लेकिन उनकी परफार्मेंस सवालों में ही रही है।

वेंकटेश अय्यर : 121 रन

कोलकाता ने वेंकटेश अय्यर को 23.75 करोड़ की मोटी रकम में अपनी टीम में शामिल किया था। लेकिन अय्यर के बल्ले से अबतक खेले गए 7 मैचों में केवल 24.5 की औसत और 155.05 की स्ट्राइक रेट से 121 रन बनाए हैं। उनका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 29 गेंदों में 60 रन की पारी थी।

ग्लेन मैक्सवेल : 41 रन

पंजाब किंग्स ने मैक्सवेल को 4.2 करोड़ की रकम में अपने साथ रखा है। लेकिन अब तक खेले गए 6 मैचों में मैक्सवेल के बल्ले से केवल 41 रन ही निकले हैं। उनका औसत 8.20 का है। लंबे-लंबे चौके और छक्के लगाने के लिए मशहूर मैक्सवेल के बल्ले से इस सीजन केवल 4 चौके और एक छक्का ही निकला है।

रोहित शर्मा : 82 रन

रोहित शर्मा आईपीएल में अपनी टीम मुंबई इंडियंस की पहचान रहे हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी में 5 बार इस टीम को खिताब जिताया है। लेकिन 16 करोड़ से ज्यादा की मोटी रकम लेने वाले रोहित शर्मा के लिए ये सीजन किसी बुरे सपने की तरह ही है। रोहित ने अबतक खेले गए 6 मैच में केवल 82 रन बनाए हैं। उनका हाईएस्ट स्कोर ही 26 रन है।

मार्कस स्टोइनिस : 66 रन

मार्कस स्टोइनिस (पंजाब किंग्स) को पंजाब किंग्स ने 11 करोड़ में खरीदा था। उनके लिए भी ये सीजन अबतक अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 6 मैचों में केवल 66 रन बनाए हैं। उनकी सबसे धमाकेदार पारी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ़ आई थी।

सुपर कप के पहले मैच में ईस्ट बंगाल का सामना केरल से आज

भुवनेश्वर। गत चैंपियन ईस्ट बंगाल की टीम रविवार को यहां कलिंगा सुपर कप के उद्घाटन मैच में केरल ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ मैदान में उतरेगी। उसकी कोशिश 15 टीम वाले इस टूर्नामेंट में अपनी ट्रॉफी बरकरार रखने के साथ अगले सत्र के एएफसी चैंपियंस लीग 2 के लिए एकमात्र उपलब्ध स्थान को हासिल करने की होगी। इस टूर्नामेंट के पिछले दो सत्र में ग्रुप चरण के बाद सेमीफाइनल हुआ था लेकिन इस सत्र में 2018 और 2019 की तरह नॉकआउट प्रारूप होगा। इसका मतलब यह है कि हर मैच 'करो या मरो' होगा। ईस्ट बंगाल ने पिछले साल अतिरिक्त समय तक चले फाइनल में ओडिशा एफसी को 3-2 से हराकर खिताब जीता था। टीम ने इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर 12 साल के खिताबी सूखे को खत्म किया था।

GURU RAMDAS KHALSA INSTITUTE OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (APPROVED BY AICTE NEW DELHI AFFILIATED TO RAJIV GANDHI PROUDYOGIKI VISHWAVIDYALAYA BHOPAL) KUKRI KHEDA, BARELA, JABALPUR M. P. 483001 PHONE : 8226006223, 9479757781

NOTIFICATION FOR FACULTY RECRUITMENT

Guru Ramdas Khalsa institute of science and technology invites applications for the post of professors, associate professors, assistant professors, lecturers and TA for Diploma, Engineering in the following discipline:
Artificial Intelligence And Data Science (AI&DS), Civil Engineering, Mechanical Engineering, Agriculture Engineering, Computer Science & Engineering, Electrical & Electronics Engineering, Electronics & Communication Engineering, Biotechnology, Automobile Engineering, Dairy Engineering, Fire Technology And Safety, Refrigeration And Air Conditioning And Master Of Engineering (Thermal System & Design).

Qualification and Salary as per UGC/ AICTE Norms Candidate can Submit their resume along with Copies of Certificate to directorgrkist@gmail.com

कार्यालय अधीक्षक, नेताजी सुभाषचंद्र बोस केन्द्रीय जेल जबलपुर

क्रमांक 272/उद्योग/2025 — **ई-निविदा सूचना** — जबलपुर, दिनांक 16/04/2025

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, केन्द्रीय जेल जबलपुर के जेल परिसर में लगभग 5.5 एकड़ भूमि पर निर्मित तालाब को मत्स्य पालन हेतु 03 वर्षों के लिये किराये पर देने हेतु मध्यप्रदेश भण्डार क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित 2022) एवं जेल उद्योग (सिद्धदोष व्यक्तियों का नियोजन) नियम 2021 के अंतर्गत निविदा (ई-टेण्डर) वेबसाईट https://mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है । निविदा कार्यक्रम विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	विवरण	दिनांक एवं समय	स्थान
1	प्री-बिड मीटिंग की तिथि	दिनांक 05.05.2025 समय प्रातः 11:00 बजे	कार्यालय जेल अधीक्षक केन्द्रीय जेल जबलपुर
2	निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि निविदा फार्म की कीमत रू. 1000/- प्रति फार्म राशि ऑनलाईन शीर्ष 0056 - 800 अन्य प्राप्तियां में जमा किया जावेगा ।	दिनांक 13.05.2025 समय सायं 05:30 बजे तक	https://mptenders.gov.in
3	तकनीकी निविदा (आवश्यक दस्तावेज परीक्षण)	दिनांक 14.05.2025 समय प्रातः 11:00 बजे तक	................"...........
4	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 11.05.2025 प्रातः 11:00 बजे	................."............

निविदा फार्म एवं निविदा से संबंधित जानकारी वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है । निविदा फार्म दर्शित वेबसाइट पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किया जा सकता है। उक्त निविदा में किसी भी प्रकार के परिवर्तन की सूचना केवल वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। इसके लिए पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा ।

जेल अधीक्षक
नेताजी सुभाषचंद्र बोस केन्द्रीय जेल,जबलपुर

G-11755/25 "स्वच्छता ही सेवा"

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र. 1, जबलपुर

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 04 वर्ष 2025-26 टेण्डर लिपिक — **निविदा सूचना** — जबलपुर, दिनांक 17-04-2025

निम्नलिखित कार्यो हेतु ई टेन्डरिंग के माध्यम से निर्मलखित कार्यो की निविदायें आमंत्रित की जाती है। कार्यो का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाईड पर आनलाईन भुगतान कर वेबसाईड के माध्यम से प्राप्त किये जा सकते है।

क्र.	टेण्डर आई.डी.	कार्य का नाम	आमंत्रण	ठेके की अनुमानित राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2025_PWDRB_417493_pack1	एम. पी. एस. जे. अकादमी जबलपुर में स्लैब रूफ में वाटर प्रूफिंग का कार्य, वाटर टेंक बदलने का कार्य एवं द्वितीय तल के सभी टॉयलेट एवं बाथरूम की मरम्मत कार्य एवं अन्य कार्य।	प्रथम	57.20	57200.00	10000.00	06 माह वर्षा ऋतु (सहित)
2	2025_PWDRB_417495_pack1	मुख्यालय सेक्शन मुख्यालय उपसंभाग क्रमांक 2 जबलपुर अंतर्गत माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर अंतर्गत सी.आर.-13 में रेनोवेशन कार्य।	प्रथम	15.00	30000.00	2000.00	04 माह वर्षा ऋतु (सहित)
3	2025_PWDRB_417496_pack1	मुख्यालय सेक्शन मुख्यालय उपसंभाग क्रमांक 2 प्रथम जबलपुर अंतर्गत माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर अंतर्गत सीपेज एवं छत की मरम्मत कार्य एवं अन्य कार्य ।	प्रथम	9.95	20000.00	2000.00	04 माह वर्षा ऋतु (सहित)
4	2025_PWDRB_417497_pack1	मुख्यालय सेक्शन मुख्यालय उपसंभाग क्रमांक 2 जबलपुर अंतर्गत माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर अंतर्गत सी. आर-4 में रेनोवेशन कार्य।	प्रथम	19.95	40000.00	2000.00	04 माह वर्षा ऋतु (सहित)
5	2025_PWDRB_417498_pack1	डिपॉजिट मद के अंतर्गत एम. एम. व्ही सेक्शन जबलपुर अंतर्गत डी.एन.एल.यू.कॉलेज में किचिन मेश, स्टोर रूम, हॉल इत्यादि में एडीशन आल्ट्रेशन एवं रेनोवेशन कार्य।	प्रथम	19.99	40000.00	2000.00	04 माह वर्षा ऋतु (सहित)
6	2025_PWDRB_417500_pack1	डिपॉजिट मद के अंतर्गत डी. एन.एल.यू. कॉलेज भटनागर हॉस्टल में बाथरूम इत्यादि में एडीशन आल्ट्रेशन एवं रेनोवेशन कार्य।	प्रथम	19.70	40000.00	2000.00	04 माह वर्षा ऋतु (सहित)
7	2025_PWDRB_417501_pack1	पनागर सिंगलदीप मंझौली मार्ग के कि.मी. 10. 11 का री-हेबलीटेशन कार्य ।	प्रथम	19.99	40000.00	2000.00	04 माह वर्षा ऋतु (सहित)
8	2025_PWDRB_417502_pack1	मुख्यालय सेक्शन मुख्यालय उपसंभाग क्रमांक 3 जबलपुर अंतर्गत माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर अंतर्गत कंडोमेनियम बिल्डिंग के जजेस रीट्रीट एवं कान्फ्रेसिंग सेंटर में एडीशन आल्ट्रेशन एवं मरम्मत कार्य।	प्रथम	19.75	40000.00	2000.00	04 माह वर्षा ऋतु (सहित)
9	2025_PWDRB_417503_pack1	कटंगी पोला मंझौली मार्ग के कि.मी. 06, 12 का री-टेबलीटेशन कार्य।	प्रथम	19.99	40000.00	2000.00	04 माह वर्षा ऋतु (सहित)
		कुल योग		201.52			

टीपः- (1) निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 30/04/2025 17.30 बजे तक है। अन्य तिथियाँ एवं विस्तृत विवरण व संशोधन आनलाईन वेब साईड www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती हैं। किसी भी प्रकार के संशोधन का पुनः प्रकाशन नही कराया जावेगा। संशोधन सूचना कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ / स)
संभाग क्रं. -1, जबलपुर

G-11776/25 "स्वच्छता ही सेवा"

गृहस्थी और बेटी की शादी के सपने राख में तब्दील

चरगवां के बिजौरी गांव में भीषण अग्नि दुर्घटना

हरिभूमि जबलपुर।

चरगवां क्षेत्र के बिजौरी गांव में बीती रात एक भीषण अग्निकांड में एक परिवार की पूरी गृहस्थी और दुकान जलकर खाक हो गई। हादसे के बाद घर के सदस्य गहरे सदमे में हैं। उनकी हालत यह हो गई है कि पास बैठने को कुर्सी और खाने को अन्न तक नहीं बचा। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे गांव को झकझोर दिया है। जानकारी के अनुसार, मुन्ना राय, जो अपने घर में ही छोटी सी किराना दुकान चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे, रात को परिवार के साथ घर में मौजूद थे। तभी अचानक एक शॉर्ट सर्किट हुआ और आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरे घर और दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचित किया, लेकिन जब तक दमकल वाहन पहुंचे, तब तक पूरा मकान और दुकान खाक हो चुके थे।

प्रशासन से मदद की गुहार

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मुन्ना राय और उनके परिवार को तत्काल राहत प्रदान की जाए। बेटी की शादी नजदीक है और इस परिस्थिति में यह परिवार अपने बलबूते पर कोई व्यवस्था नहीं कर सकता।

बेटी की शादी का सामान भी राख

मुन्ना राय ने बताया कि आगजनी में करीब 20 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति का नुकसान हुआ है, जिसमें नगदी, सोना-चांदी, दुकान का सामान और बेटी की शादी के लिए इकट्ठा किया गया दहेज शामिल था। कुछ समय पहले ही बेटे की शादी सम्पन्न हुई थी और अब बेटी की शादी की तैयारियां चल रही थीं। शादी के लिए जो भी थोड़ी-थोड़ी बचत करके सामान इकट्ठा किया गया था — सोना, चांदी, बर्तन, कपड़े और नकदी सब कुछ इस आग में जलकर नष्ट हो गया।

साहसी पुलिसकर्मी बने संकटमोचक

जब तक फायर ब्रिगेड पहुंचती, पुलिस के जवान मौके पर पहुंच गए। आग की भयावहता को देखकर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और जान की परवाह किए बिना जलती हुई दुकान में घुसे। उन्होंने प्रयास किया कि जो भी सामान बच सकता है, उसे निकाल लिया जाए। हालांकि, आग बहुत भयंकर थी और वे केवल थोड़ा बहुत ही सामान बचा पाए।

क्राइम ब्रांच ने किया शातिर चोरों की गैंग का पर्दाफाश

चोरी के जेवर गिरवी रखकर लेते थे गोल्ड लोन

हरिभूमि जबलपुर।

गोराबाजार थानाक्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की वारदातों का आखिरकार पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। क्राइम ब्रांच और थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया गया है, जो चोरी के बाद जेवरातों को गिरवी रखकर गोल्ड लोन लेते थे। पुलिस ने इनके पास से लाखों रुपये मूल्य के चोरी के जेवरात और नकदी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रदीप विश्वकर्मा (निवासी चेरीताल), मोहसिन खान (निवासी फूटाताल) और अंकित बैन के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, ये तीनों मिलकर गोराबाजार के मॉडल टाउन समेत आसपास के क्षेत्रों में चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। इनका तरीका बेहद चौंकाने वाला था — चोरी करने के बाद ये जेवरातों को हनुमानताल की एक निजी ज्वेलरी शॉप और मणप्पुरम फाइनेंस में गिरवी रख देते थे और बदले में गोल्ड लोन ले लेते थे।

लाखों के जेवर बरामद

क्राइम ब्रांच की कार्रवाई के दौरान इनके पास से एक जोड़ी सोने की चूड़ियाँ, सोने की चेन, कान के टॉप, कान के फूल, चांदी की पायल, करधन, चांदी का बिस्कुट, चांदी का कड़ा, सिक्के और अन्य कीमती आभूषण बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, जब्त माल की कीमत लाखों रुपये आंकी गई है।

पूछताछ के दौरान यह भी पता लगाया जा रहा है कि इन चोरों ने और कितनी वारदातों को अंजाम दिया है, और क्या इनका कोई बड़ा गिरोह भी सक्रिय है। थाना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच गहराई से की जा रही है और जल्द ही और खुलासे हो सकते हैं।

पेंशनरों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र सुविधा शुरू

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने अपने पेंशनरों और उनके आश्रितों के लिए ऑनलाइन सेवाओं को बेहतर बनाने हेतु अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर नई सुविधाएँ शुरू की हैं। एक प्रमुख पहल के रूप में, अब पेंशनर कहीं से भी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (जीवन प्रमाण पत्र) सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। एमपी ट्रांसको के मुख्य वित्तीय अधिकारी मुकुल महरोत्रा ने बताया कि पहले पेंशनरों या उनके आश्रितों को जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए एमपी ट्रांसको के कार्यालयों में जाना पड़ता था, लेकिन अब यह आवश्यकता समाप्त कर दी गई है। इस नई सुविधा के साथ, डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र सेवा अब वेबसाइट पर आसानी से उपलब्ध है।पेंशनर अब अपनी पेंशन की स्थिति की जांच कर सकते हैं और वर्तमान जीवन प्रमाण पत्र की वैधता भी ऑनलाइन देख सकते हैं। इससे उन्हें समय पर डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने में मदद मिलेगी।

इसके अतिरिक्त, वेबसाइट पर एक समर्पित टैब भी जोड़ा गया है, जहाँ पेंशनरपनी पेंशन स्लिप देख और डाउनलोड कर सकते हैं. इनकम टैक्स फॉर्म-16 एक्सेस कर सकते हैं और डाउनलोड कर सकते हैं. वर्तमान में, एमपी ट्रांसको के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन और पारिवारिक पेंशन यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से वितरित की जाती है, जिसमें 4,285 पेंशनर जुड़े हुए हैं। भविष्य में इस प्रणाली को अन्य बैंकों से भी जोड़े जाने की योजना है।

युवक के साथ मिलकर गांजे की तस्करी कर रही युवती भी गिरफ्तार

हरिभूमि जबलपुर।

क्राइम ब्रांच एवं घमापुर पुलिस की टीम ने एक बदमाश के साथ साथ एक युवती को गांजा तस्करी में गिरफ्तार किया है। क्राईम ब्रांच थाना प्रभारी शैलेष मिश्रा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर घमापुर पुलिस टीम के साथ कार्यवाही करते हुये चांद मारी में सिध्देश्वर कुण्ड मंदिर के पास एक बदमाश रचित जाटव और एक युवती पल्लवी झारिया को

आठ किलो गांजा जप्त

घेरा बंदी कर पकड़ा गया, उनके बैग की तलाशी लेने पर दोनों के पास बैग में लगभग 8 किलो 718 ग्राम गांजा जप्त किया गया, जिसकी कीमती लगभग 1 लाख 75 रुपया अनुमानित है। आरोपियों के विरूद्ध धारा 8, 20, एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी रचित जाट अपराधिक प्रवृत्ति का है, उसके विरुध्द पूर्व से कई मामले लंबित हैं।

HINDUSTANPOWER

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एमबी पावर (मध्य प्रदेश) लिमिटेड के द्वारा फ्लाई ऐश (राखड़) का किया जा रहा शत प्रतिशत उपयोग

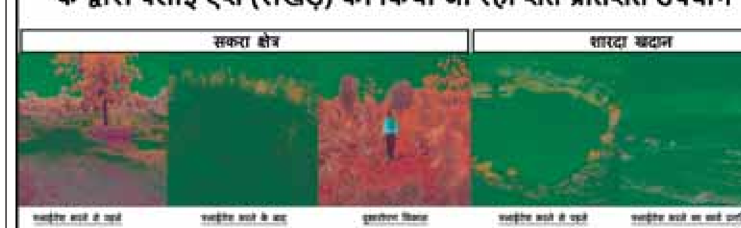

एमबी पावर द्वारा निचली भूमि को फ्लाई ऐश (राखड़) से भरने के लाभ

- भू भराव में फ्लाई ऐश (राखड़) का उपयोग कर समतलीकरण करने से अनुपयोगी भूमि को उपयोगी बनाया जाता है।
- भू भराव हेतु फ्लाई ऐश (राखड़) का उपयोग करने से मृदा का संरक्षण होता है जिससे प्राकृतिक संसाधनों की खुदाई कम होती है।
- फ्लाई ऐश (राखड़) द्वारा समतलीकरण की गई भूमि को खेल के मैदान, चारागाह, व हरित पट्टिका एवं अन्य उपयोग में किया जाता है।
- फ्लाई ऐश (राखड़) से भू भराव पश्चात समतलीकरण की गई भूमि को भवन निर्माण के लिए उपयोग किया जाता है।
- गड्ढे की भूमि को फ्लाई ऐश (राखड़) भराव कर समतलीकरण कर देने से उसमें होने वाले जान माल का खतरा टल जाता है।

ज्ञात हो कि कंपनी के द्वारा आज दिनांक तक लगभग 100 एकड़ से अधिक अनुपयोगी भूमि को उपयोगी बनाया गया है।

Terms and conditions apply. #The Instant Cashback offer of ₹5100 is available on purchase of Shine100. #The offer may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. #The scheme is offered by Authorized Main Dealers and Associate Dealers and can be availed on purchase of Shine100 from Authorized Main Dealers and Associate Dealers. *Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. *The interest rates, down payment, and tenure options are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. Nil Extra charges (0/- processing fee, 0/- Documentation Charge & 0/- Advance EMI) are applicable on Shine 100 model only. *The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. Additional Cashback offer is available on selected Honda2wheelers models for EMI transactions made using IDFC FIRST Bank credit cards through Pine Labs machines only. Customers can avail 5% cashback, up to a maximum of ₹5000/-. Valid on one transaction per card/order during the offer period. The scheme is available at selected outlets only. The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. All offers are valid until 30th April 2025. The features shown in the creative may not be available in all variants. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122050, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: BALAGHAT: Dreams Honda - 8349272776, 07632244220; Dreams Honda (Baihar) - 8269793376, 7389353376; **CHHINDWARA:** Akshit Honda (Chourai) - 8989994445, 9770066639; Akshit Honda (Parasia Road, Chhindwara) - 8989994440, 9770066619; Akshit Honda (Seoni Road, Chhindwara) - 8989994441, 9770044415; Akshit Honda (Amarwara) - 8989994443, 9770066640; Akshit Honda (Parasia) - 8989994442, 9770066638; Shyam Honda (Pandhurna) - 9425818989; Ayush Honda (Junnardeo) - 9425871626, 6267013113; Maa Vaishnav Honda (Bichhua) - 8989994446, 9770066641; Manish Honda (Sausar) - 9244569009, 9200010004; **CHHATARPUR:** Namostu Honda (Chhatarpur) - 9407184511, 9425815111; KGN Automobiles (Luv Kush Nagar) - 7582807444, 9993920927; Sanvi Honda (Maharajpur) - 9907605858; **DAMOH:** Texol Honda - 9407071200, 9425096191; **JABALPUR:** Sahil Honda - 7771003865, 7771003887; Frontier Honda - 8226001881, 8226001882; Anand Wheels Honda - 7049919750, 7049919755, 9424994480; Anand Wheels Honda (Adhartal) - 7049919753, 7049919755; Sahil Honda (Madan Mahal) - 7771003899, 7771003880; Sai Honda (Gadasarai) - 9926360842; SKR Honda (Sihora) - 9977448009; Sonico Honda (Dindori) - 9424508485, 6262908035; MPsahu Honda (Shahpura Dindori) - 9753156094; Balaji Honda (Barela) - 8602391415; J P Honda (Bargi) - 9399374447; Sai Honda (Dhanpuri) 8319138424; Shri Honda (Gosalpur) - 9732235782, 9479949844; **MANDLA:** Rajul Honda - 7642260711, 9893554611; **NARSINGHPUR:** Amisha Honda - 9425815655; Amisha Honda (Gadarwara) - 9425815655; Sudeep Honda (Kareli) - 8989252525; **SEONI:** Anurag Honda - 9827112711, 9827122712; Anurag Honda (Lakhnadon) - 7711884494; Vardhman Honda (Chhapara) - 8770068747; **KATNI:** Shri Sahil Honda - 9425156978; Jaishree Honda (Barhi) - 9009705200; Shri Shambhu Automobiles (Vijayraghavgarh) - 7987061672; JCM Aman Motors (Bilahri) - 7566056605; SK Motors (Bahoriband) - 7974267080; Murli Motors (Sleemnabad) - 7999077781; Quadri Honda (Umaria Pan) - 9074210324; **SHAHDOL:** Utsav Honda - 07652-298532, 8349283655; G L Honda (Umariya) - 9329523156; Virasini Honda (Anuppur) - 8770423634; Jay Ambe Honda (Kotma) - 9300416285; Keshav Honda (Beohari) - 9425887009; Gautam Honda (Burhar) - 9425182213; Hindustan Honda (Pali) - 9302180568; **SATNA:** Krishna Honda - 8109043900, 7024924444, 7225868641, 229900; Eagle Honda - 7583808564, 6267275500; Deepak Honda (Ramnagar) - 9098804444, 9981162343; MaaDurga Honda (Rampur Baghelan) - 9425887633; Abhishek Honda (Amarpatan) - 9993676313, 9584860650; **REWA:** Rewa Maa Honda - 6262613690, 6262613695; Baikunthpur Honda (Baikunthpur) - 8982388380; N.K. Honda - N.K. Honda - 7694018001, 7694018002; Dev Wheels Honda (Mauganj) - 9685226689; M.R. Honda,Mangawan - 9977095984; Prince Honda (Semariya) - 993885882; Pushpendra Honda (Garh) - 9419566621; **SIDHI:** Laxmipati Honda - 9826540577, 8349790577; Laxmipati Honda (Rampur Naikan) - 9713240577, 8349790577; Shubham Honda (Bahari) - 7415825564, 7610332359; **WAIDHAN:** Agrasen Honda - 233016, 7049925591, 7049925593, 07805-350279; **PANNA:** Selection Honda - 9993586233; BHOPAL: Surana Honda - 4074455, 7566665646; Rajpal Honda - 4254000, 9425019567; BGS Honda - 4044441, 4231111, 8889999743; Om Auto Honda - 9826331339, 4003018/19; Power Honda - 2981111, 7024877777; Power Honda (Gulmohar) - 4256062, 7880055510; BGS Honda (Kolar Road) - 4038111, 8889999481; BGS Honda (Karondh) - 08889994503; Rajpal Honda (MP Nagar Zone-2) - 2571100, 9424494542; Shubhi Honda (Udaipura) - 9893255494; Shiv Honda (Berasia) - 9827205909; Karma Honda (Begumganj) - 9893141574; Poorvi Honda (Khilchipur) - 9827828182; Rajeev Honda (Mandeep) - 07480401458, 07415427302; JB Honda (Obedullaganj) - 07480224232, 9926566102; **TIKAMGARH:** Arjav Honda - 9806223193, 9630828006; Dhanushdhari Honda (Khargapur) - 9826264944; Ram Ji Honda (Palera) - 9560855084, Jainam Honda (Prithvipur) - 9713029419; Shanti Traders (Jatara) - 8871205164; **MORENA:** The Roshan Honda - 9301124000; Gupta Honda (Shabalgarh) - 9893170387; **AMBAH:** Aryan Honda - 9826288045.

For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in

हरिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240